राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा 2022-2023

वार्षिक प्रतिवेदन
और
वार्षिक लेखा
2022-2023

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

खुद वो बदलाव बनिए जो दुनिया में आप देखना चाहते हैं।

– महात्मा गांधी

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

	अध्यक्ष की कलम से	*v*
	निदेशक की कलम से	*vii*
	राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2023 तक	*ix*
1.	परिचय	1
2.	हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण	2
3.	लक्ष्य और उद्देश्य	3
4.	राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका	4
5.	सदस्यता संख्या 2022–23	5
6.	गतिविधियाँ – एक नज़र में	8
7.	राष्ट्रीय बाल संग्रहालय	17
8.	राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र	18
9.	हमारे कार्यक्रम	19
10.	विशेष उपलब्धियाँ	26
11.	स्टाफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम	27
12.	विस्तृत रिपोर्ट	28
13.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	57
14.	दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र	69
15.	संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट	72
16.	भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची	76
17.	राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र	89
18.	31.03.2022 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची	91

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 95

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 96
2. आय तथा व्यय खाता 97
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 98

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 99
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 100
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 101
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 102
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 103
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 103
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 104
12. 31.03.2023 तक के बैंक शेष का ब्यौरा 105
13. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 106
14. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 107
15. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 108
16. अनुसूची-11 – निवेश से आय 109
17. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 110
18. अनुसूची-13 – अन्य आय 111
19. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 112
20. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 112
21. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 113
22. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 114
23. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 115
24. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 116
25. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 116
26. अनुसूची-20 – वित्त लागत 117
27. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 117
28. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 117

IV. भविष्य निधि – जी.पी.एफ.

29. तुलनपत्र 118
30. आय एवं व्यय खाता 119
31. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 120

V. नई पेंशन योजना

32. तुलनपत्र 121
33. आय एवं व्यय खाता 122
34. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 123

VI. लेखाकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

35. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 124
36. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 126

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 129

VIII. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 134

अध्यक्ष की कलम से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन और उसकी सफल उपलब्धि विशेषकर राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक निकायों और विभिन्न हितधारकों पर आधारित है। राष्ट्रीय बाल भवन, शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के अधीन एक ऐसा स्वायत्त संस्थान है जो हमारे बच्चों की शिक्षा प्रणाली एवं व्यवहार कुशलता में अग्रणी बदलाव ला रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक समग्र और बहु-विषयक शिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है जो हमारे बच्चों को इस परिवर्तनशील दुनिया में निरंतर आगे बढ़ने के लिए अपेक्षित कौशल, ज्ञान और मूल्यों के साथ सशक्त बनाती है। आरंभ से ही राष्ट्रीय बाल भवन का मूल उद्देश्य रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और प्रयोगात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय बाल भवन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए लचीलेपन तथा अनुकूलनशीलता की क्षमता को प्रदर्शित करता है जिससे रचनात्मकता को बल और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा मिलता है। यह समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक विनियमन का आयोजन करता है जो कि बच्चों को उनकी प्रतिभाओं को अनुभव कराने, उनकी अभिलाषा को प्रकट करने तथा उन्हें उनके साथियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है और साथ ही उनके बहुविषयक दृष्टिकोण को भी विकसित करता है।

हमारा प्रयास राष्ट्रीय बाल भवन को उज्ज्वल शैक्षिक परिदृश्य के लिए उत्कृष्टता के अत्याधुनिक केंद्र में बदलना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप पूर्ण सामंजस्यता के आधार पर एक उज्ज्वल कल को आकार देने के लिए दिव्यांग बच्चों को उनकी क्षमता और रुचि के अनुसार कौशल और आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाना भी हमारी प्रतिबद्धता है।

हमारे कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का समर्पण तथा उनके अथक प्रयास समग्र विकास को बढ़ावा देने में हमारी सफलता की आधारशिला है। मैं, बच्चों के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय बाल भवन के सभी सदस्य

कर्मचारियों को उनके सतत सहयोग और विश्वास तथा साझा प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। हम सभी साथ मिलकर अपने देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे और अपनी सभी उपलब्धियों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करेंगे।

अप्रैल, 2023
नई दिल्ली

विपिन कुमार
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

"सभी बच्चों को सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करें। जब तक वे सपने नहीं देखेंगे, तब तक वे उन्हें हासिल करने के लिए प्रयत्नशील नहीं होंगे।"

राष्ट्रीय बाल भवन में, हमें विश्वास है कि बच्चों को प्रशिक्षित करना बड़े ही सौभाग्य की बात है। यह सुखद कर्त्तव्य, उत्साहवर्धान और आकर्षणीय भावना को बढ़ाता है। हम बच्चों को समग्र शिक्षा देने में विश्वास करते हैं, जिसमें शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ, खेल-कूद एवं जीवन-कौशल से सम्बंधित प्रशिक्षण भी शामिल हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों की रचनात्मकता और उनकी नवीन सोच को प्रवृत्त करने के लिए उन्हें मंच और अवसर प्रदान करता है।

सरकार की सर्वोच्च संस्था होने के कारण यह 5-16 वर्ष की आयु के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें उनकी गति से सीखने और उनकी रुचि के अनुसार गतिविधियों में भाग लेने के लिए बहुत ही अनुकूल वातावरण भी प्रदान करती है। अग्रणी प्रशिक्षण संस्था के रूप में यह बच्चों को प्रदर्शन कला, शिल्प, क्ले-मॉडलिंग, खेल-कूद, संग्रहालय, विज्ञान संबंधित गतिविधियाँ, फोटोग्राफी, सिलाई-कढ़ाई, हस्तकला आदि जैसी कई विभिन्न गतिविधियों में प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिसका वे अपनी स्कूली पढ़ाई के साथ अनुशीलन करते हैं।

हमारा लक्ष्य बच्चों को ढेर सारी गतिविधियों में संलिप्त करके उन्हें विचारों की अभिव्यक्ति कराना होता है जो कि वे साधारणत: औपचारिक स्कूली परिवेश में अनुभव नहीं कर पाते हैं। हमारा यह अनवरत प्रयास रहता है कि बच्चों को निरंतर प्रोत्साहित करें कि वे अपनी कल्पनाशक्ति की उड़ान भरें और अपने विचारों को विकसित करें तथा समस्याओं को सुलझाने के कौशल को समृद्ध करें एवं स्व-प्रयोग के परिणामस्वरूप जीवन को सुदृढ बनाएं।

यह संस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की स्वीकारोक्ति के लिए निरंतर कार्य कर रही है जो सभी शिक्षार्थियों के लिए समग्र रूप से मनोरंजन आधारित, तनाव-मुक्त, एकसमान शिक्षा पर आधारित है। इससे बच्चों को यह जानने में मदद मिलती है कि उन्हें क्या करना सबसे अच्छा लगता है।

मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी और गर्व हो रहा है कि इस वर्ष राष्ट्रीय बाल भवन ने भारतीय वायु सेना के स्कूली बच्चों के लिए भी कई आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। इन आवासीय कार्यक्रमों के अधीन अब तक देश के विभिन्न भागों में स्थापित स्कूलों के 700 से अधिक बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा एक ही स्थान पर 30 से अधिक गतिविधियाँ सीखने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों के, विशेषकर समाज के निम्न वर्ग के बच्चों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कैलेंडर का पूरा वर्ष विभिन्न गतिविधियों से भरा रहा है और मैं इस अवसर पर उन नायकों को धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होंने हमेशा पर्दे के पीछे रहकर कार्यक्रमों को सफल बनाने में तथा आयोजनों को जारी रखने में संपूर्ण योगदान दिया है। प्रशिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, सहायक कर्मचारी, गार्ड, सफाईकर्मी एवं राष्ट्रीय बाल भवन परिवार के सभी सदस्यों की कड़ी मेहनत के कारण ही हम इन आयोजनों पर बेफिक्र होकर ध्यान केंद्रित कर सकें हैं।

इसके साथ ही, मैं एक बार फिर से स्वयं को यह याद दिलाती हूँ कि सभी बच्चों में आसाधारण प्रतिभाएं होती हैं जिन्हें माता-पिता और शिक्षकों द्वारा मिलकर सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए बच्चों की गुणवत्ता को निखारने की आवश्यकता है।

शुभकामनाएं।

अप्रैल, 2023
नई दिल्ली

मुक्ता अग्रवाल
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2023 को

1. श्री विपिन कुमार — **सदस्य**
   अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   अपर सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

2. श्री आनन्द प्रकाश — **सदस्य**
   उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   आर-2/83, राज नगर
   गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

3. शोभित गुप्ता — **सदस्य**
   निदेशक वित्त, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

4. श्री शंखा राय — **सदस्य**
   उप सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. श्रीमती मुक्ता अग्रवाल — **सदस्य सचिव**
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

अगर हम इस दुनिया में असली शान्ति पहुंचाना चाहते हैं,
तो हमें बच्चों को शिक्षा देना शुरू करना चाहिए।

– महात्मा गांधी

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों की सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 141 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 40 बाल भवन केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी भी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर प्रकार से संभावनाएं प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष हज़ारों की संख्या में बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 40 बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल भवन केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि के शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य

1 बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।

2 बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।

3 स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षिक सेवाएं प्रदान करना।

4 कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।

5 मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

6 राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।

7 मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।

8 सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।

9 बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।

10 उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

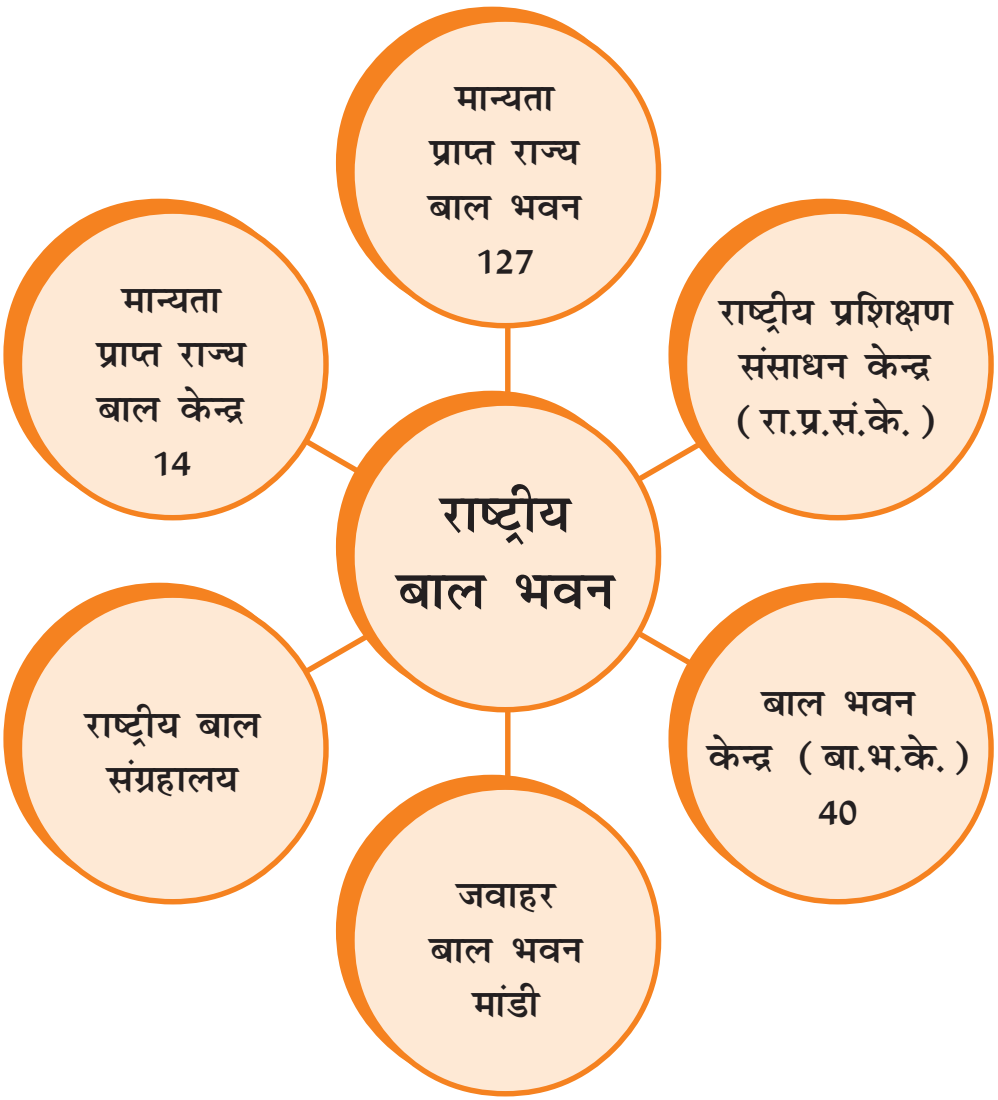

सदस्यता संख्या 2022-23

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 40 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 3225 (1639 - लड़के, 1586 - लड़कियों सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 1152 जवाहर बाल भवन माण्डी में और 5407 बच्चों ने दिल्ली के 40 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगींण विकास हेतु तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बच्चों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती हैं तथा अन्य बच्चों से 200 रूपये प्रति बच्चा प्रतिवर्ष सदस्यता शुल्क लिया जाता है।

सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	पंजीकरण
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	3225
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	1152
3.	बाल भवन केन्द्र	5407

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान	नि:शुल्क संस्थाएँ
1	32	5

नोट :

1. **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सदस्यता शुल्क 200 रूपये है।**
2. **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर सदस्यता शुल्क नि:शुल्क है।**
3. **पब्लिक स्कूलों व गैर सरकारी संस्थानों से सदस्यता शुल्क 1000 रूपये प्रति वर्ष लिया जाता है।**
4. **राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क सदस्यता प्राप्त है।**

सदस्य स्कूल/संस्था (सत्र 2022-23)

1 सर्वोदय बाल विद्यालय, राउज एवेन्यू स्कूल, दीन दयाल उपाध्याय, नई दिल्ली-110002

2 सबकी पाठशाला ट्रस्ट, प्रगति मैदान, नई दिल्ली-110002

3 न्यू होरिज़न स्कूल, हज़रत निज़ामुद्दीन, नॉर्थ ऑफ हुमायूंस टॉम्ब, मथुरा रोड, नई दिल्ली-110013

4 बाबू राम हैप्पी स्कूल, 1192, गली बाबू राम, कूचा पाटी राम, बाजार सीता राम, दिल्ली-110006

5 वायु सेना स्कूल, हिण्डन

6 वायु सेना स्कूल, अम्बाला

7 वायु सेना स्कूल, जम्मू

8 वायु सेना स्कूल, पठानकोट

9 वायु सेना स्कूल, हलवाड़ा

10 वायु सेना स्कूल, सरसावा

11 वायु सेना स्कूल, चण्डीगढ़

12 वायु सेना स्कूल, आगरा

13 वायु सेना स्कूल, बरेली

14 वायु सेना स्कूल, गोरखपुर

15 वायु सेना स्कूल, बामरौली

16 वायु सेना स्कूल, ग्वालियर

17 वायु सेना स्कूल, विमन नगर

18 वायु सेना स्कूल, जाम नगर

19 वायु सेना स्कूल, जयपुर

20 वायु सेना स्कूल, जोधपुर

21 वायु सेना स्कूल, जयसालमर

22 वायु सेना स्कूल, भुज

23 वायु सेना स्कूल, चाकेरी

24 वायु सेना स्कूल, गुरूग्राम

25 वायु सेना स्कूल, मनौरी

26 वायु सेना स्कूल, सुब्रोतो पार्क, नई दिल्ली-110010

27 श्रीडी सांई बाबा टैम्पल सोसाइटी, सांई धाम, टीगाँव रोड, सैक्टर-86, फरीदाबाद-121014

28 हीरा स्कूल, नर्सरी मस्जिद, वाटर पम्प के समीप, एल.एन.जे.पी. अस्पताल, नई दिल्ली-110002

29 बलवंत राय मेहता विद्या भवन, अंगूरीदेवी शेरसिंह मेमोरियल अकादमी, ग्रैटर कैलाश-11, नई दिल्ली-110048

30 मीरा नर्सरी स्कूल, बी-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 आस संस्था, 188-बी, कटरा मशरू, दरीबा कलां, दिल्ली-110006

32 मीरा मॉडल स्कूल, बी-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नि:शुल्क संस्थाएं

1 नवशक्ति गर्ल्स सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, 11, विष्णु दिगम्बर मार्ग, राउज़ एवेन्यू, नई दिल्ली-110002

2 बाल सहयोग, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली-110001

3 सर्वोदय बाल विद्यालय नं. 1(यूएम), जामा मस्जिद, नई दिल्ली-110002

4 रामजस गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

5 आंध्रा एजूकेशन सोसायटी, डॉ, दुर्गाबाई देशमुख मेमोरियल सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, 1 दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया है।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग, सभी आयु वर्ग के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले विशेषत: छोटी आयुवर्ग के बच्चे आमतौर पर परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं। यह एक बहुमाध्यम अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक माध्यम से दूसरे माध्यम पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परम्परागत लोक कला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं। यह विभाग बच्चों को मेहंदी कला, मधुबनी व वर्ली कलाओं से भी परिचित करवाता है।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर, और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे आकृति बनाने, रेखा-चित्र, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती हैं।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधियाँ विशेष हैं क्योंकि इसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुरानी पत्रिकाएँ, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, गत्ते के खाली डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकोल, पुराने अखबार इत्यादि के साथ प्रयोग करने की खुली

छूट मिलती है। काम न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

बुनाई गतिवधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे बुनाई की विभिन्न तकनीकों द्वारा कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे - वॉल हैंगिंग, दृश्यावली, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, इत्यादि बनाते हैं। उन्हें सुंदर वस्तुओं के निर्माण की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई के डिज़ाइन सीखते हैं और दृश्यावली, आसन, तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग की गतिविधियों में मैक्रामे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई, कठपुतली बनाने, खिलौने बनाने, इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे तरह-तरह के हैंगिंग्स बनाने और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का कार्य

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है, जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी मदद करती है। यहाँ बच्चे मुख, जानवर, चेहरे, दृश्य व मिट्टी की मानव आकृतियाँ एवं डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही मिट्टी, पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने का प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों में अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चों को किताबों को सुन्दर और सुरक्षित बनाना सिखाया जाता है। इस अनुभाग में जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे कार्डबोर्ड से सुंदर वस्तुओं को निमार्ण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों को कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उससे विभिन्न वस्तुएँ जैसे छोटी डायरी, फाइल कवर तथा कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, तथा अन्य नई प्रकार की वस्तुएँ निर्माण करना सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा काष्ठ कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान दिया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनके टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, बुरादे से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, पेन होल्डर, डिब्बे, पॉट कवर, इत्यादि निर्मित करना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के टुकड़ों व बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं, जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, 'क्यों और कैसे क्लब' और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और विज्ञान से संबंधित फिल्म शो आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उनमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं –

विज्ञान अनुभाग के निम्न उप अनुभाग हैं –

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं, जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

अन्वेषक क्लब अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, यहाँ वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्लस अनुभाग में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप सिखाए जाते हैं। यहां बच्चे डिजिटल परियोजनाओं और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की गई है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों हेतु एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं। इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को यहाँ सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम संचारी प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। यहाँ बच्चे "फोटोशाप" एवं "डिजिटल प्रिंटिंग" तकनीकें भी सीखते हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति एवं जीव के अनुरक्षण के साथ-साथ संस्कृति, हस्तशिल्प, लोककला, साहित्य स्मारकों आदि के बचाव के लिए भी पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। वर्षा जल संरक्षण एवं सौर उर्जा संबंधी प्रोजेक्टों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि का पुनरावर्तन जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है। अधिक से अधिक बच्चों में जागरूकता फैलाने हेतु वर्ष 1990 से अभी तक प्रति वर्ष युवा पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के विभिन्न भागों से बच्चे देश की किसी भी एक चयनित जगह पर एकत्रित हो पर्यावरण के विभिन्न सामाजिक, भावनात्मक एवं सांस्कृतिक पहलूओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे है। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा दिल्ली के बच्चों हेतु एवं सार्क (SAARC) देशों के बच्चों हेतु "दूरबीन बनाने की कार्यशाला" भी आयोजित की गई।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं, जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अनुकूलन, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों के संरचनात्मक गुणों, आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय

राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों के लिए ढेर सारी मनोरंजक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रों का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं –

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे- छायांकन का इतिहास, डिजिटल कैमरे व साधारण कैमरे के विभिन्न अंग, उन्हें व्यवहार में प्रयोग करने की तकनीक आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि की फोटो खींचने के साथ-साथ उनके विषय में जानकारी भी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। बच्चे फोटोशाप की सहायता से काफी टेबल पुस्तक बनाना भी सीखते हैं।

इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं, जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- डिजिटल फोटोग्राफी
- फोटोशॉप तकनीक द्वारा डिजिटल एनहेंसमेंट
- प्रकृति, स्मारक आदि की तस्वीरें लेने हेतु भ्रमण यात्रा एवं विरासत वाक
- फोटो प्रदर्शनी
- फोटोग्राफी ट्रेनिंग
- व्यस्कों हेतु कार्यक्रम

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - (सितार, तबला एवं हारमोनियम)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ सभी आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन का शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग आदि। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, यहां अंतरविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ, ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। हाल में ही निशानेबाजी एवं कैरम की गतिविधियाँ भी आरंभ की गई हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला (आंतरिक एवं बाह्य)

गृह प्रबंधन

गृह प्रबंधन विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन
- पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण
- पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय पूरे भारतवर्ष में अद्वितीय बाल संग्रहालय है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिसमें प्रमुख है बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराना। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है, जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति, युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोपोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाया गया है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि की जानकारी दी गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
49,650	12,863	305

1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 के दौरान संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची -

- चमत्कारी नन्हे हाथ
- भारतीय मौलिक कलाओं की झलक
- पंचतंत्र की कहानियाँ - नन्हें हाथों द्वारा गढ़ी

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य शिक्षकों एवं व्यस्कों को सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व का सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 127 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 14 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 40 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रें में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2022-23

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/ अध्यापकों की संख्या
1.	01.04.2022	परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम	बच्चों के मनोबल को उभारना।	40 बच्चे
2.	01.04.2022 30.04.2022	ध्यान एवं योगाभ्यास कार्यक्रम	तनाव मुक्त और स्वस्थ रहने के उपाय बताना।	70 कर्मचारी
3.	अप्रैल, 2022	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम	आज़ादी के संघर्षों से अवगत कराना।	355 बच्चे
4.	20.04.2022 22.04.2022	सितार और गिटार कार्यशाला	सितार और गिटार के रियाज़ी बोलों एवं पलटों से अवगत कराना।	12 बच्चे

5.	22.04.2022 23.04.2022	पृथ्वी दिवस कार्यक्रम	पृथ्वी से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराना।	76 बच्चे
6.	मई, 2022	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम	चित्रकला के माध्यम से अपने देश की आज़ादी से जुड़ी बातों से अवगत कराना।	40 बच्चे
7.	मई, 2022	कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम	इंटरनेट के उपयोग से सम्बंधित लाभ और हानि से अवगत कराना।	32 बच्चे
8.	20.05.2022 23.05.2022	ग्रीष्मोत्सव समारोह कार्यक्रम	बच्चों के कौशल को निखारना तथा चहुंमुखी विकास करना।	1700 बच्चे
9.	21.5.2022	रचनात्मक लेखन कार्यशाला	बच्चों को आत्मविश्वासी और सक्षम लेखन कार्य में मदद करना।	100 बच्चे
10.	21.5.2022	ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना।	300 बच्चे
11.	24.05.2022 28.05.2022	हिंदी कहानी सुनाने की कार्यशाला	कहानी सुनाने के सही तरीके से अवगत कराना।	100 बच्चे
12.	25.05.2022 26.05.2022	पर्यावरण एवं मछली घर अनुभाग द्वारा प्रागैतिहासिक जीवन से गुज़रना कार्यशाला	जानवरों के विलुप्त होने के कारण से अवगत कराना।	70 बच्चे
13.	28.05.2022	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना था।	160 बच्चे
14.	31.05.2022 03.06.2022	सुलेखन कार्यशाला	एक विशिष्ट शैली द्वारा स्वयं की लिखाई को खूबसूरत बनाने की कला से अवगत कराना।	80 बच्चे
15.	31.05.2022	रवीन्द्र जयंती	उनके योगदानों से अवगत कराना।	35 बच्चे
16.	31.05.2022 04.06.2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर संग्रहालय विभागों द्वारा कार्यशाला	ऐतिहासिक स्मारकों / स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करना।	35 बच्चे
17.	31.05.2022	राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का संग्रहालय विभागों द्वारा भ्रमण कार्यक्रम	पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के उपायों की जानकारी देना।	44 बच्चे
18.	31.05.2022	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस कार्यक्रम	नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना।	400 बच्चे
19.	जून, 2022	आज़ादी के अमृत महोत्सव पर कार्यक्रम	आज़ादी की महान गाथाओं से अवगत कराना।	30 बच्चे
20.	जून, 2022	विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम	पर्यावरण को स्वच्छ रखने और स्वस्थ रहने की जानकारी से अवगत कराना।	180 बच्चे

21.	जून, 2022	इंटरनेट सुरक्षा कार्यक्रम	इंटरनेट के उपयोग के दौरान सावधानियों से अवगत कराना।	152 बच्चे
22.	जून, 2022	साइबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यक्रम	साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक कराना।	152 बच्चे
23.	जून, 2022	राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण	बनौली के सिद्धांत से सम्बंधित विभिन्न दैनिक विज्ञान की घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना।	25 बच्चे
24.	4 जून, 2022	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यम	बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना।	1600 बच्चे
25.	7.06.2022 10.06.2022	उड़ीसी नृत्य कार्यशाला	बच्चों को ओड़िसी नृत्य से अवगत कराना।	60 बच्चे
26.	9.06.2022 11.06.2022	हस्तकला अनुभाग द्वारा कार्यशाला	बच्चों को क्यूलिंग क्राफ्ट (गुथन कला) से अवगत कराना।	20 बच्चे
27.	11.06.2022	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम	लोक नृत्य और विभिन्न वाद्ययंत्रों एवं देशभक्ति गीतों से अवगत कराना।	1700 बच्चे
28.	18.06.2022	ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम	खगोल विज्ञान के मॉडल प्रदर्शन द्वारा खगोल विज्ञान की जानकारी देना।	1700 बच्चे
29.	21.06.2022	8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को योग के माध्यम से मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की प्रक्रियाओं से अवगत कराना।	1700 बच्चे
30.	23.06.2022	ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह कार्यक्रम	बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी से बच्चों का उत्साह बढ़ाना।	1700 बच्चे
31.	28.06.2022 09.07.2022	संस्कृत-हमारी प्राचीन भाषा पर संग्रहालय विभाग द्वारा कार्यशाला	बच्चों को हमारी प्राचीन भाषा के तथ्यों से अवगत कराना।	30 बच्चे
32.	29.06.2022	हिंदी कार्यशाला	दैनिक प्रयोग में प्रयुक्त हिन्दी वाक्यांशों को सही से लिखना व राजभाषा को बढ़ावा देना।	15 कर्मचारी
33.	30.06.2022	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक	प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी के स्वरूप से अवगत कराना।	20 कर्मचारी
34.	जुलाई एवं अगस्त 2022	सरकारी विद्यालयों में गतिविधि प्रशिक्षकों द्वारा गतिविधि प्रदर्शन कार्य	राष्ट्रीय बाल भवन की अनेकों गतिविधियों से अवगत कराना।	अनेकानेक बच्चे

35.	06.07.2022	ड्रोन प्रौद्योगिकी कार्यशाला	हैम रोडियो की जानकारी प्रदान करना।	25 सहभागी
36.	07.07.2022	ड्रोन प्रौद्योगिकी कार्यशाला	ड्रोन प्रौद्योगिकी की जानकारी प्रदान करना।	400 सहभागी
37.	8.07.2022	ड्रोन प्रौद्योगिकी कार्यशाला	ऑनलाइन कार्य करने की जानकारी देना।	26 सहभागी
38.	12.07.2022-14.07.2022	काष्ठ कला कार्यशाला	बेकार लकड़ी को फिर से उपयोग करने की तकनीकों से अवगत कराना।	15 बच्चें
39.	12.07.2022-14.07.2022	बुनाई कला कार्यशाला	ऊन और धागों से उपयोगी वस्तुएं बनाना।	15 बच्चें
40.	12.07.2022-14.07.2022-	मिट्टी कला कार्यशाला	मिट्टी के उपयोग से विभिन्न आकृतियाँ बनाना।	15 बच्चें
41.	20.07.2022	वायु सेना अधिकारी श्री राजीव शर्मा-एअर वाईस मार्शल द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का भ्रमण	राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	....
42.	26.07.2022-9.08.2022	स्वच्छता अभियान के तहत गतिविधियों का दौरा एवं सौंदर्यकरण	राष्ट्रीय बाल भवन की स्वच्छता एवं सौंदर्यकरण को उभारना।	100 कर्मचारी
43.	27.07.2022-29.07.2022	कहानी सुनाना और प्रस्ताव लेखन कार्यशाला	बच्चों को भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों, वीरता पुरस्कारों और पुरस्कार विजेताओं, तथा भारतीय महिला स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका आदि से अवगत कराना।	46 बच्चे
44.	29.07.2022-13.08.2022	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संग्रहालय कार्यशाला	बच्चों को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण के पीछे की कहानियों से परिचित कराना।	35 बच्चे
45.	3.08.2022	स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एन.सी.बी) द्वारा ई-प्रतिज्ञा अभियान	नशीली दवाओं के खतरों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना।	70 बच्चें
46.	3.08.2022-5.08.2022	हस्तकला कार्यशाला	प्राकृतिक सौन्दर्यकरण से प्रेरित करना।	20 बच्चे
47.	12.08.2022	75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को देशभक्ति की ओर प्रेरित करना।	70 कर्मचारी, 35 बच्चे
48.	13.08.2022	75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'शहीद' नाटक का मंचन	बच्चों में एकजुट रहने की भावना बनाए रखना।	70 कर्मचारी 35 बच्चे

49.	13.08.2022–15.08.2022	आज़ादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में ''हर घर तिरंगा'' अभियान	तिरंगे के प्रति सम्मान को और सशक्त करना।	सभी कर्मचारी
50.	15.08.2022	75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम	ध्वाजारोहण करना।	15 सहभागी
51.	17.08.2022–20.08.2022	बुनाई कला कार्यशाला	बुनाई की कला से अवगत कराना।	15 बच्चे
52.	17.08.2022–20.08.2022	मिट्टी कला कार्यशाला	मिट्टी की कला से अवगत कराना।	15 बच्चे
53.	17.08.2022–20.08.2022	काष्ठ कला कार्यशाला	बेकार लकड़ी को फिर से उपयोग करने की तकनीकों से अवगत कराना।	55 बच्चे
54.	17.08.2022–18.08.2022	नाट्य कला कार्यशाला	नाट्यकला सम्बंधित जानकारी देना।	44 बच्चे
55.	17.08.2022–20.08.2022	मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	विभिन्न कलाओं सम्बंधी जानकारी देना।	188 बच्चे
56.	23.08.2022 25.08.2022	तबला वाद्य कार्यशाला	तबले पर कायदे और पल्टों से अवगत कराना।	30 बच्चे
57.	24.08.2022–26.08.2022	हस्तकला कार्यशाला	बच्चों को स्कूल की पढ़ाई के अलावा विविध प्रदर्शन कलाओं को सिखाना और मनोरंजन से भरपूर आनंद प्रदान करना।	20 बच्चे
58.	24.08.2022–26.08.2022	रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक कार्यशाला	हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले इलैक्ट्रॉनिक मॉडल तैयार करना।	30 बच्चे
59.	25.08.2022–27.08.2022	मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	पेपर मैशी की कला से अवगत करना।	75 बच्चे
60.	6.08.2022–8.09.2022	हस्तकला अनुभाग द्वारा तोरण क्राफ्ट कार्यशाला	तोरण क्राफ्ट की कला से अवगत कराना।	35 बच्चे
61.	12.09.2022–30.09.2022	एअर फोर्स स्कूल के बच्चों के लिए गतिविधियाँ	राष्ट्रीय बाल भवन में विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	300 बच्चे
62.	14.09.2022–16.09.2022	हस्तकला अनुभाग द्वारा स्टार मेकिंग कार्यशाला	ओरिगामी तरीके से सितारे बनाने की कला से अवगत कराना।	35 बच्चे
63.	16.09.2022–29.09.2022	हिंदी दिवस / सप्ताह / पखवाड़ा	हिंदी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों को प्रेरित करना।	60 कर्मचारी, 40 बच्चे

64.	19.09.2022-23.09.2022	संगणक अनुभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए कार्यशाला	संगणक की पूर्ण जानकारी देना।	13 बच्चे एवं 6 प्रशिक्षक
65.	21.09.2022	रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक-दिवसीय कार्यशाला	सहभागियों को विभिन्न मॉडल के साथ चुंबकीय क्षेत्र द्वारा बिजली उत्पन्न करने की जानकारी प्रदान करना।	13 बच्चे एवं 6 प्रशिक्षक
66.	28.09.2022-30.09.2022	कंठ संगीत अनुभाग द्वारा शास्त्रीय संगीत कार्यशाला	स्वरों के आधार पर रागों की पहचान करना सिखाना।	28 बच्चे
67.	21.10.2022	संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति द्वारा विज्ञान भवन में निरीक्षण कार्यक्रम	सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में कार्य करने को बढ़ावा देना।	7 कर्मचारी
68.	31.10.2022-06.11.2022	सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम	सभी को हर तरीके से सर्तक रहने की जानकारी प्रदान करना।	25 बच्चे 50 कर्मचारी
69.	1.11.2022	राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम	बच्चों एवं कर्मचारियों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना।	50 कर्मचारी
70.	14.11.2022-16.11.2022	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम	बच्चों को अपने देश की समृद्ध संस्कृति की जानकारी देना।	3000 बच्चे
71.	22.11.2022-24.11.2022	लोक संगीत कार्यशाला	बच्चों को लोक संगीत से अवगत कराना।	20 बच्चे
72.	25.11.2022-10.12.2022	''महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस'' पर महिला पखवाड़ा कार्यक्रम	सहभागियों को महिलाओं के खिलाफ भेदभाव व हिंसा तथा उसके निवारण व रोकथाम से अवगत कराना।	250 सहभागी
73.	26.11.2022	संविधान दिवस कार्यक्रम	भारतीय संविधान में पारित मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों से अवगत कराना।	70 कर्मचारी50 बच्चे
74.	02.12.2022	हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का ''पुरस्कार वितरण समारोह''	बच्चों एवं स्टाफ को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित करना।	70 कर्मचारी एवं 35 बच्चे
75.	02.12.2022	विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस	सहभागियों को साइबर सुरक्षा और कम्प्यूटर की सामान्य युक्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।	83 बच्चे
76.	03.01.2023	आमोद दिवस कार्यक्रम	खेलों के माध्यम से सहभागियों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना।	300 सहभागी
77.	13.01.2023	लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम	पारंपरिक त्यौहारों के माध्यम से भाई चारे की भावना का संचार करना।	300 सहभागी

78.	26.01.2023	बसंत पंचमी	माँ सरस्वती की अराधना।	20 सहभागी
79.	27.01.2023	परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सहभागिता	संगीत के माध्यम से परीक्षा की घडी में सहज रहना।	40 सहभागी
80.	31.01.23-02.02.2023	संग्रहालय कार्यशाला	युवा मन में विविधता में एकता भाव को मजबूत करना।	25 बच्चे
81.	फरवरी, 2023	एकता विषय पर नाट्य गतिविधि	एकता को सशक्त बनाए रखने की ओर प्रेरित करना।	35 बच्चे
82.	फरवरी, 2023	एकता विषय पर सिलाई गतिविधि	एकता को सशक्त बनाए रखने की ओर प्रेरित करना।	20 बच्चे
83.	फरवरी, 2023	एकता विषय पर चित्रकला गतिविधि	एकता को सशक्त बनाए रखने की ओर प्रेरित करना।	35 बच्चे
84.	फरवरी, 2023	विश्व विज्ञान दिवस पर चित्रकला गतिविधि	अनेकता से एकता की ओर प्रेरित करना।	30 बच्चे
85.	13.02.23-15.02.2023	अमृतपैक्स कार्यक्रम	राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में सदस्य बच्चों तथा प्रशिक्षकों का प्रतिभागी बनना।	10 कर्मचारी एवं 45 बच्चे
86.	28.02.2023	विश्व विज्ञान दिवस कार्यक्रम	प्राकृतिक विरासत का ज्ञान प्रदान करना।	63 सहभागी
87.	मार्च, 2023	'भारतीय सांस्कृतिक' विषय पर गतिविधि	भारतीय संस्कृति से अवगत कराना।	40 बच्चे
88.	2.03.2023	'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत कार्यक्रम	सामाजिक स्वास्थ्य और कल्याण की ओर प्रेरित करना।	95 बच्चे
89.	7.03.2023	होली महोत्सव कार्यक्रम	पारंपरिक त्यौहारों के माध्यम से सत्मार्ग पर चलने का संदेश देना।	200 सहभागी
90.	10.03.2023	हिन्दी कार्यशाला	कार्यालयी कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग की ओर प्रेरित करना।	36 सहभागी
91.	10.03.2023	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक	कार्यालयी कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी के प्रयोग की ओर प्रेरित करना।	10 कर्मचारी
92.	28.03.2023	'बाजरा वर्ष' कार्यक्रम	बाजरा-अनाज के महत्व व लाभों से अवगत कराना।	20 बच्चे
93.	12.03.23-14.03.2023	'28वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन-कार्यक्रम'	प्रकृति और पर्यावरण से प्रेम के महत्व की जानकारी देना।	8 राज्यों के 14 बाल भवनों के 56 बच्चे एवं उनके संरक्षकों ने भाग लिया।

विशेष उपलब्धियाँ

1. दिनाँक 1 अप्रैल, 2022 को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री के "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम में प्रदर्शन कला के प्रशिक्षकों एवं 40 बच्चों ने अत्यंत उत्कृष्ट नृत्य और मधुर गीत का प्रस्तुतीकरण दिया।
2. राष्ट्रीय बाल भवन की जानकारी एवं कार्यशाला देने के लिए प्रशिक्षकों द्वारा सरकारी स्कूलों का दौरां।
3. दिनाँक 21 मई, 2022 को सदस्य बच्चों के मनोबल एवं कौशल को बढ़ावा देने के लिए "स्वतंत्रता दिवस" के अवसर पर बच्चों के लिए रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया।
4. दिनाँक 31 मई से 4 जून, 2022 तक संग्रहालय विभाग द्वारा एक कार्यशाला - विषय: "हमारी विरासत" आयोजित की गई तथा बच्चों को दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण हेतु ले जाया गया।
5. दिनाँक 31 मई, 2022 को 44 बच्चों को राज़्ट्रीय विज्ञान केन्द्र के भ्रमण हेतु ले जाया गया जिससे बच्चों ने जल, भारतीय विरासत, मानव जीव विज्ञान, प्रागैतिहासिक जीवन मनोरंजन, विज्ञान, परमाणु ऊर्जा गैलरी, सूचना प्रौद्योगिकी, आयुर्वेद और सरदार पटेल गैलरी की जानकरी प्राप्त की।
6. दिनाँक 21 अक्तूबर, 2022 को संसदीय राजभाज़ा समिति की पहली उपसमिति द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित निरीक्षण कार्यक्रम में राज़्ट्रीय बाल भवन निदेशिका - श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, उपनिदेशक(प्रशासन) - श्री मुकेश गुप्ता एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। इसमें राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका अवलोकन माननीय उपाध्यक्ष तथा सांसदों द्वारा किया गया।
7. दिनाँक 27 जनवरी, 2023 को तालकटोरा स्टेडियम में भारत सरकार द्वारा आयोजित एक रोमांचित संस्करण-"परीक्षा पे चर्चा-2023" में प्रदर्शन कला की कंठ संगीत प्रशिक्षिका ने समूह गायन करवाया व विभिन्न देशभक्ति गीतों का प्रस्तुतीकरण भी किया।
8. संचार मंत्रालय द्वारा दिनांक 13 से 15 फरवरी, 2023 को आयोजित "अमृतपैक्स कार्यक्रम" में राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्यों बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। साथ ही राष्ट्रीय बाल भवन के सृजनात्मक कला के प्रशिक्षको ने इस कार्यक्रम में विभिन्न कार्यशालाएं आयोजित की।
9. भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023 बाजरा-वर्ष की घोषणा के अवसर पर बाजरा का महत्व व लाभों के विषय में बच्चों को विभिन्न गतिविधियां कराई गई।
10. एनसीईआरटी द्वारा 18 से 20 जून, 2022 तक आयोजित योग ओलंपियाड के उद्घाटन और समापन समारोह में प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने भाग लिया और योग के महत्व पर आधारित विभिन्न गीत प्रस्तुत किए।

स्टाफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम

1. दिनाँक 1 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के समस्त कर्मचारियों के लिए ध्यान एवं योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि कर्मचारी तनाव मुक्त एवं स्वस्थ रहें।

3. दिनाँक 29 जून, 2022 को कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें दैनिक प्रयोग में प्रयुक्त हिंदी वाक्यांशों को सही रूप से लिखना तथा हिंदी राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया।

4. दिनाँक 30 जून, 2022 को राजभाज़ा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम द्वारा आयोजित की गई।

6. दिनाँक 16 से 29 सितम्बर, 2022 को स्टाफ सदस्यों एवं बच्चों के लिए हिंदी/दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा आयोजित किया गया ताकि हिंदी को बढ़ावा देकर, समस्त कर्मचारी अपना समस्त कार्य हिंदी में करें।

7. दिनाँक 31 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ग्रहण की और बच्चों के लिए सतर्कता जागरूकता से सम्बंधित गतिविधि भी आयोजित की गई।

8. दिनाँक 1 नवम्बर, 2022 को स्टाफ कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ग्रहण करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली और एकजुट रहने का वचन लिया।

9. दिनाँक 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2022 को 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए महिलाओं के खिलाफ भेदभाव व हिंसा तथा उसके निवारण पर आधारित कार्यशालाएं आयोजित की गईं। जिसमें 250 सहभागियों ने भाग लिया।

10. दिनाँक 26 नवम्बर, 2022 को स्टाफ कर्मचारी एवं बच्चों के लिए संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम द्वारा सहभागियों को 11 मौलिक कर्तव्यों एवं 6 मौलिक अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई।

11. दिनाँक 3 जनवरी, 2023 को नए साल के आगमन पर "आमोद दिवस" का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 200 कर्मचारियों एवं 100 बच्चों ने भाग लिया। नए साल के अवसर पर सहभागियों के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। खेलों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

12. दिनाँक 13 जनवरी, 2023 को स्टॉफ कर्मचारियों एवं बच्चों के लिए लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रदर्शन कला के प्रशिक्षकों ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

13. दिनाँक 7 मार्च, 2023 को स्टाफ कर्मचारियों एवं बच्चों के लिए होली उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शन कला के प्रशिक्षकों ने विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में लगभग 150 कर्मचारियों एवं 50 बच्चों ने भाग लिया।

14. दिनाँक 10 मार्च, 2023 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन "गूगल मीट" द्वारा किया गया। जिसमें वार्षिक हिंदी कार्य पर चर्चा की गई। इस बैठक में लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

विस्तृत रिपोर्ट

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सहभागिता

दिनाँक 01 अप्रैल, 2022 को तालकटोरा स्टेडियम में मंत्रालय द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा के पांचवें संस्करण में माननीय प्रधानमंत्री- श्री नरेंद्र मोदी जी ने छात्रों के साथ परीक्षा से सम्बंधित चर्चा की। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा बनाई गई कला-शिल्प की कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला अनुभाग के लगभग 40 बच्चों द्वारा एक अत्यंत उत्कृष्ट नृत्य और एक मधुर गीत प्रस्तुत किया गया। इसी कार्यक्रम में कंठ संगीत प्रशिक्षिका-श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल के द्वारा समूह गान का भी प्रस्तुतीकरण किया गया।

ध्यान एवं योगाभ्यास कार्यक्रम

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए राष्ट्रीय बाल भवन के समस्त कर्मचारियों के लिए दिनाँक 1 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2022 तक शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा ध्यान एवं योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 कर्मचारियों ने भाग लिया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम

पुस्तकालय अनुभाग में आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'स्वतंत्र भारत' के विषय पर गतिविधियाँ कराई गईं। बच्चों को आज़ादी के संघर्ष से अवगत कराया गया और कोलाज बनाना सिखाया गया। संबंधित विषयों के बारे में स्लोगन लिखना भी सिखाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 355 बच्चों ने भाग लिया।

सितार और गिटार कार्यशाला

सितार और गिटार अनुभाग में बच्चों के लिए सितार के रियाज़ी बोलों एवं पलटों पर 20 से 22 अप्रैल, 2022 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 12 बच्चों ने भाग लिया।

पृथ्वी दिवस कार्यक्रम

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 22 और 23 अप्रैल, 2022 तक दो दिवसीय पृथ्वी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका विषय - "हमारे ग्रह में निवेश करें" था। इस संदर्भ में पुराने सदस्य बच्चों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रक्रिया से 28 बच्चे और ऑफलाइन

प्रक्रिया से 48 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने पृथ्वी से जुड़ी समस्याओं एवं समाधान के विषय पर चर्चा की, पेपर मैशी कार्य सीखा, पुर्ननवीनीकरण कागज से पुस्तक चिन्ह बनाकर हमारी पृथ्वी की रक्षा करने का संकल्प लिया तथा विषय से संबंधित पोस्टर मेकिंग गतिविधि में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 76 बच्चों ने भाग लिया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम

चित्रकला अनुभाग में बच्चों को आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पेंसिल ड्राइंग, कोलाज बनाना, फ्लावर ड्रॉइंग करना सिखाया गया तथा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-प्रशासन - श्री मुकेश गुप्ता द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम

संगणक अनुभाग में बच्चों के लिए कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें इंटरनेट साइबर सुरक्षा वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा, लघु फिल्म 'इंटरनेट का बवाल' दिखाई गई और ऑनलाइन तथा ऑफलाइन कक्षाएं ली गई। इंटरनेट का उपयोग और अप्रासंगिक उपयोग हानिकारक कैसे हो सकते हैं उसकी भी जानकारी दी गई। दिनाँक 31 मई, 2022 को 32 बच्चों को मौसम भवन की एक अध्ययन यात्रा के लिए ले जाया गया। वहाँ बच्चों ने वेधशाला, एनएचएसी (मिनी सुपर कम्प्यूटर) और उपग्रह के व्यावहारिक प्रदर्शन को देखा। साथ ही बच्चों को भूगोल के तकनीकी शब्द थर्मोग्राफ, हाईड्रोग्राफ, थर्मामीटर आदि के बारे में भी संक्षेप में बताया गया। बच्चों को सैद्धांतिक रूप से कम्प्यूटर के विभिन्न आकार, प्रकार, उपकरण, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की जानकारी दी गई।

ग्रीष्मोत्सव समारोह कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में दिनांक 20 मई से 23 जून 2022 तक ग्रीष्मकालीन सत्र का आयोजन पूरे जोश और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। बच्चों के लिए प्रत्येक शनिवार खुले रंगमंच में बाल सभा का आयोजन किया गया। ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बच्चों ने कई नई तथा सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखी। 20 मई 2022 को ग्रीष्मकालीन सत्र के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय बाल भवन के उपाध्यक्ष महोदय श्री आनन्द प्रकाश, राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिका श्रीमती दीपा आनंद, ग्रुप कैप्टन श्री एच.जे. पागे तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत वाद्यवृन्द, बांग्ला गीत, नाटक-'पप्पू बन गया दादा जी', भरतनाट्यम, बाल-गीत तथा गोवा के लोकनृत्य का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर लगभग 1700 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव के दौरान बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं 40 गतिविधियाँ जैसे - विज्ञान गतिविधियाँ - शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाजी, संग्रहालय तकनीक क्लब, भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स

क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियाँ इत्यादि में भाग लिया। इसके अलावा बच्चों के लिए टाई एंड डाई कला, कांथा, सांझी कला, पेपर मैशी, मिट्टी के बर्तन तथा मधुबनी कला आदि की विशेष कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।

विशेष गतिविधि

लिटिल वन्स कक्षा 5 से 8 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए "लिटिल वन्स" गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य- छोटे बच्चों की दृढ़ता, अवलोकन और ध्यान केंद्रित करने के संबंध में कौशल को विकसित करना था। इन गतिविधियों को सिखाने से बच्चों में रचनात्मकता और कल्पना शक्ति विकसित होती है और उनमें आत्मविश्वास बनता है। बच्चों के लिए नाटक, गायन, नृत्य, कला, शिल्प, पेंटिंग, दंतकथाएँ और उनके नाम, चरित्र, शेर और चूहे पर चित्रण, फिल्म स्क्रीनिंग, कहानी सुनाना :- कौवे और सांप, फिल्म पात्रों का चित्रण, लोमड़ी और अंगूर, बंदर और टोपी बेचने वाला, तेनाली रामा आदि गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

रचनात्मक लेखन कार्यशाला

दिनाँक 21 मई, 2022 को बच्चों के लिए रचनात्मक लेखन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसे बच्चों को आत्मविश्वासी और सक्षम लेखक बनने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को निबंध लिखना, नारे, कविताएँ लिखना, कहानियाँ सुनाना व चित्र बनाना भी सिखाया गया। **"आज़ादी का अमृत महोत्सव"** विषय पर रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम

दिनाँक 21 मई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बच्चों के लिए बाल सभा का एवं बच्चों के लिए आज़ादी का अमृत महोत्सव पर रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया।

कहानी सुनाने की कार्यशाला

दिनाँक 24 से 28 मई, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन में हिंदी कहानी सुनाने की चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कहानी विशेषज्ञ-श्रीमती ऊषा छाबड़ा ने विभिन्न कहानियों का अलग-अलग तरह से प्रदर्शन किया। इस दौरान बच्चों को कहानी लिखने की तकनीक, कहानी

के पात्र बनाने, प्रॉप्स का उपयोग करने, समस्याओं को पैदा करने और सार्थक कहानियां बनाने के समाधान के बारे में बताया गया। वॉयस मॉडयूलेशन और बॉडी लैंग्वेज के उपयुक्त उपयोग से जुनून, कल्पना और अभिव्यक्ति को बढ़ाया और बच्चों को कहानी कहने के नए क्षितिज से परिचित कराया। इस कार्यशाला में कई मनोरंजक गतिविधियाँ भी आयोजित की गई जैसे :- प्रॉप्स का उपयोग करके कहानी बनाना या किसी चित्र को देखकर कहानी का चित्रण करना। इस कार्यशाला में लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया।

पर्यावरण एवं मछलीघर अनुभाग द्वारा प्रागैतिहासिक जीवन के विषय पर -कार्यशाला

दिनाँक 25 एवं 26 मई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में प्रागैतिहासिक जीवन के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने विलुप्त जानवरों और जीवाश्मों के बारे में जाना। उन्हें जानवरों के विलुप्त होने की प्रक्रिया एवं दर के बारे में जानकारी दी गई तथा खुदाई करने की प्रक्रिया, वर्तमान समय में कार्बन डेटिंग किसे कहते हैं आदि का ज्ञान दिया गया। कार्यशाला के दौरान डायनासॉर पर बनी डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। बच्चों ने डायनासॉर के कटआउट बनाए और विभिन्न डायनासॉर पर नोट्स लिखे। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन परिसर का दौरा किया और परिसर के अंदर मौजूद वनस्पतियों की पहचान करना सीखा और औषधीय उपयोग की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने हृष्टदय के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जाना कि हमारे शरीर में हृष्टदय रक्त को पम्प करने की क्रियाविधि किस प्रकार करता है। हृष्टदय अलग-अलग बीमारियों में किस प्रकार धड़कता है। अंत में स्टेथोस्कोप के तंत्र के बारे में भी सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 70 बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम

दिनाँक 28 मई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग-मंच में ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान द्वितीय शनिवार को बच्चों के लिए बालश्री पुरस्कार विजेता - श्री दक्षराज शर्मा ने शास्त्रीय गायन की सुमधुर प्रस्तुति दी। सुश्री शुभांगी गोयल ने कथक नृत्य की प्रस्तुति कर सहभागियों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। श्री अक्षत मेहरोत्रा ने बांसुरी वादन से सभी को मंत्र-मुग्ध कर दिया। तत्पश्चात् गैर सरकारी संगठन गाजियाबाद के मूक-बधिर बच्चों ने बाल शोषण रोकने पर एक माइम एक्ट किया। गाजियाबाद के बच्चों की खास प्रस्तुति ने उपस्थित सहभागियों का दिल जीत लिया। सायंकालीन समय में बच्चों के लिए **"आज़ादी का अमृत महोत्सव"** विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यशाला में बच्चों ने सादे कैनवस पर पेंटिंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपने चित्रों में स्वतंत्रता के 75 वर्ष से जुड़े कई पहलुओं को दर्शाया। प्रतियोगिता के दौरान 160 बच्चों ने भाग लिया।

सुलेखन (कैलीग्राफी) कार्यशाला

31 मई, 2022 से 3 जून, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन में सुलेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सुलेखन विशेषज्ञ - श्री अनीस सिद्धीकी ने बच्चों को ब्रश/कोकिल/विभिन्न तरीके व स्ट्रोक के फाउण्टेन पेन व निब की सहायता से एक विशिष्ट शैली की स्वयं की लिखाई की डिजाईन प्रक्रिया से और खूबसूरत दिखने की कला से अवगत कराया। उन्होंने बच्चों को यह भी बताया कि इसी कला को कैलीग्राफी अथवा पॉपकॉर्न लेखन शैली भी कहा जाता है। इस कार्यशाला में लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया।

रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती - कार्यक्रम

संग्रहालय अनुभाग में रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती के अवसर पर बच्चों को रोचक जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया कि उन्होंने भारत में साहित्य कला, संगीत, शिक्षा और सामाजिक सुधार में उल्लेखनीय योगदान दिया और वह एक उत्कृष्ट चित्रकार भी थे। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को भी प्रभावित किया। उनकी जयंती, उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए मनाई जाती है। इस कार्यक्रम में लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर पांच दिवसीय कार्यशाला

संग्रहालय अनुभाग में अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर दिनाँक 31 मई से 4 जून, 2022 तक, पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका विषय 'हमारी विरासत' था। बच्चों को खेल के माध्यम से विषय से परिचित कराया गया। बच्चों को खेल के रूप में विभिन्न प्रकार के स्मारकों/स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई जैसे - ये कहाँ स्थित हैं, किसके द्वारा बनाई गई है, बनाने में किस सामग्री का उपयोग हुआ तथा स्थलों/स्मारकों से संबंधित रोचक बातें आदि। साथ ही बच्चों ने कैलेंडर बनाने की तकनीक भी सीखी जिसमें बच्चों ने अपने पसंदीदा विरासत स्थलों को चित्रित किया। तत्पश्चात् बच्चों को जंतर-मंतर, नई दिल्ली के भ्रमण हेतु ले जाया गया। वहां बच्चों ने सभी यंत्र देखे और उन्हें विभिन्न यंत्रों की कार्यप्रणाली और लाभों के बारे में बताया गया। साथ ही बताया गया कि उनका उपयोग करके समय की गणना कैसे की जाती है और कैसे उस काल में आज जैसी उन्नत तकनीकें उपलब्ध नहीं थीं।

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 31 मई, 2022 को 44 बच्चों, 4 प्रशिक्षक और 2 स्वयंसेवकों (वॉलिंयटर) को राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र के भ्रमण के लिए ले जाया गया। बच्चों को जल, भारतीय विरासत, मानव जीव विज्ञान, प्रागैतिहासिक जीवन मनोरंजन, विज्ञान, परमाणु ऊर्जा गैलरी, सूचना प्रौद्योगिकी, आयुर्वेद और सरदार पटेल गैलरी के बारे में बताया गया। बच्चों को पानी की दुनिया और उनके जीवन काल पारिस्थितिकी तंत्र में उसका महत्व आदि से संबंधित 3डी फिल्म भी दिखाई गई। बच्चों के साथ पर्यावरण पर चर्चा की गई कि पर्यावरण में जानवरों को संरक्षित करने की आवश्यकता क्यों है, और कैसे पर्यावरण संरक्षण, खाद्य श्रृंखला, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए आवश्यक है। बच्चों ने रिसाइकिल पेपर से बुक मार्क बनाना सीखा और साथ ही जानवरों को बचाने का संकल्प लिया। बच्चों को ब्लॉक प्रिंटिंग की जानकारी भी दी गई। उन्होंने बेकार सामान से नेचर स्टैंप बनाना सीखा। इसके अतिरिक्त अनेक जानकारी बच्चों को दी गई जैसे :- पोस्टर बनाना, मानव मस्तिष्क, वायु गतिविधि, बोतल का उपयोग कर वायु दाब और बैलून, बायो-डिग्रडेबल इत्यादि। बच्चों को वस्तु बनाने की गतिविधियाँ भी कराई गई जैसे :- ऑब्जेक्ट गतिविधि, पेपर बैग बनाने की गतिविधि, पृथ्वी कार्य विषय पर प्रतियोगिता, परिसर में लगे पौधों की पत्तियों को एकत्रित कर हर्बेरियम तैयार करना आदि।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 31 मई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में **विश्व तम्बाकू निषेध दिवस** कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदस्य बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव पर कार्यक्रम

पुस्तकालय अनुभाग में बच्चों को आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियां कराई गई। इस अवसर पर सभी बच्चों को आज़ादी की महान गाथाएँ भी सुनाई गईं। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए बच्चों से श्रुतलेख व सुलेख भी कराए गए व हिंदी व्याकरण का ज्ञान भी दिया गया। जिसमें लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम

माह जून, 2022 में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधि-अनुभागों में सदस्य बच्चों से निम्न गतिविधियाँ कराई गई :- **पर्यावरण और मछलीघर अनुभाग** में बच्चों को पर्यावरण पर आधारित कहानियां, स्लोगन आदि लिखवाए गए। बच्चों ने मस्तिष्क की कार्यप्रणाली और उसके विभिन्न अंगों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मस्तिष्क टोपी का मॉडल तैयार किया। बच्चों से पर्यावरण के जल चक्र से सम्बंधित 3डी मॉडल बनवाया, बर्फ और प्लास्टिक डिब्बे का उपयोग करते हुए जल चक्र गतिविधियाँ कराई गईं। साहस एनजीओ ने कचरा प्रबंधन पर बच्चों को जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। पर्यावरण अनुभाग के सदस्य बच्चों ने पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने हेतु राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में एक पौधा लगाया गया। साहस एनजीओ की ओर से सहभागी बच्चों को बीज वाली पेंसिलें आबंटित की गईं।

चित्रकला अनुभाग में बच्चों के लिए पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण सम्बंधित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने स्लोगन एवं कार्टून बनाए। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग की, ग्रीष्मकालीन सत्र समापन समारोह दिनांक 23 जून, 2022 को, एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया।

नाटक अनुभाग में बच्चों को पर्यावरण पर आधारित "मूक अभिनय" का मंचन तैयार करवाया, जिसका उद्देश्य-पर्यावरण, मानव जीवन की जड़े हैं, था। इस नाटक से बच्चों ने जाना कि मनुष्य पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करता है तो हमारा जीवन ही नष्ट होता है। इसलिए पर्यावरण को सुरक्षित बनाए रखने से ही हम स्वस्थ और सुरक्षित रह सकते हैं।

संग्रहालय अनुभाग में बच्चों के लिए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "भारत की दुर्लभ वन्य प्रजातियाँ" नामक पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसकी शुरूआत में अभिविन्यास और बच्चों के साथ आकस्मिक बातचीत की गई ताकि बच्चे विषय से संबंधित जानकारी प्रदान कर सकें। तत्पश्चात् एक खेल खेला गया जिसमें बच्चों ने विभिन्न ध्वनियों को सुना और ध्वनि के माध्यम से जानवरों को पहचाना। जिससे उन्होंने सीखा कि विभिन्न जानवरों की ध्वनियों को किन नामों से पुकारा जाता है, और किस प्रकार ध्वनि, जानवरों के बीच अपनी भावनाओं जैसे क्रोध, खुशी, भय आदि को व्यक्त करने के लिए संचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

साइबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यक्रम

संगणक अनुभाग में बच्चों के लिए दिनाँक 17 जून, 2022 को साइबर सुरक्षा कार्निवाल का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करना और इंटरनेट का उपयोग करते समय स्मार्ट बनाना था। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में रैली के दौरान, बच्चों ने साइबर सुरक्षा पर नारे लगाए। तत्पश्चात् जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों के साथ वाद-विवाद कार्यक्रम भी किया गया। इस कार्यक्रम में उपनिदेशक-(प्रशासन), अतिथि

डॉ रतन दत्ता और साइबर शांति फाउंडेशन से आई. एल. नरसीमाराव(वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक) उपस्थित थे। साइबर सुरक्षा के बारे में अधिक जानने के लिए एक स्मार्ट प्रस्तुति एवं संक्षिप्त परिचय के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। अतिथि डॉ. रतन दत्ता ने साइबर सुरक्षा के बारे में बताया और प्रस्तुति द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में भी जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात् कुछ बच्चों ने "साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया" विषय पर एक नाटक के मंचन द्वारा संदेश दिया कि इंटरनेट का प्रयोग किस प्रकार हानिकारक है। अंत में बच्चों को लघु फिल्म "इंटरनेट का बवाल" दिखाई गई। इस कार्यक्रम में लगभग 152 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

इंटरनेट सुरक्षा - कार्यक्रम

संगणक अनुभाग में बच्चों को इंटरनेट सुरक्षा के बारे में अनेक सुझाव दिए गऐ। थ्योरी इनपुट, आउटपुट, स्टोरेज, प्रोसेसिंग, डिवाइस, संगणक के प्रकार, सॉफ्टवेयर के प्रकार, विभिन्न प्रकार के वायरस, कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम, एमएस-वर्ड पर पोस्टर, पॉवरपॉइंट का परिचय, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर का परिचय प्रसंस्करण उपकरणों की जानकारी, एमएस-एक्सेल गणना, हाइपरलिंक, मैक्रोज जैसे कुछ मानक टूल का उपयोग करना आदि सिखाया। बच्चों को बताया कि कंप्यूटर हमारे स्कूलों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 152 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण

पर्यावरण और मछली घर अनुभाग के सदस्य बच्चों ने राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का दौरा किया और विभिन्न प्रदर्शनियों और चुंबकीय क्षेत्र के बारे में चर्चा की। आकर्षण का उपयोग करके चुंबक वसंत और चुंबक की प्रतिकारक शक्ति एवं अप केन्द्रीय बल के बारे में बच्चों को बताया साथ ही घर्षण बल की भी जानकारी दी। बच्चों को बताया कि हमारे दैनिक जीवन में इन शक्तियों का क्या महत्व है। बच्चों को बीज के प्रकार के बारे में बताया जैसे :- मोनोकोटाइलडॉन और डाइकोटाइलडॉन आदि और उन्होंने चुंबकीय उत्तोलन पर आधारित खिलौना बनाने की कला भी सीखी। बच्चों ने एअर गन, रेन गेज बनाया। उन्होंने विभिन्न पेड़ों की छाल के बारे में भी जाना और उसे कागज पर उपयोग करना सीखा। बच्चों ने बनौली के सिद्धांत से सम्बंधित विभिन्न दैनिक विज्ञान की घटनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा एक रिएक्शन कार का निर्माण किया और उसे चला कर दिखाया। बच्चों ने सूर्य शक्ति से खाना बनाने की गतिविधि सीखी। उन्होंने विभिन्न पौधों की पत्तियों की पहचान कर उनका कोलाज बनाया। इस कार्यक्रम में लगभग 25 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम

तृतीय शनिवार दिनाँक 4 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री ललित कुमार-सचिव, केन्द्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राउज एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स को आमंत्रित किया गया। उनका स्वागत बच्चों द्वारा बनाई गई कला-कृतियों को भेंट देकर किया गया। प्रदर्शन कला के कुछ सदस्य बच्चों ने एक सामूहिक गायन - जग में हरियाली लाएंगे, गीत खुशी के गाएंगे गाया। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सदस्य बच्चों ने पर्यावरण पर एक गीत भी गाया। श्री अक्षत ने बाँसुरी वादन का प्रदर्शन किया। नाट्कीय अनुभाग के बच्चों ने पर्यावरण पर एक नाटक का प्रस्तुतीकरण किया। सदस्य बच्चों ने पर्यावरण से सम्बंधित स्लोगन लिखे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 1700 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

ओड़िसी नृत्य कार्यशाला

दिनाँक 7 से 10 जून, 2022 को उड़ीसी नृत्य विशेषज्ञ द्वारा उड़ीसी नृत्य की चार दिवसीय कार्यशाला का राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को उड़ीसी नृत्य सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। कुछ बच्चों ने कार्यशाला में सीखे गए उड़ीसी नृत्य का 11 जून, 2022 को खुले रंग मंच पर प्रदर्शन भी किया।

हस्तकला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 9, 10 और 11 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए पेपर क्यूलिंग क्राफ्ट कार्यशाला आयोजित की गई। बच्चों को बताया कि पेपर क्यूलिंग में रंगीन पेपर की पतली स्ट्रिप्स का इस्तेमाल कैसे किया जाता है। सबसे पहले शीट/स्ट्रिप्स को हाथों से मोड़कर आकार देकर उसे त्रि-यामी में चिपकाया जाता है। इस कार्य को पेपर क्यूलिंग क्राफ्ट ने नाम से जाना जाता है। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। ओड़िसी नृत्य का प्रदर्शन किया, जिसे उन्होने ओड़िसी नृत्य कार्यशालय में सीखा था।

ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम

चतुर्थ शनिवार दिनाँक 11 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग मंच में मुख्य अतिथि - उड़ीसी नृत्यकार-श्रीमती शोभा बिष्ट का बाल सदस्य के हाथों से बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृति देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् प्रदर्शन कला की सितार प्रशिक्षिका - कु. करूणा पोद्दार ने सितार की धुन बजाकर प्रदर्शन किया और श्री गोविंद पोद्दार ने तबले की धुन का प्रस्तुतिकरण दिया जिसका सहभागियों ने आनंद उठाया। तत्पश्चात् श्री हैदर अली, श्री सोनू वर्मा, श्री विजय सचदेवा द्वारा बैण्ड संगत का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कला की कंठ संगीत प्रशिक्षिका-श्रीमती नेहा खंकरियाल वत्स ने कंठ संगीत प्रशिक्षक-श्री राहुल के साथ गायन संगत देशभक्ति गीतों का प्रस्तुतिकरण दिया। रंग मंच पर वाद्ययत्रों की प्रस्तुति देने वाले सभी जनों का उपनिदेशक-प्रशासन - श्री मुकेश गुप्ता द्वारा सदस्य बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की भेंट देकर मनोबल बढ़ाया। इस कार्यक्रम में लगभग 1700 बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव बाल सभा कार्यक्रम

ग्रीष्मकालीन सत्र के पाँचवे शनिवार, दिनाँक 18 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग मंच में प्रदर्शन अनुभाग के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। खगोल विज्ञान अनुभाग के सदस्य बच्चों द्वारा बनाए गए खगोल विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किए। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में लगभग 1700 बच्चों ने भाग लिया।

योग ओलंपियाड में भागीदारी

एनसीईआरटी द्वारा 18 से 20 जून, 2022 तक आयोजित योग ओलंपियाड के उद्घाटन और समापन समारोह में प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने भाग लिया और योग के महत्व पर आधारित विभिन्न गीत प्रस्तुत किए।

8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस कार्यक्रम

पांचवे शनिवार दिनाँक 18 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग मंच में ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान 8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कथक और लोकनृत्य अनुभाग के सदस्य बच्चों ने संगीतमय योग का प्रदर्शन किया। तत्पश्चात् शारीरिक शिक्षा अनुभाग के प्रशिक्षक ने कुछ शारीरिक शिक्षा अनुभाग के सदस्य बच्चों के साथ योगासन का प्रदर्शन किया। हँसी योग की टीम ने बच्चों को हँसी योग प्रस्तुतिकरण द्वारा हँसी योग करने के लिए प्रोत्साहित किया और आसान योग अभ्यास सिखाए।

योग दिवस के अवसर पर बच्चों को एक नाटक तैयार करवाया गया जिसका शीर्षक था –"करो योग और रहो निरोग"। इस नाटक से संदेश मिला कि योग से हमें शारीरिक कष्ट और मानसिक तनाव से मुक्ति प्राप्त होती है। इसलिए योग करने से ही हम निरोग रह सकते हैं।

इस अवसर पर चित्रकला अनुभाग के बच्चों ने योग दिवस पर पेंटिंग बनाई जिनको ग्रीष्मोत्सव के समापन समारोह की प्रदर्शनी में सम्मिलित किया गया।

ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह कार्यक्रम

ग्रीष्मोत्सव का समापन समारोह राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में दिनाँक 23 जून, 2022 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि – श्री आनंद प्रकाश (राष्ट्रीय बाल भवन-उपाध्यक्ष), श्री शोभित गुप्ता (निदेशक-वित्त, शिक्षा विभाग), श्रीमती दीपा आनंद (निदेशक-राष्ट्रीय बाल भवन), पद्मश्री पुरस्कार विजेता श्रीमती माधवी मुद्गल, श्री विक्रम कुमार – वायु सेना विंग कमांडर एवं श्री गिरिक अमन (भारतीय पंजाबी गीतकार) आदि उपस्थित थे। मुख्य अतिथियों का सांगीतिक स्वागत के लिए बाल भवन का गीत – "सबसे निराला ये बाल भवन है, रेलगाड़ी वाला ये बाल भवन है" सबने मिलकर गाया। राष्ट्रीय बाल भवन में उपस्थित मुख्य अतिथियों का स्वागत बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियाँ देकर किया गया। गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत एक पारम्परिक राजस्थानी गीत – "पधारो म्हारे देस" से किया। तत्पश्चात् प्रदर्शन कला के बच्चों ने वाद्यवृंद पर धुन तथा राग मियां मल्हार का गायन प्रस्तुत किया। रेडियो इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग के सदस्य

बच्चों ने बेकार सामग्री की मदद से मकड़ी, क्रेन, ट्रॉली जैसे अपने आप काम करने वाले रोबोट प्रस्तुत किए। कथक और भरतनाट्यम के बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किये। कंठ संगीत अनुभाग के बच्चों ने गुजराती लोक गीत "गर्बा", लोक नृत्य के बच्चों ने "चरी" लोक नृत्य प्रस्तुत किया। शारीरिक शिक्षा अनुभाग के बच्चों ने स्केटिंग का प्रदर्शन किया जिससे उपस्थित सभी जन आश्चार्य चकित रह गए। मशीन मॉडलिंग के बच्चों ने खुद के बनाए गए अलग-अलग मैकेनिज्म से बने काम कर रहे ट्रेन, ट्रॉली रोबोट का प्रदर्शन दिखाया। ग्रीष्मोत्सव के दौरान, बच्चों द्वारा निर्मित विभिन्न कलाकतियों की संग्रहालय द्वारा एक प्रदर्शनी लगाई गई। अंत में निदेशक, बाल भवन ने बच्चों और उनको अभिभावकों को उत्साहवर्धक और प्रेरक शब्दों के साथ सम्बोधित किया। वायुसेना की ओर से सभी सदस्य बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में राष्ट्रगान के साथ समापन समारोह हुआ।

संस्कृत-हमारी प्राचीन भाषा पर कार्यशाला

संग्रहालय अनुभाग में बच्चों के लिए दिनाँक 28 जून से 09 जुलाई, 2022 तक **संस्कृत-हमारी प्राचीन भाषा** पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को हमारी प्राचीन भाषा के रोचक तथ्यों से अवगत कराना था। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

हिंदी कार्यशाला

दिनाँक 29 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केंद्र में "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक हिन्दी कार्यों पर चर्चा की गई, दैनिक प्रयोग में प्रयुक्त हिंदी वाक्यांशों को सही रूप में लिखना तथा राजभाषा से संबंधित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस बैठक में लगभग 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनाँक 30 जून, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम द्वारा आयोजित की गई। इस राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी का स्वरूप आदि पर चर्चा की गई। इस बैठक में लगभग 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।

ड्रोन प्रौद्योगिकी कार्यशाला

दिनाँक 6 जुलाई, 2022 को जवाहर बाल भवन, चेन्नई, तमिलनाडु (कला और संस्कृति विभाग) के बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए रेडियो इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा मिनी रेडियो स्टेशन संचालन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हैम रेडियो की जानकारी दी गई जिसमें हैम रेडियो स्टेशन कैसे शुरू किया जाए का पूर्ण ज्ञान दिया गया। इस कार्यशाला में लगभग 25 सहभागियों ने भाग लिया।

ड्रोन प्रौद्योगिकी कार्यशाला

दिनाँक 7 जुलाई, 2022 को जवाहर बाल भवन, चेन्नई, तमिलनाडु (कला और संस्कृति विभाग) के बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए एयरोमॉडलिंग अनुभाग द्वारा ऑनलाइन पोर्टल गूगल मीट एप्लिकेशन में ड्रोन प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला मुख्य रूप से प्रभाव के मूल्यांकन से संबंधित ड्रोन प्रौद्योगिकी और विमानन के लिए तैयार की गई थी। जिसमें ड्रोन और यूएवीएस से संबंधित विभिन्न प्रकार के विषयों जैसे :-

ड्रोन का परिचय, ड्रोन के प्रकार, ड्रोन अनुप्रयोग, ड्रोन के भाग, ड्रोन को उड़ाने की तकनीक के बारे में बताया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य था :- सहभागियों को ड्रोन प्रौद्योगिकी की जानकारी देना। कार्यशाला में ड्रोन प्रौद्योगिकी की जानकारी सैद्धांतिक रूप से पीपीटी के माध्यम से दी गई। अंत में एक प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया। जिसमें ड्रोन प्रौद्योगिकी, ड्रोन कक्षाएं, ड्रोन प्रशिक्षण गतिविधियों/पाठ्यक्रमों आदि के बारे में चर्चा की। इस कार्यशाला में लगभग 400 सहभागियों ने भाग लिया।

संगणक (कम्प्यूटर) कार्यशाला

दिनाँक 8 जुलाई, 2022 को जवाहर बाल भवन, चेन्नई, तमिलनाडु (कला और संस्कृति विभाग) के बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए संगणक अनुभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें संगणक से संबंधित कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम, कंप्यूटर और स्मार्ट फोन में सॉफ्टवेयर/एप्लीकेशन, नेटवर्किंग, मेमोरी तथा गति की इकाइयाँ, कंप्यूटर वायरस और एंटीवायरस, इंटरनेट एवं ऑनलाइन काम आदि की जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में लगभग 26 सहभागियों ने भाग लिया।

काष्ठ कला कार्यशाला

दिनाँक 12 से 14 जुलाई, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के काष्ठ कला अनुभाग में तीन दिवसीय काष्ठ कला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को सबसे पहले काष्ठ कला से परिचित कराया गया। कार्यशाला में बताया गया कि लकड़ी हमारे जीवन में कितनी उपयोगी है। अनुपयोगी लकड़ी को भी किस प्रकार से हम अपने जीवन में प्रयोग कर सकते हैं। उदाहरणार्थ बच्चों को आइस्क्रीम स्टीक के पुनः उपयोग के बारें में बताया गया जैसे फोटो फ्रेम बनाना आदि। इस कार्यशाला में लगभग प्रतिदिन 15 बच्चों ने भाग लिया।

बुनाई कला कार्यशाला

दिनाँक 12 से 14 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के बुनाई कला अनुभाग में तीन दिवसीय बुनाई कला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को सबसे पहले बुनाई कला से परिचित कराया गया। बच्चों को छोटा कार्पेट, छोटी दरी, हाथ ब्रेसलेट, छोटे वॉल हैंगिंग बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग प्रतिदिन 15 बच्चों ने भाग लिया।

मिट्टी कला कार्यशाला

दिनाँक 12 से 14 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिट्टी कला अनुभाग में तीन दिवसीय मिट्टी कला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को मिट्टी कला से अवगत कराया गया। जिसमें मिट्टी से मानव शरीर, विभिन्न प्रकार के जानवरों, विभिन्न प्रकार के पक्षियों की आकृति तैयार करना सिखाया गया। बच्चों ने इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यशाला में लगभग प्रतिदिन 15 बच्चों ने भाग लिया।

वायु सेना अधिकारी श्री राजीव शर्मा-एअर वाईस मार्शल द्वारा भ्रमण

दिनाँक 20 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन का भ्रमण करने आए वायु सेना अधिकारी-श्री राजीव शर्मा-एअर वाईस मार्शल का राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-(प्रशासन) - श्री मुकेश गुप्ता जी ने सदस्य बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृति भेंट कर उनका स्वागत किया। वायु सेना अधिकारी ने गतिविधि अनुभागों के भ्रमण के बाद उनकी तहे-दिल से सराहना की और वायु सेना स्कूल के बच्चों को भी इन गतिविधियों में भाग लेने की अपनी इच्छा जताई। इस संदर्भ में उपनिदेशक-(प्रशासन) ने बच्चों को पांच दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने का

सुझाव दिया और कहा कि कार्यशाला द्वारा बच्चों की सृजनात्मक क्षमता, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक विकास होगा।

स्वच्छता अभियान के तहत गतिविधियों का दौरा एवं सौंदर्यकरण

निदेशिका महोदया ने सभी गतिविधि कक्षों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी गतिविधि प्रशिक्षकों को नयेपन से रचनात्मकता, स्वच्छता, सौंदर्य व्यवस्था एवं पुरानी/टूटी वस्तुओं को निरस्त करने और अपने-अपने कक्ष की सफाई और सौंदर्यीकरण का प्रभार दिया। इस पहल को सभी गतिविधि प्रशिक्षकों के बीच एक प्रतियोगिता के रूप में स्वीकृत किया गया जिससे सभी गतिविधि कक्षों का एक नया रूप निखर कर सामने आया। इस संदर्भ में शीर्ष तीन विजेताओं को राष्ट्रीय बाल भवन के उपाध्यक्ष, निदेशक और उपनिदेशक-(प्रशासन) द्वारा आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया।

कहानी सुनाना और प्रस्ताव लेखन कार्यशाला

आज़ादी का अमृत महोत्सव की 75वीं वर्षगांठ पूरी होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 27 से 29 जुलाई, 2022 तक ।ज्ञाड थीम के तहत **कहानी और निबंध लेखन** की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य - बच्चों के बीच स्वतंत्रता सेनानियों, वीरता पुरस्कारों और पुरस्कार विजेताओं, भारतीय महिला स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका आदि के बारे में जानकारी देना था। यह जानकारी कहानियों और पीपीटी के माध्यम से दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 46 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 27 जुलाई, 2022 (प्रथम दिवस) - देशभक्त व्यक्तियों की यादगार पर कहानी-सत्र में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका और भारत की महिला स्वतंत्रता सेनानियों जैसे भीमा बाई होल्कर, रानी लक्ष्मी बाई, बेगम हज़रत महल, कस्तूरबा गांधी, सरोजिनी नायडू, अरूणा आसफ अली के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों के साथ बच्चों को कहानियों के माध्यम से अवगत कराया। पीपीटी के माध्सम से मैडम भीकाजी कामा, रानी गैडिन्ल्यू के बारे में भी जानकारी दी गई। एक भारतीय महिला स्वतंत्रता सेनानी के बारे में कुछ जानकारी लिखकर लाने का कार्य बच्चों को दिया गया। बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी में निबंध लिखने के 5 मुख्य चरणों की जानकारी भी दी गई।

दिनाँक 28 जुलाई, 2022 (दूसरा दिन) - इस दिन वीरता पुरस्कार और पुरस्कार विजेताओं पर सत्र एवं भारत के राज्यों और उन राजधानियों पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों को वीरता पुरस्कारों के अर्थ और इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को पुरस्कार के प्रकार, 6 वीरता पुरस्कारों की पहचान करना और भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार कब दिया जाता है, की जानकारी प्रदान की गई।

तीन परमवीर चक्र पुरस्कार विजेता - नायब सूबेदार बाना सिंह, कैप्टन विक्रम बत्रा और कैप्टन मनोज कुमार पांडे के बारे में भी बच्चों को जानकारी प्रदान की गई।

दिनाँक 29 जुलाई, 2022 (तृतीय दिवस) - इस दिन बच्चों ने विभिन्न विषयों पर निबंध लिखे जैसे :- स्वतंत्रता दिवस, भारत के प्रतिष्ठित व्यक्ति, महिला स्वतंत्रता सेनानी, वीरता पुरस्कार और पुरस्कार विजेता आदि। अंत में बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी-सत्र भी आयोजित किया गया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संग्रहालय कार्यशाला

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर दिनाँक 29 जुलाई से 13 अगस्त, 2022 तक एक कार्यशाला-"तिरंगे की कहानी हमारी जुबानी" आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य-बच्चों को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण के पीछे की कहानियों से परिचित कराना था। यह कार्यशाला सप्ताह में तीन दिन आयोजित की गई जिसमें विभिन्न गतिविधियों जैसे विषय से संबंधित संग्रहालय प्रदर्शनी के विभिन्न वर्गों का दौरा, कहानी सुनाने का सत्र, हमारे राष्ट्र से सम्बंधित छिपे हुए तथ्यों के बारे में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा ध्वज तिरंगा की यात्रा को दर्शाने वाली गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यशाला का समापन बच्चों के कार्यों को प्रदर्शित करने वाली तिरंगा दीवार नामक प्रदर्शनी के रूप में।

बच्चे रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के तहत देशभक्ति का प्रदर्शन करने वाले एक प्रोजेक्ट डायोरामा बनाने में शामिल हुए, जो अपशिष्ट सामग्री का उपयोग करके बनाया गया। इस अवसर पर 35 बच्चों ने भाग लिया।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा ई-प्रतिज्ञा अभियान

दिनाँक 3 अगस्त, 2022 को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने हवअण्पद पोर्टल के माध्यम से "से यस टू लाइफ, नो टू ड्रग्स" शीर्षक से एक ऑनलाइन ई-प्रतिज्ञा अभियान शुरू किया ताकि नशीली दवाओं के खतरे के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके और नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए जन समर्थन जुटाया जा सके। इस संदर्भ में राष्ट्रीय बाल भवन के समस्त कर्मचारियों ने भारत को नशा मुक्त बनाने में योगदान के लिए ई-प्रतिज्ञा ली। इस कार्यक्रम में लगभग 70 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल भवन एवं कार्यशाला की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षकों द्वारा सरकारी स्कूलों का दौरा

जुलाई और अगस्त, 2022 के महीने में, राष्ट्रीय बाल भवन के विभिन्न गतिविधि प्रशिक्षकों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करने, बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन के बारे में जानकारी देने और बच्चों और स्कूलों को राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता लेने के लिए प्रेरित करने के लिए पास के सरकारी स्कूलों का दौरा किया। इन दौरों का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों का लाभ दिलाना था।

हस्तकला कार्यशाला

दिनाँक 3 से 5 अगस्त, 2022 को हस्तकला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय फूल बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बच्चों को बताया गया कि किसी भी फूल को बनाना प्रकृति से प्रेरित, एक मजेदार और

कल्पनाशील कलात्मक प्रक्रिया है। प्रकृति के असली फूलों की पंखुड़ियों की जानकारी दी गई। तत्पश्चात् कागज़ से असली फूलों की नकल करके नकली फूल बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला समाप्ति के पश्चात् सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 12 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में मेखला झा सभागार में 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे :- उपाध्यक्ष-श्री आनन्द प्रकाश, निदेशक-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल। इस अवसर पर **प्रदर्शन कला की वाद्य वृंद कक्षा** के बच्चों ने देशभक्ति गीत "सारे जहाँ से अच्छा" की धुन सितार और गिटार पर बजाई। तत्पश्चात् राग पीलू में झाला बजाकर प्रदर्शन किया।

कंठ संगीत अनुभाग के बच्चों ने देशभक्ति गीत "हम भारत के रखवाले" प्रस्तुत किया। बच्चों ने इस गीत द्वारा मातृ-भूमि की महिमा का बखान किया और यह बताया कि हम भारत के रखवाले हैं और हम सदैव इसकी रक्षा करेंगे।

भरतनाट्यम, कथक और लोक नृत्य अनुभाग के बच्चों ने अनेकता में एकता को दर्शाते हुए नृत्य वन्देमातरम् प्रस्तुत किया। देशभक्ति से ओतप्रोत यह नृत्य आज़ादी का अमृत महोत्सव पर आधारित था। इस कार्यक्रम में लगभग 70 कर्मचारी एवं 35 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 13 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में मेखला झा सभागार में 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर **नाट्यकला अनुभाग** के बच्चों ने भगत सिंह पर आधारित "शहीद" नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का उद्देश्य - बच्चों में एकजुट रहने की भावना उत्पन्न करना था। इस नाटक द्वारा बच्चों को समझाया गया कि यह स्वंतत्रता हमें हज़ारों सेनानियों के बलिदान के बाद प्राप्त हुई है, इसलिए हम सबको धार्म और जाति से उठकर, एक साथ मिलजुल कर रहना चाहिए।

उपस्थित सभी सहभागियों ने नाटक की तहे दिल से सराहना की। इस कार्यक्रम में उपनिदेशक-(प्रशासन) सहित लगभग 70 कर्मचारी एवं 35 बच्चों ने भाग लिया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में "हर घर तिरंगा" अभियान कार्यक्रम

दिनाँक 13 से 15 अगस्त, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन में आज़ादी का अमृत महोत्सव तत्वावधान में नागरिकों को अपने-अपने घरों में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक अभियान "हर घर तिरंगा" शुरू किया गया। जिसमें स्वतंत्रता के 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में समस्त कर्मचारियों ने अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए फोटो अपलोड की। इसके अंतर्गत सभी को ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान हुआ। सभी कर्मचारियों ने "हर घर तिरंगा" अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया। इस कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 15 अगस्त, 2022 को 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत, राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में उप-निदेशक, (प्रशासन) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीय फहराया गया और उपस्थित जनसमूह द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

बुनाई कला कार्यशाला

दिनाँक 17, 18 और 20 अगस्त, 2022 को बुनाई अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को छोटे कार्पेट, छोटे मैट, फ्रैण्डशिप बैण्ड बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया।

मिट्टी कला कार्यशाला

दिनाँक 17, 18 और 20 अगस्त, 2022 को मिट्टी अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को पर्यावरण से सम्बंधित मिट्टी के मॉडल बनाना सिखाया जैसे मछली, चिड़िया, हाथी, मानव कंकाल आदि। इस कार्यशाला में लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया।

काष्ठ कला कार्यशाला

दिनाँक 17, 18 और 20 अगस्त, 2022 को काष्ठ कला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को अनुपयोगी लकड़ी से पेंटिंग बनाना एवं आइस्क्रीम स्टिक से घर बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 55 बच्चों ने भाग लिया।

नाट्कीय कला कार्यशाला

दिनाँक 17 और 18 अगस्त, 2022 को नाटक अनुभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को नाट्य कला सम्बंधित जानकारी दी गई। अलग-अलग कहानी बनाकर किस प्रकार से कहानियों का नाट्य प्रदर्शन प्रदर्शित किया जाता है के बारे में बताया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य:- बच्चों की सोचने की क्षमता को विकसित करना और आत्मनिर्भर बनाना तथा बच्चों में स्वयं से कार्य करने की ऊर्जा उत्पन्न करना था। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

मिले-जुले कला कार्यशाला

दिनाँक 17, 18 और 20 अगस्त, 2022 को मिले-जुले क्रियाकलाप द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में न्यू हॉरिजन स्कूल के 188 बच्चों को पेपर से मास्क बनाना सिखाया गया।

तबला पर कार्यशाला

दिनाँक 23 से 25 अगस्त, 2022 तक तबला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को तबले का उद्गम एवं चलन, तबले के विभिन्न भागों का परिचय, तबले के सभी छः घरानों का परिचय, तबले पर तीनताल को बजाना एवं हाथ से ताली/खाली देना, तीनताल का कायदा, 4 पल्टों सहित सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

हस्तकला कार्यशाला

दिनाँक 24 से 26 अगस्त, 2022 तक हस्तकला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला **मास्क मेकिंग क्राफ्ट** का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को अखबार से चेहरे पर पहने जाने वाले मास्क बनाने सिखाए गए। जिसका उद्देश्य:- बच्चों को विविध प्रदर्शन कलाओं को सीखने और मनोरंजन से भरपूर आनंद प्रदान करना था। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक कार्यशाला

दिनाँक 24 से 26 अगस्त, 2022 तक रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को कम लागत वाले मॉडल के विकास और उसका निर्माण करना सिखाया गया। कार्यशाला का उद्देश्य:- इलैक्ट्रॉनिक मॉडल तैयार करना था, जो हमारे दैनिक जीवन में उपयोग किए जाते हैं। कार्यशाला में बच्चों को बिजली और बिजली के उपकरणों को संभालने के लिए आवश्यक सावधानियां और खतरों की जानकारी भी दी गई। प्रतिभागियों को विभिन्न पार्ट्स की उपयोगिता की जानकारी दी गई। घटकों का परीक्षण, उपचार एवं सोल्डरिंग तथा घटकों की सफाई के बारे में सिखाया गया। बच्चों ने कार्डबोर्ड से अलग-अलग इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला

दिनाँक 25 से 27 अगस्त, 2022 तक मिले-जुले अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रामजस गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल के 75 बच्चों को पेपर मैशी से बोर्ड पर विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन बनाना सिखाया गया।

हस्तकला अनुभाग द्वारा तोरण क्राफ्ट कार्यशाला

दिनाँक 6 से 8 सितम्बर, 2022 तक हस्तकला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय तोरण (बंदनवार) क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रथम दिन बच्चों को तोरण का परिचय तथा उसके महत्व की जानकारी प्रदान की गई। द्वितीय दिन, बच्चों को पेपर द्वारा अलग-अलग डिजाइन और अलग-अलग प्रकार के तोरण बनाने सिखाए गए। तृतीय दिन बच्चों को तोरण को सजाए जाने की कार्य विधि की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य था - त्यौहारों पर बच्चे खुद से तोरण बनाकर अपने घर के दरवाज़ों को सजा सकें।

एअर फोर्स स्कूल के 300 बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ

एअर फोर्स स्कूल के 300 बच्चे तीन समूहों में **(दिनाँक 12 से 16 सितम्बर, 2022 दिनाँक 19 से 23 सितम्बर, 2022 एवं दिनाँक 26 से 30 सितम्बर, 2022 तक)** राष्ट्रीय बाल भवन के छात्रावास में ठहरे। इन सभी बच्चों के लिए निम्नलिखित कार्यशालाएं/कार्यक्रम आयोजित किए गए :-

उद्घाटान समारोह - दिनाँक 12 सितम्बर, 2022 को वायु सेना स्कूल के छात्र/छात्रों के लिए आयोजित कार्यशाला/कार्यक्रम के शुभारम्भ हेतु उद्घाटन समारोह का आयोजान मेखला झा रंगस्थल में किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में एवीएम राजीव शर्मा-भारतीय वायु सेना, श्री विपिन कुमार-अध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव

(राष्ट्रीय बाल भवन एवं शिक्षा मंत्रालय) तथा सुश्री मनीषा राजपूत – ग्रुप कैप्टन, भारतीय वायु सेना उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह का आरंभ अतिथियों के स्वागत और द्वीप प्रज्जवलन से किया गया। तत्पश्चात् प्रदर्शन कला विभाग द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों ने बच्चों को सम्बोंधित किया और आर्शीवचन दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कार्यशालाएँ/गतिविधियाँ

हस्तकला – पेपर बर्ड क्राफ्ट गतिविधि के अंतर्गत – विभिन्न प्रकार की चिड़िया, विभिन्न प्रकार के जानवरों का आकार बनाना, मास्क बनाना जिसमें पशु-पक्षी तथा मानव के मास्क बनाना, बुक मार्क बनाना, पेपर बैग बनाना, कोलाज बनाना, पेपर से विभिन्न प्रकार के फूल बनाना आदि सिखाया गया।

रा.प्र.सं.केंद्र – पेपर मैशी गतिविधि। जिसके अंतर्गत बच्चों ने विभिन्न प्रकार के पेपर मैशी द्वारा अद्भुत कलाकृतियाँ तैयार कीं।

चित्रकला – पेंटिंग करना, पेंसिल शेडिंग, फ्री हैण्ड पेंटिंग, चारकोल शेडिंग, रंग तकनीकी द्वारा गोंड चित्रकला, जल रंग पेंटिंग, वर्ली पेंटिंग आदि सिखाए गए।

शारीरिक शिक्षा – विभिन्न खेल और गतिविधियाँ आयोजित की गई।

लोकनृत्य – पंजाबी लोक नृत्य, गुजराती लोक नृत्य (डाण्डिया), राजस्थानी लोक नृत्य सिखाए गए।

लोक संगीत अनुभाग – राजस्थानी लोक गीत, हरियाणवी लोक गीत, गुजराती लोक गीत भोजपुरी लोक गीत सिखाए गए।

कंठ संगीत अनुभाग – बाल गीत, बासंती परिधान, घिर-घिर आई रे, स्वदेश मातृभूमि व कुछ भजन एवं सूफी गीत सिखाए गए।

वायु सेना गैलरी – फ्लाईट सिम्युलेटर का प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन), सिम्युलेटर का रखरखाव कार्य, फ्लाईट सिम्युलेटर का संचालन आदि के बारे में बताया गया।

एअॅरो मॉडलिंग – ड्रोन तकनीक – ड्रोन तकनीक का सैद्धांतिक सत्र, ड्रोन नियम, ड्रोन सिम्युलेटर प्रशिक्षण और ड्रोन उड़ान।

संग्रहालय – पंचतंत्र आदि पर नैतिक कहानियां, जूट प्रदर्शनी संबंधित कहानियां तथा वेस्ट मेटिरियल व जूट का प्रयोग कर कलाकृतियाँ व रामायण पर आधारित मुखौटे बनवाए गए।।

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स – इलैक्ट्रिकल गैजेट्स और घरेलू तारों पर प्रशिक्षण, घरेलू तारों का निर्माण, उपकरणों की पहचान, सीरीज कनेक्शन, पैरेलल कोन के साथ असेंबल और एक्शन आदि सिखाया गया।

पर्यावरण – पेपर कैप से मस्तिष्क की जानकारी, पेपर से मानव कंकाल तैयार करना, अपशिष्ट सामग्री से स्टैम्प बनाना।, पत्तियों और शाखाओं द्वारा प्रकृति मुद्रण का प्रदर्शन।

सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को रेलगाड़ी की सवारी कराई गई। राष्ट्रीय बाल भवन के बाल संग्रहालय का दौरा करवाया गया। सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को दिल्ली भ्रमण कराया गया। प्रत्येक ग्रुप के लिए कैम्प फायर का अयोजन किया गया।

समापन समारोह

प्रथम ग्रुप का समापन समारोह दिनांक 16.09.2022 को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एयर मार्शल आर.के. आनन्द, वी.एस.एम, Director General (Administrator) तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति ए.वी.एम राजीव शर्मा, श्रीमती मनीषा राजपूत (ग्रुप कैप्टन, भारतीय वायु सेना), निदेशक (रा.बा.भ.), उपनिदेशक (प्रशासन – रा.बा.भ.) उपस्थित थे।

द्वितीय ग्रुप का समापन समारोह दिनांक 23.09.2022 को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवीएम राजीव शर्मा–वायु सेना तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति सुश्री मनीषा राजपूत–ग्रुप कैप्टन वायु सेना, उपनिदेशक (प्रशासन – रा. बा.भ.) उपस्थित थे।

तृतीय ग्रुप का समापन समारोह दिनांक 30.09.2022 को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एअर मार्शल – श्री के. अनंत रमन (वीएसएम – एअर ऑफिसर इंचार्ज, प्रशासन, भारतीय वायुसेना) अन्य गणमान्य व्यक्ति एअर वाईस मार्शल – श्री राजीव शर्मा (सहायक चीफ ऑफ एअर स्टाफ, भारतीय वायु सेना), ग्रुप कैप्टन – श्रीमती मनीषा राजपूत, निदेशक (रा.बा.भ.) उपस्थित थे।

उपरोक्त सभी समापन समारोहों में, कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की संग्रहालय विभाग द्वारा,प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह की शुरूआत मेखला झा सभागार में समूह गान द्वारा की गई तत्पश्चात् कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा सीखी गई विधाओं जैसे लोक संगीत, लोक नृत्य आदि का मंच पर प्रदर्शन किया गया। अतिथियों द्वारा बच्चों की सराहना की गई और प्रोत्साहित किया गया।

हस्तकला अनुभाग द्वारा स्टार मेकिंग कार्यशाला

दिनाँक 14 से 16 सितम्बर, 2022 तक हस्तकला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय स्टार मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों को ओरिगामी तरीके से स्टार बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य था – त्यौहारों पर बच्चे स्वयं स्टार बनाकर अपने घर को सजा सकें। इस कार्यशाला में लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा

दिनाँक 16 सितम्बर से 29 सितम्बर, 2022 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य – हिंदी को बढ़ावा देना ताकि समस्त कर्मचारी अपना समस्त कार्यालयी कार्य हिंदी में कर सकें। इस संदर्भ में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं – नोटिंग-ड्राफ्टिंग, सामान्य ज्ञान, स्वरचित काव्य रचना, निबंध लेखन, हिंदी टंकण, श्रुतलेखन, हिंदी कार्यशाला आदि आयोजित की गईं। दिनाँक 17 सितम्बर, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य स्कूल, राष्ट्रीय बाल भवन, बाल भवन केन्द्र तथा जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

संगणक अनुभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए कार्यशाला

दिनाँक 19 से 23 सितम्बर, 2022 तक संगणक अनुभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों को कंप्यूटर के परिचय से अवगत कराया। कंप्यूटर, पढ़ाई में कैसे मदद करता है, के बारे में जानकारी प्रदान की गई। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस कार्यशाला में लगभग 13 बच्चों एवं 6 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला

दिनाँक 21, 2022 को रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में बच्चों को बताया कि किस प्रकार विभिन्न मॉडलों के साथ चुंबकीय क्षेत्र द्वारा बिजली उत्पन्न की जाती है। बच्चों को वर्किंग मॉडल्स का एक्सपोजर भी दिया गया। इस कार्यशाला में लगभग 13 बच्चों एवं 6 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा शास्त्रीय संगीत कार्यशाला

दिनाँक 28 से 30 सितम्बर, 2022 तक कंठ संगीत अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को रागों की उत्पत्ति, रागों का समय चक्र से सम्बंध, विभिन्न प्रहरों में गाए जाने वाले राग, रागों का समय के अनुसार वर्गीकरण इत्यादि के बारे में बताया व समझाया गया। बच्चों को अलग-अलग समय पर गाए जाने वाले रागों की बंदिशें, तराना आदि भी सिखाए गए। इसके अंतर्गत बच्चों को राग अल्हैया बिलावल में तराना, राग भैरवी में तिल्लाना तथा राग वृंदावनी सारंग में तीनताल की बंदिश सिखाई गई। अंत में बच्चों ने सवाल-जवाब भी किए और बच्चों को सिखाए गए रंगों का पुनराभ्यास भी कराया गया। इस कार्यशाला में लगभग 28 बच्चों ने भाग लिया।

संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति द्वारा विज्ञान भवन में निरीक्षण कार्यक्रम

दिनाँक 21 अक्तूबर, 2022 को संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति द्वारा विज्ञान भवन में निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। निरीक्षण बैठक में राष्ट्रीय बाल भवन निदेशक-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, उपनिदेशक-(प्रशासन) - श्री मुकेश गुप्ता एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से प्रकाशन तथा बच्चों द्वारा बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका अवलोकन माननीय उपाध्यक्ष तथा सांसदगणों द्वारा किया गया और प्रदर्शनी की अत्यंत सराहना की गई। बैठक के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के संबंध में तैयार 2-3 मिनट की एक पीपीटी भी दिखाई गई। निदेशक महोदया ने बैठक में औपचारिक परिचय के पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों, बाल भवन की सदस्यता, राज्य बाल भवनों, विभिन्न बाल केन्द्रों, जवाहर बाल भवन(माण्डी) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात् निरीक्षण प्रश्नावली में भरे गए आंकड़ों से संबंधित पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर निदेशक महोदया द्वारा सहजतापूर्वक से दिए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम

दिनाँक 31 अक्तूबर से 6 नवंबर, 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। इस आयोजन के अंतर्गत लगभग 50 कर्मचारियों ने भाग लिया। दिनाँक 1 नवबर, 2022 को सभी सहभागियों ने **सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा** ली। श्री मुकेश गुप्ता - उपनिदेशक-(प्रशासन) ने सभी सहभागियों को बताया कि हम बच्चों की संस्था में कार्य करते हैं, इसलिए हम सभी को हर तरीके से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होने कहा हमें ना ही गलत करना है और ना ही किसी के साथ गलत होते देखना है। हम सभी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

दिनाँक 31 अक्तूबर से 5 नवंबर, 2022 तक गतिविधि प्रशिक्षकों ने बच्चों के लिए सतर्कता जागरूकता से सम्बंधित गतिविधियाँ भी आयोजित कीं।

दिनाँक 6 नवंबर, 2022 को प्रशिक्षक (कंठ संगीत) द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ एक स्वरचित गीत - **'हम भारतवासी सतर्क हैं, हम भारतवासी सशक्त हैं'.** सहभागियों को सिखाया और अंत में सभी ने एकजुट होकर गीत गाया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 कर्मचारियों एवं 25 बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 1 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में एकता दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें सभी

ने भाग लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों और कर्मचारियों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना था। श्री मुकेश गुप्ता - उप निदेशक (प्रशासन) ने सभी प्रतिभागियों को सूचित किया कि श्री पटेल को भारत के **लौह पुरुष** के रूप में भी जाना जाता है, उन्होंने रियासतों को एक साथ लाने और एकजुट भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान को याद करते हुए हर साल उनकी जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम

दिनाँक 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2022 तक **राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, जिसका विषय - "सशक्त भारत"** था का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में किया गया। इस शिविर का उद्देश्य:- बच्चों को अपने देश की समृद्ध संस्कृति की जानकारी देना और उसकी सराहना करने में मदद करना था। इस कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त 58 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के 400 सदस्य बच्चे तथा एस्कोर्ट, राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चे, माण्डी जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चे और दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों के बच्चों ने (लगभग 3500 बच्चों ने) भाग लिया। इस शिविर में सहभागी बच्चों के लिए बाह्य विशेषज्ञों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा सृजनात्मक कार्यशालाएं जैसे :- कैलीग्राफी, वाटर बेस सेरिग्राफी, पॉटरी और क्ले, मधुबनी, कठपुतली, कहानी सुनाना, चित्रकला, पर्यावरण, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, मेंहदी, छायांकन, सिम्यूलेटर, फन गेम्स, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, मिले-जुले कार्यकलाप, चर्खा, रंगोली, सृजनात्मक लेखन इत्यादि तीन दिन तक आयोजित की गई।

14 नवम्बर, 2022 को प्रातः 10:00 बजे राष्ट्रीय बाल सभा के मुख्य अतिथि - श्री शोभित गुप्ता-निदेशक, वित्त मंत्रालय (राष्ट्रीय बाल भवन-बोर्ड सदस्य), श्रीमती मुक्ता अग्रवाल-निदेशक(राष्ट्रीय बाल भवन) आदि थे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों से संयोजित भव्य ग्रुप प्रदर्शनी जो कि संग्रहालय विभाग द्वारा लगाई गई और 18 स्टॉल तथा परिसर में आयोजित सांस्कृतिक मेले का दौरा किया। खुले रंगमंच में कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया एवं राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने "स्वस्ति वाचन" गाया। तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने खुले रंग मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम **राग मियां मल्हार, ऑरकेस्ट्रा, लोक संगीत, भरतनाट्यम, लोक नृत्य** आदि प्रस्तुत किए। श्रीमती मुक्ता अग्रवाल-निदेशक - (राष्ट्रीय बाल भवन) ने मुख्य अतिथियों का राष्ट्रीय बाल भवन में पधारने का हृदय से आभार प्रकट किया एवं बच्चों को आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम के सहभागियों ने बच्चों द्वारा बनाई कलाकृतियों की प्रदर्शनी का दौरा किया और राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, पेपर मैशी, मधुबनी, चर्खा, कठपुतली, क्ले, मेहंदी, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फन गेम, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली, हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में बच्चों ने भाग लिया। दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक खुले रंग मंच में पूर्वी क्षेत्र और केन्द्रीय क्षेत्र के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत का प्रस्तुतिकरण किया। सायं 6:30 बजे राष्ट्रीय बाल भवन में आमंत्रित विशेषज्ञ-राजस्थानी लोक संगीत के कलाकार श्री अनवर खान लांगा एवं ग्रुप द्वारा प्रस्तुति दी गई।

इस शिविर के दूसरे दिन 15 नवम्बर 2022 को प्रातः 10:00 से 1:00 बजे तक खुले रंग मंच में पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र-।। के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत का प्रस्तुतिकरण किया। दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक खुले रंग मंच में दक्षिण क्षेत्र-। और पश्चिमी क्षेत्र के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत का प्रस्तुतिकरण किया। बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, पेपर मैशी, मधुबनी, चर्खा, कठपुतली, क्ले, मेहंदी, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फन गेम, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली, हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में भाग लिया। सायं 6:30 बजे ओडिसी नृत्य कला संगम, नई दिल्ली की प्रमुख ओडिसी नृत्यांगना-पद्मश्री माधवी मुद्गल एवं ग्रुप ने ओडिसी के विभिन्न शास्त्रीय पक्षों पर नृत्य प्रदर्शित किए। रात्रि 8:30 बजें राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में बच्चों के लिए बोनफायर का भी आयोजन किया गया। तत्पश्चात् सभी सहभागियों को मूँगफली, रेवड़ी, गज़क आदि बांटी गई।

16 नवम्बर, 2022 को प्रातः 10:00 से सायं 4:00 बजे तक राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, पेपर मैशी, मधुबनी, चर्खा, कठपुतली, क्ले, मेहंदी, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फन गेम, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली, हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में बच्चों ने भाग लिया। सायं 4:00 बजे समापन समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय बाल सभा के मुख्य अतिथि - श्री शोभित गुप्ता-निदेशक, वित्त मंत्रालय (राष्ट्रीय बाल भवन-बोर्ड सदस्य), श्री आनन्द प्रकाश-उपाध्यक्ष-राष्ट्रीय बाल भवन, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल-निदेशक(राष्ट्रीय बाल भवन) आदि थे। मुख्य अतिथियों के लिए बच्चों ने अनेकों सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे गाने, नृत्य, खमाज तराना, ओर्केस्टा, एकल प्रदर्शन आदि का प्रस्तुतिकरण कर समापन को भव्य किया। कार्यक्रम देखकर निदेशक महोदया जी ने तहे-दिल से कार्यक्रम की सराहना की। इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने अपने अनुभवों को साझा किया। अंत में सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

लोक संगीत तीन दिवसीय कार्यशाला

दिनाँक 22 से 24 नवम्बर, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन में एक लोक संगीत कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लोक संगीत प्रशिक्षक-श्री राहुल ने बच्चों को आदिवासी समूह गीत सिखाया तथा गीत को नृत्य के साथ प्रस्तुत करना भी सिखाया। प्रस्तुति में जिन वाद्य यंत्रों का प्रयोग होता है उसकी भी जानकारी बच्चों को दी। इस तीन

दिवसीय लोक संगीत की कार्यशाला में बच्चों ने बढ़चढ़ कर उत्सुकता और तन्मयता के साथ भाग लिया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।

"महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" पर महिला पखवाड़ा कार्यक्रम

"महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" पर महिला पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के कार्यान्वयन (रोकथाम, निषेध और निवारण) धारा-2013 के आधार पर दिनाँक 25 नवम्बर, 2022 से 10 दिसम्बर, 2022, तक महिला पखवाड़ा का आयोजन हुआ इसके दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में विभिन्न गतिविधि अनुभागों ने बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए महिलाओं के खिलाफ भेदभाव व हिंसा तथा उसके निवारण व रोकथाम पर आधारित कार्यशालाएं आयोजित कीं जैसे :- संगीत अनुभाग द्वारा गीत कार्यशाला, हस्तकला अनुभाग द्वारा पोस्टर बनाने की कार्यशाला, नाटक अनुभाग द्वारा नाटक की कार्यशाला, कानून पेशेवर द्वारा एक वार्ता सत्र (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम और निवारण) अधिनियम, 2013 पर आधारित), हाथ की कठपुतली पर आधारित कार्यशाला, महिला सशक्तिकरण की कहानी **"जानकी"** का लिखित कार्यान्वयन, लेखन कार्यशाला आदि।**"महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस"** पर महिला पखवाड़ा का समापन समारोह कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 10 दिसम्बर, 2022 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सितार और तबला वादन से हुई जिसमें सदस्य बच्चों ने **हम होंगे कामयाब** गाने का प्रदर्शन किया। उसके बाद राष्ट्रीय बाल भवन की प्रशिक्षिका-कु. करूणा ने महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर अपने विचार प्रकट किए। सभागार में उपस्थित सभी लोगो ने 'हम हाथ से हाथ मिलाएंगे, हम कदम से कदम बढ़ाएंगे' गीत को गाया। तत्पश्चात् नाटक कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने नाटक - "उड़ान अभी थमी नहीं" का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक महोदया ने हमेशा की तरह सभी को विशेषकर लड़कियों को सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 250 सहभागियों ने भाग लिया।

संविधान दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 26 नवम्बर, 2022 को संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक-(प्रशासन) की देख-रेख में रा.प्र.सं.के. हॉल में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। उपनिदेशक-(प्रशासन) ने बताया कि हमें संविधान में दर्ज अपने अधिकारों और कर्तव्यों को पढ़ना चाहिए और उन कर्तव्यों घर अमल भी करना चाहिए। राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारी श्री चिरंजी लाल ने सभी कर्मचारियों को संविधान दिवस 26 नवम्बर की बधाई दी। तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारी श्री मुकेश बैरवा ने 11 मौलिक कर्तव्यों की जानकारी दी। सुश्री निधी सरियाल ने 6 मौलिक अधिकारों की जानकारी दी। तत्पश्चात् कंठ संगीत प्रशिक्षका-श्रीमती नेहा

वत्स खंकरियाल ने भारतीय संविधान पर एक स्वरचित गीत सहभागियों को सिखाया जिसके बोल थे - **'जिस दिन हमारे भारत में संविधान तैयार हुआ, भारत गणराज्य ने जब संविधान का अंगीकार किया'।** इस गाने को सभी सहभागियों ने दिलचस्पी और बड़े उत्साह के साथ मिलकर सीखा और गाया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का "पुरस्कार वितरण समारोह"

दिनाँक 2 दिसम्बर, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का "पुरस्कार वितरण" समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमती मुक्ता अग्रवाल -(निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन), श्री मुकेश गुप्ता -(उपनिदेशक-प्रशासन) ने सम्मिलित रूप से विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए। बच्चों को पुरस्कार के रूप में उपयोगी पुस्तकें, स्टेशनरी सामग्री तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और दो सांत्वना पुरस्कार रखे गए थे। पुरस्कार वितरण के पश्चात् पुरस्कृत बच्चों ने "काव्य-पाठन" भी किया। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों द्वारा पुरस्कृत पेंटिंग्स तथा स्लोगन की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस

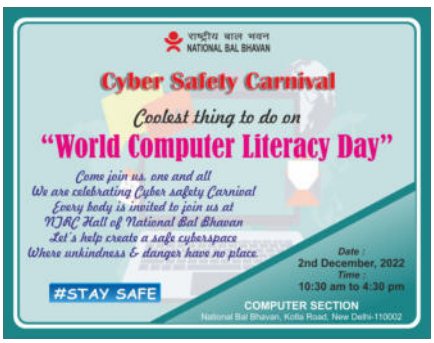

दिनाँक 2 दिसम्बर, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को दो सत्रों में मनाया गया। जिसमें नवशक्ति स्कूल के लगभग 65 बच्चों और 18 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अवसर पर साइबर सुरक्षा और कम्प्यूटर की सामान्य युक्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई जैसे : कम्प्यूटर में क्या काम किया जा सकता है या करने से बच सकते हैं विषय पर एक वीडियो क्लिप के माध्यम से समझाया गया। कार्यक्रम के अंत में साइबर सुरक्षा के बारे में छात्रों के बीच एक प्रश्नावली रखी गई जिसमें सहभागियों ने बहुत उत्सुकता से भाग लिया। छात्रों के लिए कम्प्यूटर को दैनिक जीवन के हिस्से के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

आमोद दिवस कार्यक्रम

नए साल के आगमन पर राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में 3 जनवरी, 2023 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और कर्मचारियों ने विभिन्न खेलों जैसे :- टग ऑफ वार, म्यूज़िकल चेयर, रस्सा-कशी, दौड़, नीम्बू रेस, थ्री लेग रेस, बैलून रेस इत्यादि खेलों में भाग लिया और खेलों का आनन्द उठाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक महोदया-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल भी उपस्थित थी। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। निदेशक महोदया ने खेलों के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्रदान किए।

लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में दिनांक 13 जनवरी, 2023 को लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम आयोजन में राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिका-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल एवं उपनिदेशक-प्रशासन-श्री मुकेश गुप्ता भी उपस्थित थे। इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्या सुश्री दामिनी ने लोहड़ी पर्व से सम्बंधित कुछ विशेष जानकारी दी। प्रदर्शन कला की कंठ संगीत प्रशिक्षिका-श्रीमती नेहा खंकरियाल ने गीत प्रस्तुत किया जिसके बोल थे - 'चरखा चन्नन दा' । कुछ सदस्य बच्चों ने उत्तराखण्डी गीत - उत्तरेणी, जिसे मकर संक्रांति भी कहा जाता है, जिसे मेले के दौरान गाया जाता है, का प्रस्तुतीकरण किया। नाटकीय कला अनुभाग के कुछ सदस्य बच्चों ने इस अवसर पर नाटक का प्रस्तुतीकरण किया। तत्पश्चात् संग्रहालय प्रशिक्षिका-श्रीमती स्मृति कपूर ने लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम के अवसर पर कुछ मनोरंजक तथ्यों की जानकारी साझा की और राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने बोलियों और नृत्य के समावेश के बाद गिद्दा और भांगड़ा नृत्य प्रस्तुत किया तथा निदेशक महोदया एवं उपनिदेशक-(प्रशासन) ने लोहड़ी की अग्नि प्रज्ज्वलित कर बच्चों को इस कार्यक्रम की बधाई दी तथा अपने आशीर्वचन दिए। इस कार्यक्रम में लगभग 300 व्यक्तियों ने भाग लिया।

बसंत पंचमी

राष्ट्रीय बाल भवन में 26 जनवरी, 2023 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में बच्चों ने माँ सरस्वती जी की वंदना करते हुए आराधना की। कंठ सगीत अनुभाग के बच्चों ने सरस्वती वंदना भी की।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सहभागिता

दिनाँक 27 जनवरी, 2023 को तालकटोरा स्टेडियम में मंत्रालय द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2023 के छठे संस्करण में माननीय प्रधानमंत्री जी ने छात्रों के साथ परीक्षा पर चर्चा की। लगभग 1000 स्कूल छात्रों ने इसमें भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन की कंठ संगीत प्रशिक्षिका-श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल ने सभी को समूह गायन करवाया व विभिन्न देशभक्ति गीतों का प्रस्तुतीकरण भी किया।

एक संग्रहालय कार्यशाला

दिनाँक 31 जनवरी से 2 फरवरी, 2023 तक तीन दिवसीय संग्रहालय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यशाला का उद्देश्य:- युवा मन में विविधता में एकता के बंधन को मजबूत करना था। कार्यशाला के दौरान विभिन्न गैलरी टूर, गैलरी वार्ता आयोजित की गई जिसमें मेले, भोजन, त्यौहार, पारंपरिक पोशाक आदि पर चर्चा की गई व कई मनोरंजक गतिविधियाँ भी कराई गईं। यह विश्व विज्ञान दिवस में भी दिया गया है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "विश्व स्तर पर विरासत" बच्चों को संग्रहालयों से परिचित कराया गया और विश्व स्तर पर हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए विज्ञान का महत्व बताया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य - ग्लोब, उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव तथा इसकी प्राकृतिक विरासत का ज्ञान प्रदान करना था, अपने पर्यावरण की रक्षा कैसे करें और संग्रहालयों द्वारा इसकी सुरक्षा की पहल की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया।

एकता विषय पर नाट्य गतिविधि

नाट्य अनुभाग में माह फरवरी, 2023 को एकता विषय पर आधारित एक पारिवारिक, सामाजिक एवं धार्मिक एकता को सशक्त बनाए रखने के लिए बच्चों को नाट्य कला विधि के माध्यम से विभिन्न क्रिया कलाप सिखाए।

एकता विषय पर सिलाई गतिविधि

सिलाई अनुभाग में माह फरवरी, 2023 को एकता विषय पर आधारित एक पारिवारिक, सामाजिक एवं धार्मिक एकता को सशक्त बनाए रखने के लिए बच्चों को मानव चेन कटिंग क्राफ्ट के विभिन्न क्रिया कलाप सिखाए गए।

एकता विषय पर चित्रकला गतिविधि

चित्रकला अनुभाग में माह फरवरी, 2023 को एकता विषय पर आधारित एक पारिवारिक, सामाजिक एवं धार्मिक एकता को सशक्त बनाए रखने के लिए बच्चों को चित्रकला बनानी सिखाई गई। इस अवसर पर लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया।

विश्व विज्ञान दिवस पर चित्रकला गतिविधि

चित्रकला अनुभाग में माह फरवरी, 2023 विश्व विज्ञान दिवस कार्यक्रम पर बच्चों को चित्रकला बनानी सिखाई गई।

अमृतपैक्स कार्यक्रम

भारतीय डाक, संचार मंत्रालय द्वारा 13 से 15 फरवरी, 2023 तक प्रगति मैदान में एक राष्ट्रीय डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन के सृजनात्मक कला अनुभाग के प्रशिक्षकों ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया। रा.बा.भ के प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने भी समापन समारोह में एक मनमोहक प्रदर्शन दिया जिसमें देशभक्ति गीतों का मिश्रण, ऑर्केस्ट्रा, 'चरी' लोक नृत्य और देशभक्ति नृत्य वंदे मातरम शामिल था।

विश्व विज्ञान दिवस कार्यक्रम

दिनांक 28 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के मेखला झा ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय :- 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' था। इस अवसर पर संगणक प्रशिक्षक-श्री ऋषभ अरोड़ा जी ने कार्यक्रम का परिचय दिया और बताया की इसे क्यों मनाते हैं? इसके पीछे कौन सा वैज्ञानिक है? उनका योगदान क्या था? और उन्होंने बताया कि 'ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेलबीइंग' द्वारा ऑडियो विजुअल डाक्यूमेन्ट्री भी आयोजित की गई जिसमें 'विज्ञान के नियम और ब्रह्माण्ड' की जानकारी प्रदान की गई। रेडियो एण्ड इलैक्ट्रॉनिक्स प्रशिक्षक - श्री मनोज मिश्रा ने फन विथ मैग्नेट पर सहभागियों को गतिविधि कराई। संग्रहालय प्रशिक्षक - सुश्री निधी सरियाल ने बताया कि कैसे संग्रहालय विश्व स्तर पर हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने संग्रहालय के परिचय के साथ विश्व स्तर पर हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए विज्ञान के महत्व की जानकारी दी, जिसका उद्देश्य बच्चों को ग्लोब, उत्तरी

ध्रुव और दक्षिण ध्रुव तथा इसकी प्राकृतिक विरासत का ज्ञान प्रदान करना था। अपने पर्यावरण की रक्षा कैसे करें और संग्रहालयों द्वारा इसकी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं इसके बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में एक चित्रकला गतिविधि का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 63 सहभागियों ने भाग लिया।

'भारतीय सांस्कृतिक' विषय पर गतिविधि

हस्तकला अनुभाग में बच्चों को सांस्कृतिक गौरव के उपलक्ष्य में रंगीन पेपर से अलग-अलग राज्यों के पहनावों की आकृति बनाकर उनकी संस्कृति से अवगत कराया चित्रकला अनुभाग में बच्चों को 'भारतीय संस्कृति' विषय पर चित्रकला बनाना सिखाया गया।

'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत कार्यक्रम

नाट्य कला अनुभाग में सामाजिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण आदि विषय पर नाट्य दृश्य क्रिया बच्चों को सिखाई गई।

हस्तकला अनुभाग में सामाजिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण आदि विषय पर पेपर बैग बनाना सिखाया।

चित्रकला अनुभाग के प्रशिक्षक द्वारा बच्चों को शहीदी दिवस के आधार पर दिनांक 31 जनवरी, 2023 को पेंटिंग करना सिखाया।

संग्रहालय अनुभाग के प्रशिक्षक द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर कक्षाएं आयोजित की गईं।

होली महोत्सव कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग मंच में सदस्य बच्चे और समस्त कर्मचारियों ने प्राकृतिक फूलों के साथ दिनाँक 7 मार्च, 2023 को **होली उत्सव** के कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक – श्रीमती मुक्ता अग्रवाल उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कंठ संगीत प्रशिक्षिका के होली पर आधारित एक सुन्दर गीत जिसके बोल थे – 'होली आई रे कन्हाई' से हुआ। लोक संगीत प्रशिक्षक ने होली पर आधारित रंगों पर एक गीत प्रस्तुत किया जिसके बोल थे – 'के होरी खेलन आयो श्याम', गायन अनुभाग के सदस्य बच्चों ने एक गीत प्रस्तुत किया जिसके बोल थे – 'आज बिरज में होली रे रसिया'। लोक नृत्य अनुभाग के बच्चों एवं प्रशिक्षकों ने होली उत्सव पर नृत्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् नाट्य कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने 'होलिका' नामक एक नाटक प्रस्तुत किया। होली पर आधारित नृत्य का प्रस्तुतीकरण भरतनाट्यम अनुभाग के सदस्य बच्चों द्वारा भी किया गया। अंत में उपनिदेशक(प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता ने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं और सभी को

भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सहभागियों ने एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा कर होली उत्सव की बधाई दी। इस कार्यक्रम में 200 सहभागियों ने भाग लिया।

हिन्दी कार्यशाला

दिनाँक 10 मार्च, 2023 को गूगल मीट द्वारा "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया, जिसका विषय था - 'वॉयस टाइपिंग तथा ई-ऑफिस में इसका उपयोग'। इस कार्यशाला का उद्देश्य था - कार्यालयी कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग किया जाए। इस कार्यशाला में लगभग 36 सहभागियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

कार्यालयी कार्यों को सुचारू रूप से कार्यान्वित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनाँक 10 मार्च, 2023 को "गूगल मीट" द्वारा की गई। जिसमें राजभाषा हिंदी के वार्षिक कार्यक्रम के साथ-साथ गत बैठक के कार्यवृत्त पर चर्चा की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय बाल भवन के लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

'बाजरा वर्ष' कार्यक्रम (28 मार्च, 2023)

भारत सरकार द्वारा बाजरा-वर्ष घोषित किया गया है इसलिए बाजरे के महत्व व लाभों के विषय में गायन अनुभाग में बच्चों को दिनाँक 28 मार्च, 2023 को 'बाजरा वर्ष' पर आधारित गीत 'ओकुण बीजे बाजरो ए बजरी' सिखाया गया। हस्तकला अनुभाग में बच्चों को बाजरा अनाज से कोलाज बनाना सिखाया।

'28वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन - कार्यक्रम

किलकारी बिहार बाल भवन, पटना में 28वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका विषय 'पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली' था जोकि दिनाँक 12 से 14 मार्च, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया। इस सम्मेलन में विभिन्न 8 राज्यों के 14 बाल भवनों के 56 बच्चों और उनके संरक्षकों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का समन्वय श्री ऋषभ अरोड़ा 'राष्ट्रीय बाल भवन' ने किया।

प्रथम सत्र - श्री दीपक कुमार सिंह (अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार), निदेशक, श्रीमती ज्योति परिहार (निदेशक, किलकारी बिहार बाल भवन, पटना), श्री ऋषभ अरोड़ा (राष्ट्रीय बाल भवन, समन्वयक), डॉ. गोपाल शर्मा (संयुक्त निदेशक, जूओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया भारत सरकार) और चा-चा बाल भवन, तमिलनाडु तथा बैंगलोर बाल भवन के बच्चों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। श्रीमती ज्योति परिहार ने मेहमानों को अंकुरित पौधे भेंट कर उनका स्वागत किया, और अपने संबोधन में बच्चों को गतिविधियों में खुलकर आनंदपूर्वक भाग लेने, झिझक खत्म करने एवं आपस में सभी बाल भवनों के बच्चों के साथ दोस्ती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण से प्रेम का महत्व भी बताया। श्री दीपक कुमार सिंह-अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग ने अपने संबोधन में इकोलॉजिकल सिस्टम के बारे में बच्चों को बताया कि प्रकृति से हमें उतना ही लेना चाहिए जितनी हमारी आवश्यकता है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पटना के संयुक्त निदेशक डॉ. गोपाल शर्मा ने बच्चों को अलग-अलग पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में बताया तथा पर्यावरण के संरक्षण में हम क्या भूमिका निभा सकते है यह भी समझाया।

द्वितीय सत्र – डॉ. गोपाल शर्मा ने बच्चों को पर्यावरण से संबंधित कई फिल्में दिखाई। पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से 'इकोसिस्टम रेस्टोरेशन' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को विभिन्न प्रकार के इकोसिस्टम, जलीय एवं स्थलीय आदि के बारे में बताया। प्रेजेंटेशन के बाद बच्चों ने उनसे पर्यावरण संरक्षण को लेकर बहुत सवाल भी पूछे। विशेषज्ञ–डॉ. अशोक घोष ने सही जीवन शैली के साथ पृथ्वी को बचाने और खुद को बचाने की मूलभूत जानकारी दी। उन्होंने जल प्रदूषण एवं जल की कमी से संबंधित परिस्थितियों के मिथक एवं सत्यता को उदाहरण के साथ समझाया। अपने घर के पानी की गुणवत्ता जांच किए बिना किसी भी प्रकार का फिल्ट्रेशन जरूरी नहीं है, यह भी उन्होने समझाया। विशेषज्ञ–कलाकार–श्री उमेश कुमार शर्मा एवं सुश्री छाया तिवारी के समक्ष राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली द्वारा इस सत्र में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसकी एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

तृतीय सत्र – यह सत्र पारिस्थितिकी तंत्र पुर्नस्थापना पर केस स्टडी से संबंधित था, जिसमें विशेषज्ञ के रूप में श्री अभय सिन्हा–वरिष्ठ रंगकर्मी एवं श्री राजीव रंजन श्रीवास्तव–वरिष्ठ रंगकर्मी, डॉ. गोपाल शर्मा एवं डॉ. रश्मि कोमल थे। उनके समक्ष सभी 14 बाल भवन के बच्चों की टीम द्वारा प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन दिया गया। इकोसिस्टम पर बच्चों ने अपने–अपने क्षेत्र की विशेष समस्याओं पर केन्द्रित केस स्टडी प्रस्तुत किए। बच्चों ने अलग–अलग थीम पर अपनी प्रस्तुति दी जैसे कि जल संरक्षण, जल निस्पंदन, गौरैया संरक्षण, पौधा संरक्षण आदि। अपने स्किट के माध्यम से बच्चों ने बताया कि हमें अपनी नदियों में कचरा नहीं फैलाना चाहिए, अपने आस–पास कूड़ा नहीं बिखेरना चाहिए, पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए, चिड़ियों को सुरक्षित रखना चाहिए। सभी बच्चों ने अपनी–अपनी थीम पर अच्छी स्किट एवं नाट्य प्रस्तुति दी। अमरेली बाल भवन के बच्चों ने पपेट शो के द्वारा अपनी थीम प्रस्तुत कीं। इस दिन बच्चों को पटना सिटी और गुरूद्वारा भ्रमण भी कराया गया। इस दिन, विश्व तितली दिवस के अवसर पर किलकारी बाल भवन में स्थित तितली उद्यान का भी बच्चों ने भ्रमण किया। जिसमें उन्होंने जाना कि यहाँ 62 प्रकार की तितलियों की प्रजातियाँ हैं।

समापन समारोह कार्यक्रम – तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि – श्री वैद्यनाथ यादव (सचिव शिक्षा विभाग, बिहार सरकार) एवं श्री अमिताभ (परियोजना निदेशक, श्रीकृष्ण विज्ञान केन्द्र) थे। अतिथियों ने अपने संबोधन में बच्चों को वातावरण से दोस्ती करने, हर दिन कुछ नया सीखने एवं सामुहिक कार्य करते रहने की सीख दी। अंत में अतिथियों द्वारा सभी विजेता बच्चों एवं संरक्षकों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। श्री ऋषभ अरोड़ा (राष्ट्रीय बाल भवन, समन्वयक) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम का समापन समारोह हुआ।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

परिचय

जवाहर बाल भवन राष्ट्रीय बाल भवन की एक ग्रामीण इकाई है। साठ के दशक के मध्य में जवाहर बाल भवनों की स्थापना की योजना शुरू की गई थी। माँडी में जवाहर बाल भवन इसी योजना का विस्तार था। यह ग्रामीण इकाई पहली बार 1972 में स्थापित की गई थी। माँडी गाँव की चौपाल से इसका क्रियाकलाप शुरू श्रीमती गाँधी ने वर्ष 1973 में हुआ। वर्तमान स्थान पर केंद्र का उद्घाटन किया, जिसे मांडी के ग्रामीणों ने इसे स्थापित करने के लिए 4.75 एकड़ पंचायत भूमि दान की थी और इसे ''जवाहर बाल भवन, मांडी'' नाम दिया गया। मुख्य उद्देश्य मांडी, महरौली, जौनपुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी, ग्वाल पहाड़ी, बंधवारी, असोला, आया नगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबरी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी मांडी और उसके आसपास डेरा, भट्टी माइंस और नेब सराय गांव के ग्रामीण बच्चों को शिक्षित बनाना था। यह एक ऐसी संस्था है जिसका उद्देश्य बच्चों को, उनकी उम्र, योग्यता और क्षमता के अनुसार वार्तालाप, प्रयोग, निर्माण और प्रदर्शन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का अवसर और सामान्य मंच प्रदान करके उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना है। यह अपार संभावनाओं के साथ बाधा रहित वातावरण प्रदान करता है। वर्तमान में चल रही गतिविधियाँ शारीरिक शिक्षा, हस्तकला, शिल्पकला, नृत्य, संगीत, कम्प्यूटर, गृह प्रबंधान, फोटोग्राफी और प्रकाशन है।

वर्ष 2022-23 में सबसे अधिक सदस्यता 1152 दर्ज की गई। इस वर्ष बड़ी संख्या में बच्चों ने कई गतिविधियों में भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम:

पृथ्वी दिवस

पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पुनर्चक्रण और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 1970 से हर साल पृथ्वी दिवस जवाहर बाल भवन, मांडी में रचतात्मक गतिविधियों के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष के पृथ्वी दिवस का विषय ''हमारे ग्रह में निवेश करें'' था। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए हमारे सदस्य बच्चों ने एक सुंदर कविता लिखी, जिसे बाद में प्रकाशन अनुभाग द्वारा आवाज़ के साथ ई-पोस्टर के रूप में जारी किया गया। अन्य बच्चों ने भी सुन्दर 3-डी कार्ड बनाए जिसमें उन्होंने पृथ्वी की सुंदरता सुनिश्चित करने के लिए यह अपेक्षा की है कि वे पृथ्वी के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझें। आइए हम सब मिलकर इस धरती को एक बेहतर स्थान बनाएं। अन्य बच्चों ने भी धरती माता के संरक्षण की अपेक्षा को समझाने के लिए चित्र बनाएं।

साहित्यिक बैठक

साहित्यिक बैठक (स्पजमतंतल डममज) का प्रथम दिवस जवाहर बाल भवन, मांडी द्वारा आभासी रूप में आयोजित किया गया जिसकी राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक एवं प्रख्यात लेखिका डॉ. मधु पंत ने अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ायी। बैठक का समन्वय प्रकाशन अनुभाग द्वारा किया गया था। विशेषकर छोटे-छोटे सदस्य बच्चों ने अपने-अपने घरों से ऑनलाइन माध्यम से मैडम पंत के मार्गदर्शन में समूह कविता लेखन में उत्साह के साथ भाग लिया। इसका परिणाम यह हुआ कि एक सुन्दर रचनात्मक कविता ''रोटी की दास्तान'' की रचना हुई।

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस का उत्सव

आधुनिक बैलेट के निर्माता द्धजीन-जॉर्जेस नोवरे द्ध1727-1810ऋ के सम्मान में, उनके जन्मदिवस यानी 29 अप्रैल को हर साल अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य नृत्य से हो रहे सामाजिक-सांस्कृतिक विकास के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके माध्यम से लोगों को एक जुट करना है। 2022 का थीम ''डांस फॉर लाइफ'' था। उनके जन्द दिन को यादगार बनाने के लिए नृत्य अनुभाग के बच्चों ने भरतनाट्यम प्रस्तुत किया और चित्रों के माध्यम से कुछ नृत्य की शैलियों और मुद्राओं को भी प्रस्तुत किया।

मातृ-दिवस उत्सव

प्रकाशन अनुभाग के सदस्य बच्चों ने मातृ-दिवस के अवसर पर डिज़िटल और हस्तनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड बनाएं।

रवीन्द्र जयंती उत्सव

रवीन्द्र जयंती, रवीन्द्रनाथ टैगोर के जन्मदिवस के अवसर पर मनाई जाती है। इस वर्ष 9 मई 2022 को गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती मनाई गई। जवाहर बाल भवन के बच्चों ने कक्षा में सीखी गई बातों के आधाार पर अपने घर से ''अमर हीयार मांझे'' गीत पर रवीन्द्र नृत्य के वीडियो को प्रस्तुत किया।

ग्रीष्मोत्सव का उद्घाटन

20 मई 2022 को महामारी के कारण 2 साल के लंबे अंतराल के पश्चात् एक बार फिर जवाहर बाल भवन मांडी में ग्रीष्मोत्सव का आयोजन किया गया। पहले दिन की शुरूआत एक उत्सव के रूप में हुई, जिसमें सदस्य बच्चों ने पारंपरिक नक्कारा और विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम द्धवाद्य संगीत, नृत्य के विभिन्न रूप और जेबीबी

मांडी के कर्मचारियों द्वारा लिखे गए रचनात्मक गीतऋ प्रस्तुत किए। बच्चों ने 2 साल के लंबे अंतराल के बाद अपने घरों में बंद न रहकर सबके साथ मिलकर गर्मियों की छुट्टियों का आनंद उठाया। बच्चों ने प्रतिदिन मिलने वाले अल्पाहार का भी आनंद लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस की अवधारणा 1972 में स्टॉकहोम में ''केवल एक पृथ्वी'' के नारे के साथ 'मानव पर्यावरण सम्मेलन' के बाद प्रकाश में आई। जवाहर बाल भवन मांडी में स्वर्ण जयंती विश्व पर्यावरण दिवस पालकी की अगुवाई में रैली, शपथ ग्रहण, वृक्षारोपण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। बच्चों ने कला एवं शिल्प अनुभाग में जानवरों के मुखौटे बनाएं, नारे लिखें और पारंपरिक पालकी द्धडोलीऋ को सजाया।

जहां सभी बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के नारे लगाते हुए तख्तियां लेकर जानवरों, कीड़ों और फूलों के मुखौटे पहनकर परिसर के चारों ओर मार्च किया, वहीं 13 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों ने सभी कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों की निगरानी में मुख्य द्वार के बाहर रैली निकाली और पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा की अपेक्षा के बारे में लोगों को जागरूक किया। बच्चे पारंपरिक डोली में पौधों को रखकर तख्तियां लेकर ''पृथ्वी बचाओ, पर्यावरण बचाओ'' के नारे लगा रहे थे और पर्यावरण बचाने का संदेश दे रहे थे एवं पर्यावरण/प्रकृति पर आधारित गीत गा रहे थे। सुबह-सुबह यात्रा करने वाले यात्री, बच्चों का, इस उद्देश्य के प्रति समर्पण देखकर आश्चर्यचकित हो रहे थें। बच्चों के उत्साह की कोई सीमा नहीं थी और चिलचिलाती गर्मी भी उनको इस पर्यावरण जागरूकता मिशन से उन्हें नहीं भटका सका। सुबह की रैली के बाद बच्चों ने एक बार फिर प्रकृति माँ के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

तंबाकू निषेध दिवस

इस दिन प्रेसिडेंट इलेक्ट इंडियन डेंटल एसोसिएशन, दक्षिणी दिल्ली और पूर्व छात्र एनबीबी डॉ. चंदर शेखर जोशी द्वारा मौखिक स्वास्थ्य पर बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। डॉ. ऋचा जोशी मेमोरियल फाउंडेशन के सहयोग से पिछले वर्षों की तरह तीन आयु समूहों द्ध8 से 10 वर्ष, 11 से 13 वर्ष और 14 से 16 वर्षऋ में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस को चिह्नित करने के लिए सभी प्रतियोगिता सामग्रियों एवं प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की व्यवस्था फाउंडेशन द्वारा की गई थी। पुरस्कार पूर्व छात्र चंद्र शेखर जोशी और जेबीबी जवाहर बाल भवन मांडी के कर्मचारियों द्वारा प्रदान किए गए।

विश्व संगीत दिवस

'विश्व संगीत दिवस'' के उपलक्ष्य में सदस्य बच्चों ने जवाहर बाल भवन, मांडी में विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों द्वारा प्रस्तुति दी। इसके साथ ही अन्य सदस्य बच्चों ने भी राग दुर्गा पर शास्त्रीय संगीत ''छोटा ख्याल'' प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन जवाहर बाल भवन, मांडी के आर्ट एंड क्राफ्ट अनुभाग के बच्चों ने विभिन्न योगासनों तगड़, सर्वांग, पर्वत, शिरासन को क्ले वर्क के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस दिन को विशेष बनाने के लिए खुले मैदान में सामूहिक योगासनों का प्रदर्शन भी किया गया।

ग्रीष्म उत्सवका समापन समारोह

ग्रीष्म उत्सव का समापन समारोह 23 जून 2022 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर सर्वोदया कन्या विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अमेली डुंगडुंग मुख्य अतिथि रहीं। उनका स्वागत सदस्य बच्चों द्वारा ढोल और नक्कारा बजाकर किया गया। जब वह कला और शिल्प गैलरी की ओर प्रस्थान कर रही थीं तब पारंपरिक संगीत की प्रस्तुति की गई। तद्पश्चात् उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बच्चों ने ऑर्केस्ट्रा, संगीत, स्वागत गीत, बालगीत, शास्त्रीय संगीत सहित समृद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया और देश भक्ति गीत, नृत्य लावणी, फिशर फोक, तेलंगाना नृत्य लंबाडी, राजस्थानी नृत्य, भरतनाट्यम, स्किट सस्वर पाठ, योग और स्केटिंग प्रदर्शन, बेटी बचाओ एवं महिला विषय पर मनमोहक योगासन प्रदर्शित किए। इस अवसर पर सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण पर पोस्टर जारी किया गया।

संपादकीय विभाग

प्रकाशन के लिए अभिविन्यास प्रकाशन अनुभाग द्वारा विषयों पर जानकारीपूर्ण और उपयोगी ऑनलाइन कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जहां प्रकाशन की प्रत्येक श्रेणी या भाग के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई:- पुस्तक प्रकाशन एवं प्रकाशन गृह क्या है?

कैरियर या पेशे के रूप में प्रकाशन। संपादकीय: प्रकाशन गृह में तीन विभाग होते हैं- संपादकीय, उत्पादन और बिक्री एवं वितरण। संपादकीय विभाग को प्रसंस्करण या रचनात्मक विभाग के रूप में भी जाना जाता है और पांडुलिपि प्राप्त करने से लेकर मूल्यांकन, प्रतिलिपि लेखन, संपादन, सुधार आदि सब कुछ इसके द्वारा किया जाता है।

हरितवाहिनी

हरितवाहिनी प्रौद्योगिकी के युग में खेती और वृक्षारोपण की प्रक्रिया के बारे में ज्ञान प्राप्त कर रही है। हमारे बच्चों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि हर बच्चे को केवल सॉफ्ट स्किल या ऑनलाइन गतिविधियों, गेम

आदि का ही अनुभव होता है। हमारे बच्चों को खेती या वृक्षारोपण प्रक्रिया के संपर्क में रखने के लिए हरित वाहिनी अर्थात् बच्चों की ग्रीन फोर्स को पुनर्जीवित किया गया जहाँ बच्चों ने माली की देखरेख में सब्जियों और पौधों की खेती की प्रक्रिया भी सीखी और उसका पालन करने का प्रयास भी किया।

रक्षा-बंधन

(11 अगस्त 2022) रक्षाबंधन हिंदू महाकाव्य महाभारत में पौराणिक कथाओं और इतिहास से संबंधित है। महाभारत में एक बार भगवान कृष्ण ने अपनी उंगली काट ली थी जिससे खून बहने लगा था, यह देखकर द्रौपदी ने खून रोकने के लिए अपनी साड़ी से कपड़े का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया और तबसे कपड़े का टुकड़ा एक पवित्र धागा बन गया। नोबेल पुरस्कार विजेता गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर ने बंगाल के विभाजन (1905) के दौरान एक सामूहिक रक्षा बंधन उत्सव की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने हिंदू और मुस्लिम महिलाओं को दूसरे समुदायों के पुरुषों को राखी बांध कर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रक्षाबंधन की तैयारी त्योहार से पहले ही जवाहर बाल भवन माँडी में शुरू हो गई थी और सदस्य बच्चे जेबीबी माँडी के प्रकाशन अनुभाग में विभिन्न प्रकार की राखियाँ बना रहे थे। जेबीबी मांडी में हर साल रक्षा बंधन घर के बच्चों द्वारा बनाई गई राखियों के साथ ही मनाया जाता है, सदस्य लड़कियों ने पारंपरिक तरीके से सदस्य लड़कों और शिक्षकों को इस पर्व पर राखी बांधी, जो उनके बीच के भाईचारे के बंधन को दर्शाता है।

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पव

भारत में स्वतंत्रता दिवस हर साल 15 अगस्त को पूरे धूम-धाम से मनाया जाता है। जेबीबी मांडी में 76वां स्वतंत्रता दिवस भी बच्चों की कई गतिविधियों के साथ दो दिनों तक पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनांक 12 अगस्त से 13 अगस्त तक आयोजित कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी, संगीत, नृत्य और नाटक जैसे गतिविधियों में सदस्य बच्चों, सदस्य संस्थाओं/एनजीओ ने भाग लिया।

जवाहर बाल भवन मांडी ने 12 अगस्त को प्रश्नोत्तरी और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, सदस्य बच्चे एवं सदस्य स्कूल इस कार्यक्रम के प्रतिभागी और दर्शक थे। प्रतिस्पर्धी दौर म्यूजिकल चेयर के साथ आरभं हुआ। । '76 वें स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और 'आजादी का अमृत महोत्सव' का संदेश देने के लिए स्वतंत्रता संग्राम एवं स्वतंत्रता सेनानियों पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से पहले सदस्य बच्चों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम पर एक पावर प्रस्तुति का प्रदर्शन किया गया जिसे सदस्य बच्चों द्वारा ही बनाया गया था।

दूसरे दिन यानी 13 अगस्त को बच्चों ने 1857 से 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम पर श्री जमील खान, प्रशिक्षक (वाद्य संगीत) द्वारा लिखित एक गीत प्रस्तुत किया। इस दिन सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का एक सामान्य विषय रहा। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित गीत भाग

भाग रे भाग फिरंगी झांसी की रानी है आई और बहुत प्रसिद्ध कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित कविता 'बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी' पर आधारित रचनात्मक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गयी। 'अजीजनबाई' पर सदस्य बच्चों द्वारा थिएटर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।

अजीजनबाई की संक्षिप्त कहानी – जून 1857 में, जब ब्रिटिश सेना ने नाना साहेब, मराठा पेशवा को कानपुर के किले पर घेर लिया था, तो अज़ीज़नबाई ने सैनिकों के लिए अपना घर तक खोल दिया। इस घटना के बाद, सैनिकों ने अपनी युद्ध की रणनीति बनाने के लिए नियमित रूप से उनके स्थान को एक गुप्त अड्डे के रूप में (बैठक के लिए) उपयोग करना शुरू कर दिया। नाना साहेब की सेना में जनरल, तात्या टोपे के निर्देश पर अज़ीज़नबाई ने एक नर्तकी के रूप में ऊंचाई पर स्थित ब्रिटिश सैनिकों के शिविर का दौरा किया लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य विद्रोहियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करना था। उन्होंने, नाना साहेब के लक्ष्य को प्राप्त करने में उनकी मदद करते हुए अपने जीवन की आहुति दे दी।

थिएटर का मंचन श्री शंकर डे, के निर्देशन में किया गया। जो स्वेच्छा से जेबीबी मांडी में सेवा प्रदान करते हैं। इस दिन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। भारतीय स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के अवसर पर झंडा फहराने के बाद सभी स्टाफ सदस्यों और बच्चों ने हाथ में भारत का राष्ट्रीय ध्वज और आजादी का अमृत महोत्सव का बैनर लेकर वंदे मातरम और जय हिंद के नारे लगाते हुए मार्च किया। गृह प्रबंधन अनुभाग द्वारा उत्सव के दौरान बच्चों और कर्मचारियों को 'बर्फी' खिलाई गई।

गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी या विनायक चतुर्थी भारत के लोकप्रिय हिंदू त्योहारों में से एक है, जो हर साल शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। जवाहर बाल भवन मांडी में यह दिनांक 31अगस्त 2022 को ऑनलाइन गतिविधि के माध्यम से मनाई गई। बच्चों ने मिट्टी से भगवान गणेश की मूर्ति बनाना सीखा। बच्चों ने भगवान गणेश पर सुंदर कलाकृतियां बनाई और उसका वीडियो सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म यानी जेबीबी मांडी के फेसबुक एकाउंट पर पोस्ट किया।

शिक्षक दिवस समारोह

भारत के दूसरे राष्ट्रपति महामहिम डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर को मनाया जाता है। वह एक राजनेता, दार्शनिक और विद्वान थे। सदस्य बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाकर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के उद्धरण लिखकर अपनी शुभकामनाएं दीं और अन्य ने कविताएं सुनाई।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के लिए सुन्दर एवं भावप्रधान संदेशों वाले ग्रीटिंग कार्ड ऑनलाइन तैयार किए गए और इन्हें डिजिटल मोड में संकलित किया गया एवं प्रकाशन अनुभाग द्वारा सोशल मीडिया (यानी जेबीबी मांडी के फेसबुक) पर अपलोड किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रकाशन अनुभाग में तैयार एनिमेटेड डिजिटल पुस्तक 'मेरी किताब' (बच्चों की, बच्चों के लिए, बच्चों द्वारा) 'पेंटिंग बनाने की कहानी' का ऑनलाइन विमोचन किया गया। यह पुस्तक प्रकाशन गतिविधि के रूप में

एनबीबी की पूर्व निदेशक डॉ. मधु पंत के साथ हुई ऑनलाइन बैठक का परिणाम था। यह 'पेंटिंग बनाने' की कहानी थी और इस कहानी के पात्र थें पेंसिल, रबर, शार्पनर, कागज और रंग। इसे डिजिटल मोड में बनाया गया था और इसे अपनी आवाज एक सदस्य बच्चे ने दी थी।

नोटपैड बनाने की गतिविधि

बच्चों ने प्रकाशन अनुभाग में सरल चरणों में नोटपैड बनाना सीखा। इसके विभिन्न चरण इस प्रकार थे: - 1) स्क्रैप पेपर इकट्ठा करना, 2) कागज को एक समान आकार में काटना, 3) एक सपाट किनारा बनाने के लिए कागज को एक साथ रखना, 4) कागज के ढेर के किनारे पर पैडिंग कंपाउंड लगाने के लिए एक छोटा सा पेंट ब्रश का उपयोग करना, 5) एक बार सूखने पर, बाइंडर क्लिप को हटा दें। नोटपैड शीर्ष पर एक साथ चिपक जाता है। 6) नोट पैड के प्रत्येक पृष्ठ के निचले कोने को टिकटों से अलंकृत करना, 7) कार्डस्टॉक के एक टुकड़े को 3.11 इंच में काटना, 8) फिर कार्डस्टॉक को 4 इंच और 4.25 इंच पर स्कोर करना, 9) कार्डस्टॉक को चारों ओर पलटना और स्कोर करना 2.25 और 2.5 इंच, 10) कवर के ऊपर एक तह बनाने के लिए कार्डस्टॉक को स्कोर लाइनों पर मोड़ना, 11) कवर के अंदर नोटपैड के पिछले पृष्ठ को चिपकाना, 12) कवर को उनकी पसंद की किसी चीज़ से सजाना।

इन चरणों को सोशल मीडिया (जेबीबी मांडी के फेसबुक अकाउंट) पर भी अपलोड किया गया जिसे देखकर अधिक से अधिक बच्चे नोट पैड बनाना सीख सकें।

हिंदी पखवाड़ा गतिविधि

प्रत्येक वर्ष 'हिंदी पखवाड़े' की विभिन्न गतिविधियाँ एनबीबी और जेबीबी मांडी द्वारा आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष भी 16 से 29 सितंबर 2022 तक कर्मचारियों, सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूलों/संस्थानों/एनजीओ के बच्चों के लिए गतिविधियाँ आयोजित की गई। सदस्य स्कूलों के सदस्य बच्चों ने कविता लेखन, गलत शब्दों को सही करना, सामान्य ज्ञान जैसी गतिविधियों में भाग लिया। पोस्टर निर्माण और नारा लेखन गतिविधियों के बाद बच्चों को जलपान वितरित किया गया। श्री शंकर डे के निर्देशन में सदस्य बच्चों द्वारा नाटक 'नमकीन रानी' को प्रस्तुत किया गया ।

दिनांक 02 दिसंबर 2022 को निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा हिंदी पखवाड़ा के समय आयोजित प्रतियोगिताओं की विभिन्न श्रेणियों में जवाहर बाल भवन मांडी के बच्चों और कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गऐ। बच्चों को सामान्य ज्ञान की सभी विधाओं में पुरस्कार मिले जैसे- वाक्यों को सुधारना, कविता लेखन, पोस्टर बनाना और नारा लिखना आदि। इसी प्रकार स्टॉफ सदस्यों ने भी विभिन्न श्रेणियों में बाजी मारी। पुरस्कार समारोह में गर्व का क्षण तब था जब सदस्य बच्ची अंशिका ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' विषय पर कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता और उसका पठन किया।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस एक शांतिपूर्ण और टिकाऊ दुनिया के निर्माण के लिए वैश्विक एकजुटता की शक्ति का जश्न मनाता है। जवाहर बाल भवन के प्रकाशन अनुभाग ने इस दिन को मनाने के लिए एक बहुत ही रचनात्मक ऑनलाइन गतिविधि आयोजित की जिसमें सदस्य बच्चों ने सुंदर पेंटिंग और पोस्टर बनाएं।

दिवाली उत्सव

दीपों की रोशनी और सुन्दर रंगोली के साथ जवाहर बाल भवन मांडी में इस रोशनी के त्यौहार दिवाली को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। प्रकाशन अनुभाग में बच्चों द्वारा सुन्दर दीपक सजाए गए और परिसर के चारों ओर रोशनी की गई। जेबीबी मांडी के प्रवेश द्वार से लेकर सब जगह बच्चों द्वारा पारंपरिक सजावट की गई। बच्चों ने कुछ मनोरंजक खेलों का भी आनंद लिया।

संविधान दिवस

दिनांक 26, नवंबर 2022 को जेबीबी मांडी में संविधान दिवस मनाया गया। इस दिन बच्चों और कर्मचारियों ने मिलकर शपथ ली और संविधान के मूल सिद्धांतों पर चर्चा की, जैसेकि संविधान सभा, उसके सदस्य, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाना और यह 26 जनवरी 1950 को कैसे लागू हुआ, जब भारत एक संप्रभु समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया, इन विषयों पर चर्चा की गई। बच्चों के साथ मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों और नीति निर्देशक सिद्धांतों पर भी चर्चा की गई। प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित रचनात्मक गीत और कविता लेखन प्रतियोगिता में पिछले वर्ष एक सदस्य बच्चे ने भारत के संविधान पर स्वरचित कविता प्रस्तुत की थी, जिसके लिए उसे प्रथम तीन में से एक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रचनात्मकता मेला

26 नवंबर को सार्वभौमिक बाल दिवस मनाया गया। ढेर सारी मनोरंजक गतिविधियों के साथ 'बच्चों की रचनात्मकता' मेले का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स मीट के साथ कई अन्य स्पर्धाओं का भी आयोजन किया गया। जैसे म्यूजिकल चेयर, दौड़ आदि। प्रकाशन अनुभाग, गृह प्रबंधन और फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गई। फिर वाद्य संगीत और नृत्य का प्रतिस्पर्धा दौर आरंभ हुआ। तत्पश्चात श्री शंकर डे के नेतृत्व में नाटक 'उड़ान' को प्रस्तुत किया गया। इस संदर्भ में यह प्रशंसनीय है कि श्री शंकर डे ने स्वेच्छा से बच्चों के साथ काम किया और थिएटर की कक्षाओं में उनके द्वारा ली गई कक्षाओं के आधार पर इस नाटक को प्रस्तुत किया गया। 'उड़ान' का नैतिक उद्देश्य स्कूली जीवन में मूल्यों को विकसित करना और वास्तविक रूप से एक शिक्षार्थी बनना है। इसके बाद बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया और कविता पाठ किया।

"महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" पर महिला पखवाड़ा कार्यक्रम

इस अंतर्राष्ट्रीय पर दिवस को बच्चों और कर्मचारियों ने काव्य लेखन व पाठ और गीत प्रस्तुत कर इस दिवस के संदेश का प्रचार- प्रसार किया।

घर-घर समानता और भेदभाव ना करने का संदेश पहुँचाने के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित की गई। बच्चों और कर्मचारियों ने निबंध और कविताएँ लिखीं, पोस्टर बनाऐ और उन महिलाओं के बारे में पढ़ा और लिखा जिन्होंने विभिन्न प्रतिकूलताओं से लड़कर नाम कमाया। पखवाड़े के दौरान बच्चों के साथ नियमित चर्चा होती थी कि कैसे भेदभाव समाप्त होना चाहिए और हममें से प्रत्येक को जब भी हमारे आसपास ऐसा होता दिखे तो इसके खिलाफ आवाज उठाकर इस मिशन में एक सैनिक के रूप में कार्य करना चाहिए। इस पखवाड़े का समापन 10 दिसंबर को बच्चों द्वारा रचित कविता पाठ और अहिंसा के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए विशेष रूप से लिखे गए नारे लगाने के साथ हुआ।

क्रिसमस समारोह

जेबीबी मांडी में क्रिसमस की पूर्व संध्या (24 दिसंबर) सहित क्रिसमस (25 दिसंबर) को भी मनाया गया। बच्चों ने उत्सव की तैयारी में पूरा दिन बिताया। बच्चों ने पारंपरिक सजावट की और उन्हें प्रदर्शित किया। दो दिनों की अवधि में बच्चों ने सीखा कि क्रिसमस क्यों मनाया जाता है साथ ही पारंपरिक कैरोल और यीशु मसीह के जीवन के बारे में उन्होंने जाना। 28 दिसंबर को क्रिसमस पारंपरिक सजावटों, यानी- क्रिसमस ट्री, क्रिसमस के आभूषण जैसे- घंटी, कैंडी, बेंत, माला आदि के साथ मनाया गया। बच्चों से त्यौहार के बारे में प्रश्न भी पूछे गए। केरोल्स बजाए गए और सभी बच्चे और स्टाफ मिलकर केरोल्स गाने में शामिल हुए। बच्चों ने क्रिसमस केक काटकर आनंद उठाया।

आमोद दिवस

नए साल की शुरुआत, मनोरंजक गतिविधियों और खेलों के साथ आमोद दिवस के रूप में मनाई गई।

लोहड़ी उत्सव

जवाहर बाल भवन माण्डी में पारंपरिक नृत्य-संगीत और पवित्र अग्नि की परिक्रमा के साथ लोहड़ी उत्सव मनाया गया। उत्सव के साथ-साथ बच्चों को लोहड़ी का महत्व और भारत के विभिन्न हिस्सों में इसे मकर-संक्रांति, खिचड़ी और ओणम जैसे विभिन्न नामों से कैसे मनाया जाता है, इसके बारे में बताया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह

बाल भवन मांडी में बच्चों और स्टॉफ कर्मचारियों द्वारा ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण से पहले एनसीसी कैडेट्स, जेबीबी मांडी के पूर्व सदस्यों और स्टॉफ सदस्यों ने अपने राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ तक पैदल मार्च किया गया और पूरी श्रद्धा से सलामी दी। परिसर को रंगोली, तिरंगे गुब्बारों और अन्य सजावटी उपकरणों से सजाया गया था। प्रकाशन अनुभाग के बच्चों और पूर्व सदस्यों ने बाल भवन की गतिविधियों को दर्शाते हुए गणतंत्र दिवस की झांकी का प्रतीकात्मक मॉडल बनाया।

मांडी दिवस

जवाहर बाल भवन मांडी में 51वां मांडी दिवस मनाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम 28 जनवरी को शुरु हुआ और 3 फरवरी 2023 को एक सांस्कृतिक उत्सव के साथ इसका समापन हुआ।

संस्थापना दिवस

3 फरवरी (स्थापना दिवस) की तैयारी के दौरान सदस्य बच्चों, पूर्व सदस्य स्वयंसेवकों के चेहरों पर उत्साह साफ झलक रहा था। पहले दिन 28 जनवरी को स्वयंसेवकों और पूर्व सदस्यों के लिए विशेष दृश्य कला गतिविधि का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों से कहा गया कि वे जो भी प्रस्तुत करना चाहते हैं, उसे बनाएं या चित्रित करें। चूंकि लाइव पेंटिंग दृश्य प्रदर्शन कला का एक रूप है, जहां कलाकार सभी छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों के सम्मुख रहते हुए एक कलाकृति को पूरा करते हैं। इसमें भावपूर्ण भागीदारी की अपेक्षा होती है और वे सब, छात्र के रूप में जो सीखते हैं, उसे दर्शाते हैं।

दूसरे दिन (31 जनवरी को) सदस्य बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया तीसरे दिन (1 फरवरी को) सदस्य बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, झांसी की रानी, दुर्गा भाभी, समाज सुधारक सावित्रीबाई फूले , इंदिरा गांधी आदि जैसी प्रसिद्ध हस्तियों की वेशभूषा धारण की, जबकि अन्य जादूगर, नर्तक, हरियाणवी , बंगाली, घरेलू लड़की बनीं। कुछ ने तो जानवरों की तरह भी कपड़े पहने। यह एक मज़ेदार गतिविधि थी जहां बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के माध्यम से उनके चरित्र को प्रस्तुत किया।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के बाद सांस्कृतिक प्रतियोगिता (एकल नृत्य, वाद्य संगीत, नृत्य में केवल लोक और शास्त्रीय नृत्य की अनुमति थी) का आयोजन किया गया। नृत्य प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने भारत के विभिन्न राज्यों के नृत्य प्रस्तुत किये। बच्चों ने विभिन्न संगीत वाद्ययंत्र भी बजाएं।

1 फरवरी को वरिष्ठ बच्चों ने लाइनों प्रिंट मेकिंग कार्यशाला में भाग लिया, कार्यशाला का उद्देश्य लाइनों प्रिंटमेकिंग की मूल बातें सीखना था और कुछ बुनियादी सामग्रियों का उपयोग करके सरल लाइनों प्रिंट सिखाना था। प्रिंट के माध्यम से चित्रों की पुनः प्रस्तुति सरल माध्यम है, लाइनो प्रिंटमेकिंग रिलीफ मुद्रण की एक विधि है, जिसमें एक नरम लिनोलियम ब्लॉक में एक ड्राइंग को तराशना, उसके ऊपर स्याही की एक पतली परत को रोल करना और छवि को स्थानांतरित करने के लिए शीर्ष पर कागज को दबाना शामिल है। जिन क्षेत्रों में नक्काशी की जाती है वे अक्सर काफी सुंदर परिणाम उत्पन्न करते हैं। लिनो प्रिंट कठोर रेखाओं, रंग के सपाट क्षेत्रों और कागज एवं

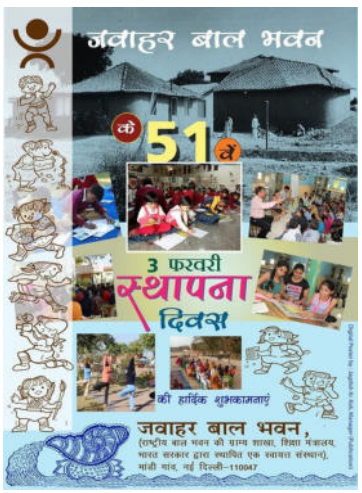

स्याही के बीच उच्च कंट्रास्ट के साथ बोल्ड दिखते हैं। इस माध्यम में छपाई काफी तीव्र गति से होती है, इसलिए आसानी से कई प्रतियां बनाई जा सकती हैं। साथ ही यह नकारात्मक और सकारात्मक स्थान के बारे में जानने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

यह था जवाहर बाल भवन मांडी के छात्रों के लिए एक नया माध्यम जिसका उन्होंने भरपूर आनंद उठाया। कुछ बच्चों ने लकड़ियों पर अलग अलग प्रकार की नक्काशी भी कियें।

तीसरे दिन (2 फरवरी को) प्रकाशन अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए एक विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया। थंब पेंटिंग की तकनीक का उपयोग करके ग्रीटिंग कार्ड और बुक मार्क बनाना सिखाया गया और बच्चे स्वयं ऐसा करते हुए मंत्रमुग्ध हो गए थें साथ ही बच्चों ने पेपर क्राफ्ट भी सीखा। दिन में बच्चों के लिए खेल संबंधि त कार्यक्रम भी आयोजित किये गएं।

दिनांक 3 फरवरी को मांडी दिवस एक उत्सव के रूप में मनाया गया। यह जवाहर बाल भवन मांडी का 51वां वर्ष था। दिन की शुरुआत कठपुतली शो के साथ हुई और उसके बाद सांस्कृतिक उत्सव हुआ। कठपुतली शो का संचालन पारंपरिक कठपुतली कलाकार अजीत भट्ट द्वारा ही किया गया। पारंपरिक एवं आधुनिक कठपुतलियों के पपेट शो का बच्चों ने खूब आनंद उठाया। इसके बाद बच्चों ने दोपहर के पौष्टिक भोजन का आनंद लिया।

51वें मांडी दिवस समारोह का भव्य समापन / भव्य सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया गया। सर्वोदय कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल सुश्री एमिल डुंगडुंग ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और बच्चों द्वारा तैयार कलाकृतियों से सजी (प्रदर्शनी) आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एक डिजिटल पोस्टर लगाया गया एवं 'गुप-चुप मांडी टाइम्स' का विमोचन भी किया गया। अतिथियों के लिए एक विशेष यात्रा कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

दो माध्यमों के सम्मिश्रण से कला गतिविधि

अपनी कल्पना और विचारों के आधार पर छात्रों को अलग-अलग चरित्र वाली दो वस्तुओं (एक जीव और एक निजी व) को मिलाकर, एक कलाकृति बनाने के लिए कहा गया। इसे बनाते समय यह ध्यान रखना आवश्यक था कि दोनों के आकार एक-दूसरे के अनुरुप हो। यह एक बहुत ही दिलचस्प प्रायोगिक गतिविधि रही, जिसका बच्चों ने खूब आनन्द लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

जेबीबी मांडी के कंप्यूटर विज्ञान अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के विकास और महत्व के संबंध में अपने विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए सदस्य बच्चों के लिए वाद-विवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वाद-विवाद सत्र में लगभग 20-25 बच्चों ने भाग लिया।

होली

रंगों के त्यौहार होली को बच्चों और स्टॉफ ने पारंपरिक तरीके से मनाया। इस अवसर पर सुंदर रंगोली बनाई गई और फूलों की पंखुड़ियों से होली मनाई गई। तिलक लगाने के लिए हर्बल गुलाल का उपयोग किया गया। कला और शिल्प अनुभाग ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी और हंसी-ठट्टा के साथ सजावटें की। बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों में अपनी परंपरा को

दर्शाया गया जिसमें भगवान श्री कृष्ण और राधा को होली खेलते हुए दिखाया गया और दूसरी ओर बच्चों द्वारा पसंद किए जाने वाले कार्टून पात्रों को भी होली का आनंद लेते हुए दिखाया गया। उत्सव के अंतर्गत बच्चों ने खुले मंच पर जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। होली उत्सव से संबंधित 'रंग अबीर गुलाल उड़ा के आई होली आई रे' गीत पर एक लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य के अंत में नर्तकों ने एक दूसरे पर फूलों की पंखुड़ियों को डालते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं दी।

कला और शिल्प में लिनो प्रिंट, वुडकट प्रिंटमेकिंग और जीवन अध्ययन:

जेबीबी मांडी में 21 मार्च से कला और शिल्प अनुभाग द्वारा आयोजित लिनो प्रिंट और जीवन अध्ययन में लगभग 20-25 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस गतिविधि के दौरान बच्चों ने लिनो के माध्यम स्केल मुद्रण व्यवस्था एवं थोक मुद्रण तकनीक के सिद्धांतों को तत्परता से सीखा। बच्चों ने इस गतिविधि का भरपूर आनंद उठाया। अतरू इसे और अधिक जानने की इच्छा व्यक्त की। विशेष रूप से लीनो शीट पर नक्काशी कर अपनी कल्पनाओं को शीट पर अभिव्यक्त करना और फिर कागज पर नक्काशीदार शीट की छाप ने उन्हें उत्साहित और खुश कर दिया। इसके बाद उसी लिनो शीट का उपयोग करके उन्होंने रंगीन लिनो प्रिंट बनाया। बड़े बच्चों ने वुडकट प्रिंट बनाने का प्रयास किया और परिणाम उत्कृष्ट रहा। बच्चों ने भी जीवन में कला के महत्व को समझा और कई प्रकार के वस्तु, फल आदि का अध्ययन कर सुन्दर चित्र बनाने के प्रयास कियें।

कला और शिल्प में उद्भृति मूर्तिकला

जेबीबी मांडी का एकमात्र कला अनुभाग होने के नाते, अनुभाग ने मूर्तिकला की सीमा के भीतर मिट्टी की एक दिलचस्प गतिविधि का आयोजन किया। इस गतिविधि में बच्चे जो हमेशा मिट्टी के साथ खेलना पसंद करते हैं, उनकी भावनाओं और कल्पनाओं को देखने के लिए उन्हें मिट्टी से कुछ भी बनाने की अनुमति दी गई। अंत में प्रशिक्षक ने उदाहरण के रूप में बच्चों को उद्भृति मूर्तिकला बनाने के बुनियादी सिद्धांत और अवधारणाओं को सिखाया।

उपलब्धियाँ

31 मार्च 2022 को मुक्तधारा ऑडिटोरियम, गोल मार्केट, नई दिल्ली -110001 में आयोजित '14 नटसम्राट थिएटर अवार्ड' में जमील खान, प्रशिक्षक (वाद्य संगीत), जेबीबी मांडी को 11 अलग-अलग नाटकों में 'सर्वश्रेष्ठ बैक-स्टेज संगीत पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

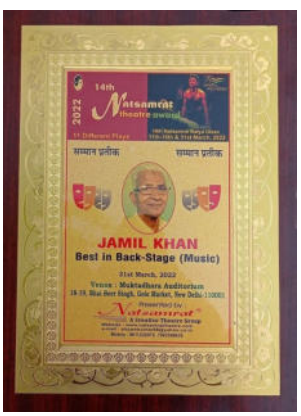

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	10
पश्चिमी दिल्ली	10
उत्तरी दिल्ली	9
पूर्वी दिल्ली	11
कुल	**40**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (10)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017
6. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
   मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफॅ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली-110022

9. सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर-4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली-110062

10. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली-110024

पश्चिमी दिल्ली (10)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली-110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली-110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली-110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क-2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली-110033

7 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली-110064

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली-33

9 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

10 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

उत्तरी दिल्ली (9)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी-7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली-110035

2 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110081

3 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई-ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली-110041

4 गर्वमेंट को-एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर-2, रोहिणी, दिल्ली -110085

5 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

6 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-7, नाहर पुर, दिल्ली-110085

7 नगर निगम उत्कृष्ट विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली-110052

9 सरस्वती शिशु मंदिर
ढिचाउ रोड, समीप बस स्टैण्ड
नजफगढ़, दिल्ली-110043

पूर्वी दिल्ली (11)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली-110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी-ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली-110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली-110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट-सी, मयूर विहार,
फेस-2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली-110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी-ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली-110094

6 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

7 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप,
ढक्का गाँव, दिल्ली-110009

8 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई-ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली-110051

9 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

10 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

11 एम.सी.डी. प्राईमरी स्कूल
नत्थू सिंह कालोनी, शाहदरा-110093

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

1. बाल भवन, अमरेली

माह अप्रैल से अगस्त, 2022 द्वितीय कोरोना लहर।

सितम्बर, 2022 – वन चेतना केन्द्र, वन विभाग का दौरा। पेपर मैशी कार्यशाला। "हम सब नन्हें वैज्ञानिक" ड्रामा। राखी बनाने की कार्यशाला, वॉल पेंटिंग कार्यशाला, मास सिंगिंग कार्यक्रम, हिंदी पढ़ने की गतिविधि। ग्रामीण क्षेत्र से अंधविश्वास दूर करने का कार्यक्रम। पानी के पक्षियों की प्रदर्शनी।

अक्तूबर, 2022 – स्नेक शो, गाँधी वंदना कार्यक्रम, गाँधी डोकूमेंट्री शो, दौरा – पिरोटन आइस्लैंड, पवागढ़, कच्छ, टारनेटर मेला, बॉनसाई गार्डेन, गाँधी बैज, स्टेप वैल, दुनिया के प्रसिद्ध जादूगर के. लाल द्वारा बाल भवन अमरेली का दौरा।

नवम्बर, 2022 – होशिका पोस्टर प्रदर्शनी, अस्ट्रोनोमी वीक, कठपुतली कार्यशाला और शो। रूरल चिल्ड्रन द्वारा बाल भवन अमरेली का दौरा। बोर्ड सदस्य द्वारा पौधा रोपण बाल भवन अमरेली मैदान। कला प्रदर्शन। कम लागत वाली विज्ञान कार्यशाला और प्रदर्शनी, वॉल पेंटिंग गतिविधि, बच्चों द्वारा गिा जंगल और नदी का दौरा, टाई एण्ड डाई गतिविधि, प्राकृति पार्क का ग्रुप द्वारा दौरा।

दिसम्बर, 2022 – योगा कार्यक्रम, कहानी लेखन गतिविधि, कविता लेखन गतिविधि, वैदिक गणित कार्यक्रम, पत्तों से विभिन्न जानवरों का आकार बनाने की कार्यशाला, समारोह क्रिस्मस त्यौहार सैंटाकलॉज के साथ, ऊर्जा प्रदर्शन कार्यक्रम, फ्री नृत्य कार्यक्रम।

जनवरी, 2023 – प्रवासी पक्षी प्रजातियों पर अध्ययन गतिविधि, कम लागत वाली विज्ञान कार्यशाला, सूर्य पर एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी, एक विज्ञान प्रश्नोत्तरी, गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम, 4 दिवसीय विज्ञान मेला।

फरवरी, 2023 – फ्रेशको आर्ट कार्यशाला, शास्त्रीय तबला वादन कार्यशाला, संगीत शिविर – लोक और हवेली। सकारात्मक रहने और ऊर्जा शिविर पर कार्यक्रम। संग्रहालय में गाँधी गैलरी का बच्चों द्वारा दौरा। विज्ञान पर साप्ताहिक कार्यक्रम।

मार्च, 2023 – पैंसिल शेडिंग कार्यशाला, क्ले मॉडलिंग कार्यशाला, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, शास्त्रीय तबला वादन कार्यक्रम, कला विज्ञान कार्यशाला, वैदिक ऑस्ट्रोलॉजी कार्यशाला, पर्यावरण पोस्टर गतिविधि, विज्ञान नाटक, बाल कवि गोष्ठी। क्लॉथ पेंटिंग गतिविधि, भक्ति संगीत कार्यक्रम, तितली पर पर्यावरण गतिविधि, आकाश दर्शन और खगोल प्रश्नोत्तरी, परीक्षा को कैसे आसान बना सकते हैं पर गतिविधि।

2 संभागिय बाल भवन, सागर

माह अप्रैल से दिसम्बर, 2023 तक बच्चों को निम्न गतिविधियाँ कराई गई।

चित्रकला, हस्तकला, मेहंदी, रंगोली, सिलाई, कढ़ाई, पेंटिंग, बुनाई, गृह विज्ञान, क्रोशिया, क्ले वर्क, मोती वर्क, प्रतियोगिता, गायन-वादन, ढोलक, हारमोनियम आदि इन गतिविधियों में 23 बालक और 36 बालिकाओं ने भाग लिया।

3. भारती बाल केन्द्र, मथुरा

वैज्ञानिक कार्यकला, पर्यावरण गतिविधियाँ, साहित्यिक कार्यकलाप, सृजनात्मक कला, प्रदर्शन कला, शारीरिक गतिविधि, होम मैनेजमेंट गतिविधि, मोबाइल लाइब्रेरी का संचालन, सदस्य बच्चों के लिए पुस्तकालय सेवा, बालश्री सम्मान कार्यक्रम।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती, गुड फ्राईडे, गंगा दशहरा, गुरू पूर्णिमा, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती, शास्त्री जयंती, गणेश चतुर्थी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, राधाष्टमी, अध्यापक दिवस, शरद पूर्णिमा, दीपावली, गुरूनानक जयंती, भ्रष्टाचार न करने हेतु शपथ आदि पर्व मनाए गए।

सदस्य बच्चों के लिए शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम जिसमें 150 बच्चों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, राजस्थान आदि पौराणिक स्थलों की सैर कराई गई।

4. बाल भवन बोर्ड, दमन

ग्रीष्मकालीन शिविर, 8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस, शतरंज ओलंपियाड, नारीयली पूर्णिमा, हर घर तिरंगा रैली, छात्राओं को साइकिल का वितरण कार्यक्रम, गाँधी जयंती, राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकता शिविर-2022, फ्रीडम राइडर बाइकर रैलियां, कानूनी विषय पर कार्यशाला। श्री पुरूषोत्तम रूपाला, माननीय मत्स्य पालन, पशुपालन मंत्री का दौरा।

5. गरवारे बाल भवन, औरंगाबाद

अप्रैल, 2022 - दिनाँक 6 अप्रैल, 2022 से विशेष ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 650 बच्चों ने भाग लिया। दिनाँक 8 अप्रैल, 2022 को गरवारे कम्युनिटी सेंटर की छावनी शाखा का उद्घाटन समारोह कार्यक्रम। शास्त्रीय नृत्य - भरतनाट्यम की व्यावहारिक परीक्षा की गई। 14 अप्रैल, 2022 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर सदस्य बच्चों एवं अध्यापकों ने जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। एसपीओक्यूसीएस औरंगाबाद डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन के साथ संयुक्त रूप से पहली जिला एससीओक्यूसीएस मार्शल आर्ट चैंपियनशिप। बच्चों के लिए शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन। पेपर बैग बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनाँक 24 से 28 अप्रैल, 2022 चार दिवसीय मार्शल आर्ट शिविर का आयोजन। नारियों के लिए 30 अप्रैल, 2022 को एक दिवसीय कम्प्यूटर बेसिक फण्डामेंटल कार्यशाला का आयोजन। स्टेट लेबल कराटे प्रतियोगिता के विजेता बच्चों के लिए अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन।

मई, 2022 - दिनाँक 8 मई, 2022 को राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनाँक 19 मई, 2022 को योगा शिविर कार्यक्रम और मेकअप कार्यशाला का आयोजन। 21 मई, 2022 को कराटे बेल्ट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 24 मई, 2022 को ग्रीष्म क्रिकेट कैम्प का आयोजन किया गया। 25 मई, 2022 को प्रयाग संगीत समिति का अभ्यास पेपर का आयोजन किया गया। 26 मई, 2022 को विशेष ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान पुरस्कार सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाँक 28 मई, 2022 को स्वतंत्रता

सेनानी वीर सावरकर जन्म दिवस के अवसर पर सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित कार्यक्रम और अभिरूची कक्षाएं आयोजित कीं। दिनाँक 30 मई, 2022 को 29वाँ वार्षिक ड्राविंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 31 मई, 2022 को योग प्रदर्शन और नो टोबाको डे कार्यक्रम का आयोजन।

जून, 2022 - दिनाँक 1 जून, 2022 को यल्लखब शास्त्रीय नृत्य, अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 2 जून, 2022 को फन फेयर कार्यक्रम और लोक कला कार्यक्रम तथा 29वाँ गरवारे कम्यूनिटी सेंटर वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन। दिनाँक 3 जून, 2022 को विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर साईकिल रैली कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 5 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन। दिनाँक 19 जून, 2022 को विश्व योगा दिवस के अवसर पर योगा प्रतियोगिता प्रदर्शन कराया गया एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसी दिन कराटे बेल्ट परीक्षा का आयोजन भी हुआ। दिनाँक 4 से 9 जून, 2022 को ग्रीष्मकालीन शिविर प्रशिक्षण का समर्थन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 6 जून, 2022 को चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। दिनाँक 20-21 जून, 2022 को विश्व योग दिवस के अवसर पर दो दिवसीय योगा प्रोटोकॉल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 23 जून, 2022 को राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जुलाई, 2022 - दिनाँक 1 जुलाई, 2022 को शास्त्रीय संगीत-भरतनाट्यम कक्षा का आयोजन जिसमें 20 बच्चों ने भाग लिया। दिनाँक 2 जुलाई, 2022 को कराटे बेल्ट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 7 जुलाई, 2022 को पेपर बैग बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनाँक 21 जुलाई से 20 सितम्बर, 2022 को ट्रेनिंग कैम्प का आयोजन किया। दिनाँक 26 जुलाई, 2022 को कार्गिल विजय दिवस के अवसर पर शौर्य गाथा स्पीच का आयोजन किया। दिनाँक 31 जुलाई, 2022 को राज्य स्तर पर शतरंज चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

अगस्त, 2022 - दिनाँक 1 अगस्त, 2022 को लोकमान्य तिलक की वार्षिक गाँठ के अवसर पर भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 2 अगस्त, 2022 को विंग चुग राज्य स्तरीय पुरस्कार सम्मान योजना कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 5 अगस्त, 2022 को विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्तनपान जागरूकता शिविर का आयोजन किया। दिनाँक 6 अगस्त, 2022 को राखी बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 9 अगस्त, 2022 को क्रांति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गान कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 10 अगस्त, 2022 को राखी बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 12 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 14 अगस्त, 2022 को राखी बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 15 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 16 अगस्त, 2022 को विंग चुंग चैम्पियनशिप कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 18 अगस्त, 2022 को मोबाईल साईस लैब प्रोजेक्ट बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 19 अगस्त, 2022 को दही हाण्डी और रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 20, 23 और 24 अगस्त, 2022 को गणपति मूर्ति बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 25 से 26 अगस्त, 2022 को राज्य स्तरीय योगासना प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 27 अगस्त, 2022 को पर्यावरण के अनुकूल कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 31 अगस्त से 9 सितम्बर, 2022 को गणेश समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सितम्बर, 2022 - दिनाँक 1से 30 सितम्बर, 2022 को विंग चुग मार्शल आर्ट कैम्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 6 से 8 सितम्बर, 2022 को सदस्य बच्चों के लिए फन गेम कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 9 सितम्बर, 2022 को विर्सजन रैली का आयोजन किया गया। दिनाँक 13 और 14 सितम्बर, 2022 को मोबाईल सांईस लैब प्रोजेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 14 सितम्बर, 2022 को प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 17 और 18 सितम्बर, 2022 को राज्य स्तरीय चैस चयन प्रतियोगिता कार्यक्रम

का आयोजन किया। दिनाँक 25 सितम्बर, 2022 को राज्य स्तरीय करांटे चैम्पियनशिप कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 28 सितम्बर, 2022 को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 28 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2022 को नवरात्रि डाण्डिया कार्यक्रम का आयोजन किया।

अक्तूबर, 2022 - दिनाँक 2 अक्तूबर, 2022 को रंगोली कार्यशाला और स्वच्छता गतिविधि व पुरस्कार सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 4 अक्तूबर, 2022 को कराटे परीक्षा पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 11 अक्तूबर, 2022 को मोबाईल साईंस लैब प्रोजेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाँक 12 अक्तूबर, 2022 को दीप डेकोरेशन आकाश कादिल कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 14 अक्तूबर, 2022 को दीवा डेकोरेशन आकाश कादिल कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 18 अक्तूबर, 2022 को दीवा डेकोरेशन आकाश कादिल कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 20 अक्तूबर, 2022 को दीवा डेकोरेशन आकाश कादिल कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 21 अक्तूबर, 2022 को दीवा डेकोरेशन आकाश कादिल कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 20 से 22 अक्तूबर, 2022 को फोर्ट बनाने की प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 21 से 24 अक्तूबर, 2022 को दिवाली त्यौहार के अवसर पर फोर्ट बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। दिनाँक 27 से 30 अक्तूबर, 2022 को विंग चुग मार्शल आर्ट शिविर आयोजन।

नवम्बर, 2022 - दिनाँक 6 नवम्बर, 2022 को रंगोली कार्यशाला और स्वच्छता गतिविधि का आयोजन किया। दिनाँक 12 नवम्बर, 2022 को बाल रंग महोत्सव का आयोजन किया। दिनाँक 14 नवम्बर, 2022 को दिल्ली के राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर 4 बच्चों और 2 अध्यापकों की सहभागिता। दिनाँक 14 से 17 नवम्बर, 2022 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ता प्रतियोगिता कार्यक्रम। दिनाँक 19 नवम्बर, 2022 को कहानी सुनाने की कार्यशाला का आयोजन किया एवं दिनाँक 20 नवम्बर, 2022 को विंग चुंग मार्शन आर्ट ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया। दिनाँक 21 नवम्बर, 2022 को बाल दिन प्रतियोगिता पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 26 नवम्बर, 2022 को योगा प्रतियोगिता और शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि एवं संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 28 नवम्बर, 2022 को पक्षी और प्रकृति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनाँक 29 नवम्बर, 2022 को मोबाईल विज्ञान लैब प्रोजेक्ट बनाने की कार्यशाला एवं मार्शल आर्ट मास्टर ब्रूसली जन्म दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया।

दिसम्बर, 2022 - दिनाँक 5 दिसम्बर, 2022 को विकलांग बच्चों के लिए मजेदार खेल का आयोजन किया। दिनाँक 8 दिसम्बर, 2022 को सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग का आयोजन किया। दिनाँक 11 दिसम्बर, 2022 को चैस प्रतियोगिता का आयोजन किया एवं दिनाँक 20 दिसम्बर, 2022 को स्वच्छता पर गतिविधि का आयोजन किया। दिनाँक 28 दिसम्बर, 2022 को जीसीसी वालुज की 18वीं वर्षगाँठ का आयोजन किया। दिनाँक 30 से 31 दिसम्बर, 2022 को बच्चों का त्यौहार कार्यक्रम का आयोजन किया।

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   प्लॉट नं. 624P, 627P, सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020(ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   फोन नं. 06727-220729 ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
   फोन नं. 09777444489/90, 9777445444 ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 7005018575 ई-मेल : balbhavan.manipur@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, 3205777, ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा-लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन नं. 9835327133, 06542-27766 ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिजोरम

10. बाल भवन
मिजोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं. वाई/ए-46, द्वारा सामाजिक अधिकारिता विभाग,
आईज़ोल-796007 (मिजोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : zdthangi@gmail.com, avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661211, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

13. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
फोन नं.: 9973658416, 0749886640, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) फोन नं.: 09422716215 ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 09421525926 ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : sps@garwarepoly.com, gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, परांजजे स्कूल, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन, बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, दयपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 9960836186 ई-मेल : raigarh@jspl.com

गुजरात

23. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन नं. 02871-236390, 0942613689, 08980000157 ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात) फोन नं.: 079-23210477, 9909011297
ई-मेल : janpandya@yahoo.com, shilpimage@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851 ई-मेल : jeetsolanki_12@yahoo.in

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात) फोन नं.: 02792-222118, 09377914333 ई-मेल : balbhavanamereli@gmail.com

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196 ई-मेल : nadiad@sardarpatelbalbhavan.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंक्षर वाड़ी मंदिर वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन नं.: 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com, partactivities.balbhavan@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

37. बाल भवन जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन नं. 07464-220281, 221999 ई-मेल : pvms525@gmail.com, vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़-160023
फोन : 0172-2704573/2721858, 9779357180 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 9811285244 ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
फोन नं.: 01666-222602 ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, अम्बाला
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, हिसार रोड़, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
फोन नं. : 0171-2556751 ई-मेल : dcwcambala@gmail.com

48. बाल भवन, भिवानी
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)
फोन नं. : 01664-242426, 9416096715 ई-मेल : dewobhiwani@gmail.com

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान-ए-कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर-193201, फोन नं. 09419039827, 01954-223507
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन-176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,
ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन गड़वाल
जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 9666853335 ई-मेल : bodashankarmridangist@gmail.com

58. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

59. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

60. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

61. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436

62. चाचा बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
फोन नं. : 08680-276622 ई-मेल : balupalabindala@gmail.com

64. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 9246640024, 9866300171 ई-मेल : vcsp.balbhavan@yahoo.com

65. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
(आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

66. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. 9848627158, 0861.2325659, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

67. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) ई-मेल : dbbtpt@gmail.com, subbu.chinnakotla@gmail.com

68. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

69. जिला बाल भवन
म.नं. 10-2-105/1, आई.एम.ए. बिल्डिंग के सामने, ममिलागुडम, खम्मम-507002 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं.: 08742-247000, 9866934173

कर्नाटक

70. बाल भवन सोसाइटी
कब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार,
बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, 9448804127
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

71. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-25581238/37 ई-मेल : manjularaman@gmail.com

72. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 ई-मेल : manjuk821@gmail.com

73. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, 9611967170 ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

74. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228 ई-मेल : rpssagara@gmail.com

75. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

76. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 0821-2495486, 09060300196, 9448914794 ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

77. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2332909 ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन : 0474-2746536, 2748769, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

79. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन : 0477-2260622, 2264254

80. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन : 0471-2316477 ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

81. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन : 0472-2872344, 9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@gmail.com

82. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन : 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

83. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

84. जवाहर बाल भवन
कला और संस्कृति विभाग
तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई -600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
विज़डम मैट्रिकुलेशन स्कूल, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

88. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल, #65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु)
फोन : 04172-235899 मो. 9994291129, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

89. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन : 9786298609, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक, सामने पोस्ट-सेलम-630016(तमिलनाडु)
फोन : 0427-2443594, 2330021, 9443109337 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

91. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे, नामक्कल-637001 (तमिलनाडु) फोन : 0427-2442197 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

92. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-11, (तमिलनाडु), फोन : 9443532934 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

93. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन : 0431-2423122, 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन : 9443153122 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

96. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर, मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु)
फोन : 04362-30121 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

97. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन : 9629036923 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु) ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन : 0452-22661795, 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

100. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन : 9597726333 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

101. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन : 9789000657 ई-मेल : artandculture@tngovt.in

102. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन : 0462-2553890 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

103. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन : 9487048658 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

104. जवाहर बाल भवन
एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9842649466

संघशासित क्षेत्र

105. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन : 0413-2225751, 2207206, 2207201 ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

106. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0512-2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

107. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-2467078, ई-मेल : jbballdjnmf@gmail.com

108. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

109. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05314-62329, 62047, 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

110. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05414-236762, 536539, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

111. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

112. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0120-2805846, 9717385288 ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

113. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05922-259665, 9410071882 ई-मेल : ngvs2008@gmail.com

114. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 09411431912 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

115. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

116. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 9425121695 ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

117. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन : 0731-2566331 ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

118. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश)
फोन : 9479756905 ई-मेल : balbhavanjbp@gmail.com

119. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07582-230221, 09425096898 ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

120. जवाहर बाल भवन
1250-।। स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

121. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) फोन : 9753589295 ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

122. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) फोन : 9893008817 ई-मेल : commwcd@nic.in

123. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07662-254379, 9425889970 ई-मेल : balbhavan@gmail.com

124. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवारा-480559 मध्य प्रदेश
फोन : 9926715553, 9424679654 ई-मेल : nyus_chw@rediffmail.com

छत्तीसगढ़

125. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन : 07762-227001, 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

126. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9329438428 ई-मेल : vineet@jindalpower.com

127. जवाहर बाल भवन एनटीपीसी
पोस्ट उज्जवल नगर, सिपत, बिलासपुर-495555 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9425281080 ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. आदिवासी बाल केन्द्र
   पूर्व माध्यमिक विद्यालय, संयुक्ता नगर, बावरे, पोस्ट भिक्खीचारू, जिला-गाजियाबाद-401209(उत्तर प्रदेश),
   फोन नं.: फोन नं.: 0981932221, 07523945652, 09919322221,
   ई-मेल : shashankmohan.rai@gmail.com

4. उन्नायन बाल केन्द्र
   मेजा रोड, इलाहाबाद-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
   9415266619, 9918974324, ई-मेल : balkendramejaroad@gmail.com

5. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
   गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एक्सलव्या नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 09450321867, 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

6. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
   धौलखर, कोराउन, इलाहाबाद-212306(उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

8. बाजलता बाल केन्द्र
   तहसील - सम्भा, जिला - जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

9. रंगपुर बाल केन्द्र
   मुलानियां, तहसील-आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

10. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
    द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर

11. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर। ई-मेल : saniistevel@gmail.com

12. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस - बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

13. (भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति)
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड,
अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टोउन, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9821108156,
ई-मेल: arundhati801@yaho0o.co.in, prarambhakalaacademy@gmail.com

31.03.2023 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती दीपा आनन्द, उपसचिव, शिक्षा मंत्रालय
   (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ. 15.07.2020 से 12.07.2022)

   श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक, शिक्षा मंत्रालय
   (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ. दिनाँक 13.7.2020 से)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)

ग्रुप ग

4. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
5. श्री अकबर अली मलिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
6. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
7. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
8. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
9. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन) **(दिनांक 14.03.2023 को निधन)**
10. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
11. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
12. श्री चन्द्रमणि, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
13. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
14. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
15. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
16. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
17. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
18. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
19. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
20. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
21. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
22. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
23. श्री चमन लाल, उ.श्रे. लिपिक
24. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे. लिपिक
25. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक

26. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक
27. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
28. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
29. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक
30. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
31. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
32. सुश्री अमृता साव, हिन्दी अनुवादक
33. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
34. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन
35. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
36. श्री बृज कुमार, चालक
37. श्री प्रदीप भट्ट, चालक
38. श्री आर.के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक
39. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन छात्रावास
40. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक **(अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)**
41. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक
42. सुश्री निधी सरयाल, कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

एम.टी.एस.

43. श्री राम सिंह साही
44. श्री रमेश कुमार **(सेवानिवृत्त 30.04.2022)**
45. श्री सुरेन्द्र सिंह
46. श्री साहब सिंह मीना
47. श्री जय राम
48. श्री रमेश प्रसाद यादव **(सेवानिवृत्त 31.01.2023)**
49. श्रीमती गीता साही
50. श्री जगदीश चन्द्र
51. श्री मुन्ना लाल
52. श्री जसवंत सिंह सैनी
53. श्री कैलाश चन्द **(सेवानिवृत्त 30.06.2022)**
54. श्री गोविंद सिंह बिष्ट
55. श्री नेत्र सिंह बिष्ट
56. श्री राम दीन
57. श्री राम विनोद सिंह
58. श्री तारकेश्वर गोंड
59. श्री मोहन सिंह सैनी
60. श्री लायक सिंह
61. श्री राम दुलारे
62. श्री महादेव
63. श्री मोहन लाल
64. श्री धनपाल सिंह
65. श्री जय चंद
66. श्री हरेन्दर सिंह
67. श्री दुर्गा प्रसाद
68. श्री महिन्द्र सिंह
69. श्री उमेश कुमार
70. श्री बिशन स्वरूप
    (स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त 14.05.2022)
71. श्री होरी लाल
72. श्री नितिन
73. श्रीमती अनुराधा
74. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा
2022-23

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

संदर्भ : एससीसीओ / 2022–23 / एनबीबी / 01 13 जून, 2023

सेवा में,

श्री मुकेश गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन),
राष्ट्रीय बाल भवन,
कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

विषय : राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड के 31.03.2023 वर्ष समाप्ति के लिए लेखा कार्य एवं वित्तीय विवरण तैयार करना।

महोदय / महोदया,

आपके पत्र संख्या 6(16)NBB/Accts/CA/2021-22/715, दिनांक : 06.09.2022 उपरोक्त विषय 'लेखांकन कार्यभार' के संबंध में यह सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा उक्त कार्यभार (असाइनमेंट) को लेखा विभाग के स्पष्टीकरण के अनुसार पूरा कर लिया गया है और संबंधित वर्ग और अनुसूची के साथ तुलनपत्र, आय और व्यय, प्राप्तियां तथा भुगतान खाता को तैयार किया गया है और इसे उचित कार्रवाई के लिए साझा किया जाता है।

इसके अतिरिक्त इसकी पुष्टि की जाती है कि उपर्युक्त उल्लिखित खाता लेखा बहियों के अनुरूप है।

आशा है कि उपरोक्त आपको विवरण क्रमानुसार प्राप्त हो गया है।

हम आपको अपनी सर्वोत्तम सेवा हेतु आश्वासन देते हैं।

भवदीय
कृते सिंह चाबड़ा एण्ड कं.
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट,

SINGH CHHABRA & CO. New Delhi Chartered Accountants

सीए. हरीश कुमार छाबड़ा
पार्टनर

Delhi Office: 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi 110092. • Tel: +91(11) 43632550
Dehradun Office : 1, Turner Road, Clement Town, Dehradun 248002
Email: mail@scco.co.in Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2023 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2022-23	2021-22
समग्र/पूंजी निधि	1	(88,93,94,095)	(97,03,36,301)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	-	2,50,835
ऋण देयता		-	-
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	1,08,68,43,815	1,14,58,63,016
कुल		**19,74,49,720**	**17,57,77,550**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	**4/4क**	**7,69,34,658**	**6,86,04,580**
मूर्त परिसंपत्तियां		7,68,78,623	6,85,90,797
अमूर्त परिसंपत्तियां		56,035	13,783
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	**5**	-	-
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	**6**	1,78,86,869	1,71,50,725
वर्तमान परिसंपत्तियां	**7**	6,25,70,422	4,62,14,653
ऋण/अग्रिम एवं जमा	**8**	4,00,57,771	4,38,07,592
कुल		**19,74,49,720**	**17,57,77,550**

सहायक लेखा अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2022-23	2021-22
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	59,51,060	3,16,680
अनुदान/सब्सिडी	10	18,31,46,928	19,39,24,452
निवेश से आय	11	8,17,938	7,77,204
अर्जित ब्याज	12	4,90,360	4,59,895
अन्य आय	13	25,49,707	4,34,013
गत अवधि की आय	14	36,380	2,56,329
कुल (क)		**19,29,92,373**	**19,61,68,573**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	9,47,96,106	12,35,56,296
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	(2,25,36,087)	12,72,60,849
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	-	-
शैक्षिक व्यय	16	72,81,077	17,06,221
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	3,13,72,678	2,70,54,710
परिवहन व्यय	18	-	-
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	36,05,408	19,91,113
वित्त लागत	20	30,370	13,194
मूल्य ह्रास	4/4क	54,51,286	46,54,075
अन्य व्यय	21	4,98,726	19,511
गत अवधि के व्यय	22	15,40,828	1,89,15,808
कुल (ख)		**12,20,40,392**	**30,51,71,777**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		**7,09,51,981**	**10,90,03,204**

सहायक लेखा अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2022-23	2021-22
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)		–
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	4,52,19,673	5,28,31,704
II. प्राप्त अनुदान - भारत सरकार द्वारा		
क) शिक्षा मंत्रालय द्वारा		
- पूंजीगत व्यय के लिए	1,00,00,000	34,22,000
- राजस्व व्यय के लिए	19,51,50,000	19,69,44,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	61,67,366	–
पूर्व अवधि की आय	36,380	
IV. विविध देनदार	–	–
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	–	–
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	–	–
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	–	–
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	–	–
ग. बचत बैंक खाते पर	12,85,086	13,46,530
VIII. अन्य आय	6,82,551	8,87,948
IX. विगत अवधि आय		–
X. अन्य प्राप्तियां - देय		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी ई आई)	–	–
आंतरिक प्राप्ति लेखा	–	–
आयकर की वापसी	5,64,803	36,380
टीडीएस पर ब्याज	8,074	
मुख्य से राशि	111	
जी.पी.एफ से राशि	–	–
XI. चालू देयताएं		
प्रतिभूति जमा	1,100	21,452
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	–	–
आपूर्तिकर्ताओ/लेनदारों से भुगतान	2,00,000	–
XII. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम की वसूली	–	–
बीएसईएस से प्राप्त राशि	21,315	–
ओबीए चालू खाता	25,340	–
ध्रुव नियमित गतिविधि	–	4,10,203
कुल	**25,93,61,799**	**25,59,00,217**

अदायगियां	2022-23	2021-22
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	1,37,58,491	1,60,02,170
ख. वेतन एवं भत्ते	6,87,32,135	10,07,89,930
ग. सेवानिवृत्ति लाभ	5,29,84,886	3,84,48,378
घ. शैक्षिक व्यय	72,54,277	17,06,221
ड. प्रशासनिक व्यय	2,92,19,277	2,33,13,884
च. परिवहन व्यय	–	–
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	36,05,408	18,09,563
ज. पूर्व अवधि के व्यय	38,991	
झ. अन्य व्यय	1,65,481	13,194
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	–	–
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	59,12,591	43,99,655
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	3,540	14,478
शुल्क एवं कर	2,50,100	2,06,000
देय सामान्य व्यय	33,40,523	61,33,162
देय वेतन व्यय	50,06,784	48,42,074
V. अन्य भुगतान		
अन्य आय	–	–
एमएचआरडी को ब्याज	7,66,844	–
जीपीएफ को देय राशि	10,84,355	–
आई आर को देय राशि	1,50,827	
मुख्य को देय राशि	–	–
एफ डी आर की नवीकरण	–	–
VI. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम	22,86,193	21,97,776
कार्य निष्पादन गारण्टी	–	–
प्रतिभूति जमा	2,50,000	–
आयकर विभाग के पास जमा राशि	–	–
पूर्वदत व्यय	–	8,04,259
VII. पूंजीगत व्यय हेतु अग्रिम	41,79,123	99,99,791
VIII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	6,03,71,973	4,52,19,682
कुल	**25,93,61,799**	**25,59,00,217**

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
वर्ष के आरंभ में पूंजीगत निधि शेष :	22,05,85,614	20,62,23,048
जोडें : वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 में आवर्ती व्यय में गलती से ली गई राशि का प्रारंभिक शेष में समायोजन	–	84,461
वर्ष का समायोजित आरंभिक खाता शेष	22,05,85,614	20,63,07,509
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में अंशदान	–	–
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	1,00,00,000	1,43,62,566
जोड़ें : वर्ष के दौरान अनुदान के अलावा क्रय की गई परिसंपत्तियां	91,714	–
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	–	–
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	–	–
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	–	
जोड़ें : निश्चित निधियों से परिसंपत्तियां	–	
घटायें : पुस्तकालय की पुस्तकें बट्टे खाते में डालना	(9,774)	
वर्ष के अंत में पूंजीगत निधि शेष : (क)	**23,06,67,554**	**22,06,70,075**
वर्ष के आरंभ में राजस्व निधि शेष :	**(1,19,09,21,916)**	**(1,08,19,18,712)**
घटायें : लेखापरीक्षा के आपत्ति के अनुसार समायोजन		(84,461)
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	7,08,60,267	–
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा		10,90,03,204
वर्ष के अंत में राजस्व निधि शेष : (ख)	**(1,12,00,61,649)**	**(1,19,10,06,377)**
कुल क + ख	**(88,93,94,095)**	**(97,03,36,301)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैंक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	2,50,835	–
(रुपये 10,000/- का दान विविध रसीद अनुसूची-13 में जोड़ा गया है।)-	–	
(महिला एवं बाल विकास के रुपये 2,40,835/- की निधि को वर्तमान देनदारियों अनुसूची सं. 3 के अंतर्गत लिया गया है।)	–	–
कुल (क)	–	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क – ख)	–	2,50,835
प्रस्तुत की गई	–	–
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	–	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	–	–
2. विद्यार्थियों से जमा	–	–
3. विविध लेनदार	65,19,319	67,93,496
क. आर.ओ. से	–	–
ख. अन्य	55,00,384	55,25,661
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	10,18,935	12,67,835
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	**14,24,536**	**14,04,013**
क. अतिदेय	–	–
ख. अन्य	14,24,536	14,04,013
6. अन्य वर्तमान देयताएं	**3,91,08,426**	**2,61,50,147**
क. वेतन	38,05,809	38,57,255
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	–	–
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	–	–
घ. अप्रयुक्त अनुदान	2,81,03,496	1,61,00,424
ड. अग्रिम अनुदान	–	–
च. अन्य निधियां	–	–
छ. अन्य देयताएं	71,99,122	61,92,468
ज. एनबीबी मेन को देय राशि	–	–
कुल (क)	**4,70,52,281**	**3,43,47,656**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	–	–
2. उपदान	5,85,42,154	6,06,97,755
3. अधिवर्षिता पेंशन	94,70,60,559	1,00,66,19,886
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	3,41,88,821	4,41,97,719
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	–	–
6. व्यय हेतु प्रावधान	–	–
कुल (ख)	**1,03,97,91,534**	**1,11,15,15,360**
कुल (क + ख)	**1,08,68,43,815**	**1,14,58,63,016**

अनुसूची-4 – मूल्यह्रास की सूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	**01.04.22 की स्थिति**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**कटौती**	**31.03.23 की स्थिति**	**31.03.22 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**31.03.23 को संचित ह्रास**	**31.03.23 की स्थिति**	**31.03.22 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	8,90,72,176	–	–	8,90,72,176	5,37,47,905	17,81,444	–	5,55,29,349	3,35,42,827	3,53,24,271
ट्यूबवैल	9,99,702	66,782	–	10,66,484	5,58,151	21,331	–	5,79,482	4,87,002	4,41,551
विद्युतीय संस्थापन	2,35,78,727	94,50,447	–	3,30,29,174	1,26,07,633	14,22,270	–	1,40,29,903	1,89,99,271	1,09,71,094
संयंत्र एवं मशीनरी	7,53,943	4,64,943	–	12,18,886	4,88,420	40,687	–	5,29,107	6,89,779	2,65,523
वैज्ञानिक उपकरण	12,58,912	–	–	12,58,912	11,33,616	16,366	–	11,49,982	1,08,930	1,25,296
कार्यालय उपकरण	66,82,976	2,65,155	–	69,48,131	37,07,966	3,57,465	–	40,65,431	28,82,700	29,75,010
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	70,93,479	6,58,786	–	77,52,265	56,23,522	3,21,795	–	59,45,316	18,06,949	14,69,957
वाहन	2,77,643	–	–	2,77,643	2,75,541	350	–	2,75,891	1,752	2,102
पुस्तकें	10,92,323	–	9,774	10,82,549	10,08,048	9,394	–	10,17,442	65,107	84,275
फर्नीचर और फिक्सचर	1,70,94,694	7,13,732	–	1,78,08,426	1,55,50,634	2,14,744	–	1,57,65,378	20,43,048	15,44,060
कम्प्यूटर	1,09,28,448	4,22,510	–	1,13,50,958	96,03,116	4,60,957	–	1,00,64,073	12,86,885	13,25,332
विविध	86,84,842	53,030	–	87,37,872	81,16,458	1,22,601	–	82,39,059	4,98,813	5,68,384
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	11,68,747	7,395	–	11,76,142	11,68,747	7,395	–	11,76,142	–	–
कुल	**16,86,86,611**	**1,21,02,780**	**9,774**	**18,07,79,617**	**11,35,89,755**	**47,76,799**	**–**	**11,83,66,554**	**6,24,13,065**	**5,50,96,856**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	1,31,25,225	–	–	1,31,25,225	17,43,144	2,62,505	–	20,05,649	1,11,19,577	1,13,82,082
विद्युतीय उपकरण	17,72,204	–	–	17,72,204	4,29,000	87,335	–	5,16,335	12,55,869	13,43,204
ट्यूबबेल	2,64,833	–	–	2,64,833	1,07,845	5,297	–	1,13,142	1,51,691	1,56,988
संयंत्र एवं मशीनरी	1,48,837	–	–	1,48,837	87,126	3,711	–	90,837	58,000	61,711
कार्यालयी उपकरण	1,31,189	–	–	1,31,189	79,893	6,156	–	86,049	45,140	51,296
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	1,64,846	15,50,660	–	17,15,506	1,64,843	1,16,300	–	2,81,143	14,34,363	3
फर्नीचर एवं फिक्सचर	6,05,938	–	–	6,05,938	3,11,302	35,365	–	3,46,667	2,59,270	2,94,635
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309	–	–	2,309	2,308	–	–	2,308	2	2
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128	–	–	1,128	1,127	–	–	1,127	1	1
कम्प्यूटर	4,83,575	8,450	–	4,92,025	2,90,145	98,405	–	3,88,550	1,03,475	1,93,430
विविध	25,552	30,298	–	55,850	14,965	2,714	–	17,679	38,171	10,587
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	26,488	12,369	–	38,857	26,488	12,369	–	38,857	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**1,67,52,124**	**16,01,777**	**–**	**1,83,53,901**	**32,58,186**	**6,30,157**	**–**	**38,88,343**	**1,44,65,558**	**1,34,93,942**

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**01.04.2022 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**वर्ष के दौरान बिक्री**	**31.03.2023 को निवल ब्लॉक**	**31.03.2022 तक ह्रास**	**वर्ष 2022-23 के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**कुल ह्रास 31.03.2023 तक**	**31.03.2023 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2022 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	2,92,512	86,583	–	3,79,095	2,78,729	44,331	–	3,23,060	56,035	13,783
कुल	**18,57,31,247**	**1,37,91,140**	**9,774**	**19,95,12,613**	**11,71,26,671**	**54,51,286**	**–**	**12,25,77,957**	**7,69,34,658**	**6,86,04,580**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	1,78,86,869	1,71,50,725
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	**1,78,86,869**	**1,71,50,725**

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड़. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,71,575**	**3,71,575**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,71,575	3,71,575
ख. अन्य	–	–
3. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**17,25,103**	**3,68,353**
उपार्जित ब्याज	–	–
बैण्ड प्रतियोगिता एवं परीक्षा पे चर्चा	16,14,010	31,064
परीक्षा पे चर्चा	–	2,26,196
ध्रुव	1,11,093	1,11,093
4. टी.डी.एस.	**1,01,771**	**2,55,052**
शुल्क और कर	1	–
टी.डी.एस. परिसंपत्तियाँ	1,01,770	2,55,052
5. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**6,03,71,973**	**4,52,19,673**
बचत खातों में	6,03,71,973	4,52,19,673
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर मुख्यालय के साथ	–	–
बचत खातों पर क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट मुख्यालय पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा मुख्यालय पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट मुख्यालय पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों के साथ		
बचत खातों पर मुख्यालय के साथ	–	–
बचत खातों पर क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ	–	–
कुल	**6,25,70,422**	**4,62,14,653**

31.03.2023 तक के बैंक शेष का ब्यौरा

राशि रुपयों म

क्र.स.	रा.बा.भ. का बैंक खाता	राशि
क.	मुख्य खाता	
	1. रा.बा.भ. का मुख्य खाता	2,80,94,728.00
	2. जम्मू और कश्मीर बैंक खाता	8,759.00
	कुल	**2,81,03,487.00**
ख.	रा.बा.भ. का एम.एम.जे.ई. खाता	51,76,393.00
ग.	रा.बा.भ. का आई.आर. खाता	2,70,92,093.00
	कुल योग	**6,03,71,973.00**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)		
क. विविध अग्रिम	–	–
ख. त्यौहार	–	–
ग. चिकित्सा अग्रिम	–	–
घ. अग्रदाय अग्रिम	–	–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	–	–
च. एल.टी.सी. अग्रिम	–	–
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**12,740**	**23,992**
क. वाहन ऋण	–	–
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	12,740	23,992
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**3,99,98,056**	**4,29,32,366**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	3,11,54,941	3,48,54,367
ख. आपूर्तिकर्ताओं को	–	–
i डी.टी.सी. को अग्रिम	–	–
ii राज्यों को सहायता	39,76,263	39,76,263
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	21,315	17,052
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	–	–
ग. अन्य पक्ष	–	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	48,43,762	40,82,909
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	–	–
च. अन्य	1,775	1,775
छ. रा.बा.भ. के मुख्य/आई आर से प्राप्य/देय राशि	–	–
4. पूर्वदत्त व्यय	**–**	**8,04,259**
क. बीमा	–	–
ख. अन्य व्यय	–	8,04,259
5. जमा	**46,975**	**46,975**
क. टेलीफोन	–	–
ख. लीज़/किराया	–	–
ग. बिजली	20,175	20,175
घ. अन्य (जमा)	26,800	26,800
कुल	**4,00,57,771**	**4,38,07,592**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
विद्यार्थियों से शुल्क		
शैक्षिक		
1. संबद्धता शुल्क	73,500.00	73,000.00
2. प्रवेश शुल्क	–	–
3. नामांकन शुल्क	–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क	–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क	–	–
7. पंजीकरण शुल्क	–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क	–	–
कुल (क)	**73,500.00**	**73,000.00**
परीक्षाएं		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क	–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	–	–
कुल (ख)	**–**	**–**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क	–	–
3. चिकित्सा शुल्क	–	–
4. परिवहन शुल्क	–	–
5. छात्रावास शुल्क	57,76,920.00	2,41,800.00
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क	–	–
7. बीबीके प्राप्तियां	52,640.00	–
कुल (ग)	**58,29,560.00**	**2,41,800.00**
प्रकाशनों की बिक्री		
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री	–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री	–	1,080.00
3. अन्य	–	–
कुल (घ)	**–**	**1,080.00**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां		
1. सेमिनार, कार्यशालाएँ और कार्यक्रम	48,000.00	–
2. सदस्यता शुल्क	–	800.00
कुल (ड़)	**48,000.00**	**800.00**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ड़)	**59,51,060**	**3,16,680.00**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	पूंजी	वेतन	सामान्य	एनईआर सामान्य	एनईआर पूंजी	2022-23	2021-22
पिछले वर्ष का शेष (31.03.2022 की स्थिति के अनुसार अव्ययित शेष)	–	63,88,046		7,362	12,50,000	1,61,00,424	2,40,21,442
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	1,00,00,000	8,01,12,000	11,50,38,000	–	–	20,51,50,000	20,03,66,000
कुल	**1,00,00,000**	**8,65,00,046**	**12,34,93,016**	**7,362**	**12,50,000**	**22,12,50,424**	22,43,87,442
घटायें : शिक्षा मंत्रालय को वापसी	–	–	–	–	–		–
शेष	**1,00,00,000**	**8,65,00,046**	**12,34,93,016**	**7,362**	**12,50,000**	**22,12,50,424**	22,43,87,442
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल	1,00,00,000	–	–	–		1,00,00,000	1,43,62,566
शेष	–	8,65,00,046	12,34,93,016	**7,362**	**12,50,000**	21,12,50,424	21,00,24,876
घटायें : राजस्व व्यय के लिए खर्च किया गया।	–	7,66,59,364	10,64,87,564	–		18,31,46,928	19,39,24,452
31.03.2023 की स्थिति के अनुसार अव्ययित शेष	–	**98,40,682**	**1,70,00,452**	**7,362**	**12,50,000**	**2,81,03,496**	**1,61,00,424**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र		
2. सावधि जमा पर ब्याज		-
क. केनरा बैंक में सावधि जमा पर ब्याज	8,17,938	7,77,204
ख. आई.सी.आई.सी.आई. - सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	-	
ग. आई.सी.आई.सी.आई. - प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज		
घ. आई.सी.आई.सी.आई. - प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज		
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज		
च. आई.सी.आई.सी.आई. - एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज		
छ. केनरा बैंक-आंतरिक रसीद में सावधि जमा पर ब्याज		
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)		
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज		
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज		
5. अन्य (सी.पी.एफ.)		
कुल	**8,17,938**	**7,77,204**
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि		
शेष	**8,17,938**	**7,77,204**

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
क. केनरा बैंक	4,60,223	4,36,452
ख. एम.एस.जे.ई.	–	–
2.		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	748	2,128
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	21,315	21,315
ख. देनदारों से प्राप्त ब्याज		–
ग. टी.डी.एस. पर प्राप्त ब्याज	8,074	–
कुल		**4,59,895**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. स्थल बुकिंग रसीद	2,46,500	–
2. लाईसेंस शुल्क	68,740	73400
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	–	–
4. वसूले गये बिजली बिल	–	
5. वसूला गया जल शुल्क	–	
6. छात्रावास के लिए प्राप्त किया गया शुल्क	–	–
कुल : क	**3,15,240**	**73,400**
कुल : ख	**–**	**–**
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं – शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल : ग	–	**–**
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	120	2,910
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	44,300	–
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	–	50
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	–	–
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	–	–
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	
8. अन्य	12,16,836	40,316
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. CGHS कर्मचारी	2,14,450	2,27,900
12. CGHS पेंशनर्स	3,71,600	–
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	32,681	89,437
14. सामान्य वसूली	–	–
15. सदस्यता शुल्क	3,54,480	–
कुल : घ	**22,34,467**	**3,60,613**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**25,49,707**	**4,34,013**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	36,380	2,56,329
कुल	**36,380**	**2,56,329**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. वेतन एवं मजदूरी	5,45,72,835	5,62,76,871
ख. भत्ते एवं बोनस	2,59,88,953	6,23,29,675
ग. एल.टी.सी. सुविधा	3,77,500	51,646
उप-जोड़	**8,09,39,288**	**11,86,58,192**
घ. भविष्य निधि में योगदान	–	–
ड़. एनपीएस में योगदान	39,79,299	20,54,225
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	–
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	(2,25,36,087)	12,72,60,849
ज. चिकित्सा सुविधा	45,65,851	27,05,458
झ. संतान शिक्षा भत्ता	14,85,000	–
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	–
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी बकाया	37,97,147	–
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	29,521	1,38,421
उप-जोड़	**(86,79,269)**	**13,21,58,953**
जोड़	**7,22,60,019**	**25,08,17,145**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2023)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष	1,00,66,19,886	6,06,97,755	4,41,97,719	1,11,15,15,360
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	4,06,73,840	53,35,249	31,78,650	**4,91,87,739**
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण	–	–	–	–
ग. शेष उपलब्ध	**96,59,46,046**	**5,53,62,506**	**4,10,19,069**	**1,06,23,27,621**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2023 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	94,70,60,559	5,85,42,154	3,41,88,821	**1,03,97,91,534**
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	**-1,88,85,487**	**31,79,648**	**-68,30,248**	**2,25,36,087**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	67,40,623	13,17,653
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	–	–
ङ. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	5,220	–
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	5,35,234	3,88,568
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	–	–
कुल	**72,81,077**	**17,06,221**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	65,54,122	46,00,719
ख. जल शुल्क	2,06,151	4,14,930
ग. बीमा		–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)		20,84,401
ख. संचार		–
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	15,342	5,178
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	3,58,783	3,11,534
ग. अन्य		–
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	6,83,436	3,76,588
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	82,113	49,086
झ. हॉस्टल मेस शुल्क	16,63,051	18,636
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	3,31,600	71,640
ट. व्यवसायिक प्रभार	4,69,090	10,05,590
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	26,700	2,66,274
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	15,648	6,745
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार		–
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय		–
त. अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय		–
थ. स्थानांतरण टी.ए./डी.ए. व्यय		–
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय		–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	6,58,014	2,09,853
न. बागवानी व्यय		–
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	2,83,171	9,037
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	1,99,71,756	1,76,15,978
ब. कार्यालयी व्यय		–
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय		–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय		–
य. मिनी ट्रेन चलाने से संबंधित खर्चे	53,701	8,521
र. बा.भ.के. व्यय		–
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय		–
कुल	**3,13,72,678**	**2,70,54,710**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)	–	–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	–	–
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
ग. बीमा व्यय	–	–
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. भवन	10,43,061	12,47,690
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	2,23,034	–
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	–
घ. कार्यालय उपकरण	1,78,918	1,52,787
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	–	–
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	79,726	9,440
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	2,76,770	38,794
ज. उपकरण	–	–
झ. बागवानी	1,16,468	84,550
ञ. बिजली का सामान	9,18,307	3,66,462
ट. अन्य (मरम्मत)	6,10,887	91,390
ठ. मिनी ट्रेन	1,58,237	
कुल	**36,05,408**	**19,91,113**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. बैंक शुल्क	30,370	12,654
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	540
कुल	**30,370**	**13,194**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. आयकर का भुगतान	4,98,726	19,511
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि		–
कुल	**4,98,726**	**19,511**

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2022-23	2021-22
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	–
3. प्रशासनिक व्यय	–	–
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	15,40,828	1,89,15,808
कुल	**15,40,828**	**1,89,15,808**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2023 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2022-23	2021-22	परिसंपत्तियां	2022-23	2021-22
पूंजीगत लेखा			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	5,15,64,448	5,55,26,238
प्रारंभिक शेष	(43,70,938)	(24,96,381)	सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
व्यय पर आय की अधिकता	(19,75,763)	(18,74,557)	जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
अंतिम शेष	**(63,46,701)**	**(43,70,938)**			
सामान्य भविष्य निधि					
01.04.2022 को आरंभिक शेष	6,43,80,830	6,64,13,069	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	23,632	–
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	92,26,000	98,94,800			
जोड़ें : ब्याज	43,94,601	42,26,458	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	1,28,86,270	1,61,53,497	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**6,51,15,161**	**6,43,80,830**	बैंक खाते	64,72,323	27,04,067
			टी.डी.एस.	4,78,268	11,39,828
			मुख्य से वसूली योग्य राशि	–	4,09,970
कुल अग्रेनीत	**5,87,68,460**	**6,00,09,892**	**कुल**	**5,87,68,460**	**6,00,09,892**

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2022-23	2021-22	आय	2022-23	2021-22
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	44,85,644	45,16,212	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	23,98,342	25,57,041
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज		-	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	99,047	84,686
बैंक प्रभार	333	72	टीडीएस वापसी पर ब्याज	12,825	-
			विविध वसूली		-
व्यय पर आय की अधिकता		-	आय पर व्यय की अधिकता	19,75,763	18,74,557
कुल	**44,85,977**	**45,16,284**	**कुल**	**44,85,977**	**45,16,284**

सहायक लेखा अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	अदायगियां	2022-23	2021-22
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	27,04,067	31,12,061	जी.पी.एफ. से आहरण	1,28,86,270	1,61,53497
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	92,26,000	98,94,800	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	91,043	2,89,754
			बैंक प्रभार	333	72
प्राप्त ब्याज			**निवेश**		
बचत खाते पर ब्याज	99,047	84,686			
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	1,66,918	1,53,339	केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	–	–
टीडीएस वापसी पर ब्याज	12,825	–			
विविध वसूली	–	–			
परिपक्व एफ.डी.आर.					
केनरा बैंक	61,69,582	59,02,504			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
मुख्य से वसूली योग्य राशि	4,09,970		बैंक	64,72,323	27,04,067
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी	6,61,560	–			
कुल	**1,94,49,969**	**1,91,47,390**	**कुल**	**1,94,49,969**	**1,91,47,390**

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2023 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2022-23	2021-22	परिसंपत्तियां	2022-23	2021-22
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,67,741.00	1,62,964.00	बैंक में शेष	1,72,659.00	1,67,741.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	4,918.00	4,777.00			
अंत: शेष	**1,72,659.00**	**1,67,741.00**			
कुल	**1,72,659.00**	**1,67,741.00**		**1,72,659.00**	**1,67,741.00**

राजेश-चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2022-23	2021-22	आय	2022-23	2021-22
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	–	–	केनरा बैंक से	4,918.00	4,777.00
एन.एस.डी.एल.	–	–			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	–
			नियोक्ता से	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	**4,918.00**	4,777.00			
कुल	**4,918.00**	**4,777.00**	**कुल**	**4,918.00**	**4,777.00**

सहायक लेखा अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	अदायगियां	2022-23	2021-22
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,67,741	1,62,964			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	18,25,934	16,31,488	कर्मचारियों का अंशदान	18,25,934	16,31,488
नियोक्ता का अंशदान	39,62,298	19,76,364	नियोक्ता का अंशदान	39,62,298	19,76,364
			बैंक प्रभार	-	-
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	4,918	4,777			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,72,659	1,67,741
कुल	**59,60,891**	**37,75,593**	**कुल**	**59,60,891**	**37,75,593**

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।
2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।
3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 39.76 लाख रुपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2023 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।
4. 31.03.2023 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 311.85 लाख रुपये की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 348.54 लाख रुपये थी)।
5. चालू वर्ष में 36,380/- रुपये की पूर्व अवधि आय और 15.41 लाख रुपये की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है।
6. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2023 तक ब्याज सहित 51.76 लाख रुपये (पिछले वर्ष 50.29 लाख रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है। एमएसजेई को देय राशि (ब्याज सहित) के संबंध में खाते में प्रावधान है।
7. 8,759 रुपये की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू और कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।
8. 3,71,575/- रुपये के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।
9. वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शिक्षा मंत्रालय को देय ब्याज के लिए प्रावधान किया गया है।
10. रुपये 10,000/- की अक्षयनिधि को वर्ष के दौरान (अनुसूची सं. 13) के अन्तर्गत दान आय में लिया गया है।
11. महिला एवं बाल विकास निधि रु 2,40,835/- जिसे पिछले वर्ष अक्षयनिधि के रूप में दर्शाया गया था, को वर्ष के दौरान वर्तमान देनदारियों (अनुसूची सं. 3) के अंतगर्त लिया गया है।
12. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।
13. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।
14. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुन: समूहन किया गया है।
15. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

सहायक लेखा अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2022-23

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit, (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi -110 002

सत्यमेव जयते

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2022-23/ दिनाँक: 06.09.2022

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
शिक्षा मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2021-22 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदया/महोदय,

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करती हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2021-22 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीया,

संलग्नक:यथोपरि

—हस्ता.—
निदेशक (ए.एम.जी–III)

Ph. : 91-11-23454100
Fax : 91-11-23702271

A.G.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi - 110002
E-mail : dgacr@cag.gov.in

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2022-23/ 835 दिनाँक: 06.09.2022

प्रति,प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक,राष्ट्रीय बाल भवन,कोटला रोड,नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए|

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए,जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे,इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए|

संलग्नक: यथोपरि

सौम्या
निदेशक (ए.एम.जी–III)

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2022-23/ दिनाँक: 06.09.2022

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (स्वायत्त निकाय), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय) के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है|

संलग्नक: यथोपरि

– हस्ता॰ –
निदेशक (ए.एम.जी–III)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (रा.बा.भ.) की 31 मार्च 2023 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2022-23 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डों का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 7.69 करोड़ रुपये

भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014-15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है। इसके अतिरिक्त परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

क.1.2 ऋण, अग्रिमों एवं जमा राशियाँ (अनुसूची-8) – 4 करोड़ रुपए

उपरोक्त में मार्च 2008 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान विभिन्न कार्यों के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए 3.12 करोड़ रुपये की अग्रिम शामिल है। इनमें से जिन प्रयोजनों के लिए 0.69 करोड़ रुपये अग्रिम दिए गए थे, उन्हें पूरा कर लिया गया है और पूर्णता प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो गया है लेकिन समायोजन अभी भी लंबित है। शेष अग्रिमों में से 2.01 करोड़ रुपये का कार्य भी पूर्ण हो चुका है परन्तु पूर्णता प्रमाण-पत्र/लेखा विवरण के अभाव में समायोजन नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप ऋणों, अग्रिमों और जमाराशियों को अधिक बताया गया है और अचल संपत्तियों/व्यय को 2.70 करोड़ रुपये से कम बताया गया है।

ख. सामान्य

ख.1 1980-83 की अवधि के संबंध में सरकारी प्रतिभूतियों में 2.13 लाख रुपए निवेश का और जी.पी.ओ., नई दिल्ली के जी.पी.एफ. खाते से 16759 रुपयों का सत्यापन नहीं किया जा सका है क्योंकि संबंधित रिकॉर्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं किया गया था। राष्ट्रीय बाल भवन ने प्रकट किया है कि रिकॉर्ड का पता नहीं चल पा रहा है। प्रबंधन द्वारा इस संदर्भ में राशि को बट्टे-खाते में डालने का निर्णय लिया गया है। 2011-12 से इस संदर्भ का बार-बार उल्लेख किया गया है। परन्तु प्रबंधन द्वारा इसे बट्टे-खाते में डालने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप जी.पी.एफ. के परिसम्पत्ति और पूंजीगत लेखा में 2.30 लाख रुपए का अधिक विवरण परिलक्षित होता है।

ख.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24 अंक 7 और 8) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

(i) जे. एण्ड के. बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और

(ii) विविध देनदार से 3.71 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है।

हालांकि, रा.बा.भ. ने उपरोक्त राशि को लेखा से बट्टे-खाते में डाल दिया है। यह बात 2017-18 से बताई जा रही है।

ख.3 राज्य बाल भवन / बाल केंद्रों से उपयोग प्रमाण पत्र के प्राप्त न होने के कारण वर्ष 2012-13 से 2021-22 की अवधि के दौरान ऋण, अग्रिम और जमा में दर्शाए गए 39.76 लाख रुपये में से (अनुसूची-8) राज्य बाल भवनों / बाल केंद्रों को दी गई 24.76 लाख रु. की राशि आज की तारीख 31.03.2023 में बकाया है। खाते को अंतिम रूप देने से पूर्व उपयोग प्रमाण पत्र को तत्काल प्राप्त की जानी चाहिए जिससे कि व्यय वर्ष के व्यय को लाभ एवं व्यय खाते में दर्शाया जा सके और उसे खाते में अग्रमि राशि के रूप में न दर्शाया जाये। इस संबंध में वर्ष 2013-14 से निर्देश दिए गये हैं परंतु अधिक राशि के कारण अभी तक उपयोग प्रमाण पत्र विचाराधीन है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2022-23 के दौरान शिक्षा मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 2051.5 लाख रुपये की सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 100.00 लाख रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 1951.50 लाख रुपये) की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 161.00 लाख रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 00.00 रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 161.00 लाख रुपये) 31 मार्च 2023 तक 2212.50 लाख रुपये की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1931.47 लाख रुपये की राशियों का प्रयोग किया है (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान राशि : 100.00 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान राशि : 1831.47 लाख रुपये) एवं 281.03 लाख रुपये की शेष राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 0 लाख रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 281.03 लाख रुपये के निर्माण के लिए) प्रयोग में नहीं लाई गई है।

घ. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार पिछले पैराग्राफों में ऊपर चर्चा की गई टिप्पणियों के प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों और अन्य के साथ मिलकर पढ़े जाते हैं। इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित मामले भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते है:

क. जहाँ तक 31 मार्च 2023 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

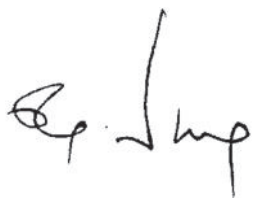

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 24.08.2023

महानिदेशक लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय व्यय)

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. **आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

   - राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नहीं है।

2. **आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

   राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-

   - 2011-12 से 2021-22 तक के अवधि से सम्बन्धित राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में अप्राप्य उपयोगिता प्रमाण पत्र।
   - 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   - स्थायी परिसम्पत्तियों के साथ पुस्तकों एवं प्रकाशनों की प्रत्यक्ष सत्यापन मार्च 2023 तक की गई थी।

4. **माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   - स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2023 तक किया गया था।

5. **देयताओं के भुगतान में नियमितता**

   - लेखों के अनुसार, 31.03.2023 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नहीं था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''